■ करगिल में स्थापित होगा 10,000 लीटर का डेयरी प्लांट-10

■ वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण देश के समक्ष बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति-10

■ ईरान के खिलाफ युद्ध 60 दिन की तय समय सीमा से पहले ही समाप्त हो गया : ट्रंप-11

■ व्यक्तिगत उपलब्धियों की बजाय टीम के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करता हूं : भुवनेश्वर-12

आज का मौसम
34.0⁰ अधिकतम तापमान
23.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.32
सूर्यास्त 06.47

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 12:50 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2083

शनिवार, 2 मई 2026, वर्ष 7, अंक 157, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के खिलाफ रिपोर्ट की मांग खारिज

नई दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने भाजपा नेताओं अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के खिलाफ कथित नफरत फैलाने वाले भाषणों के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि इन नेताओं के बयानों से कोई संज्ञेय अपराध नहीं बनता है।मामला : यह मामला 2020 में दिल्ली के शाहीन बाग में सीएए विरोधी प्रदर्शनों के दौरान दिए गए भाषणों से जुड़ा है। माकपा नेता वृंदा करात और के. एम. तिवारी ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसने निचली अदालत द्वारा एफआईआर दर्ज करने से इनकार करने के निर्णय को सही ठहराया था। शीर्ष अदालत ने माना कि उच्च न्यायालय का आकलन सही था और इसमें हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है।

तेलंगाना: फार्मा फैक्ट्री में ब्लास्ट, एक कर्मचारी की मौत

हैदराबाद। नालगोंडा जिले में शुक्रवार को एक दवा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट होने से 5 कर्मचारी झुलस गए और एक की मौत हो गई। हादसा चित्याल के पास स्थित प्लांट में उस समय हुआ जब कर्मचारी काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, प्राथमिक जांच में विस्फोट का कारण संयंत्र में अत्यधिक दबाव बनना लग रहा है। जिस समय धमाका हुआ, प्लांट में कुल आठ लोग मौजूद थे। झुलसे हुए लोगों में से पांच कर्मचारी 10 से 15 प्रतिशत तक जले हैं।

मजदूरों का शोषण बर्दाश्त नहीं सख्त निगरानी हो रही : योगी

श्रमिकों ने काम किया है तो दाम मिलना ही चाहिए, नहीं होने देंगे मजदूरी में कटौती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिकों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए दो टूक कहा कि काम किया है तो दाम भी मिलना चाहिए। अगर कोई मजदूरी नहीं देगा, तो सरकार उसका काम तमाम करेगी । उन्होंने कहा कि अब श्रमिकों के शोषण या मजदूरी में कटौती को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके लिए सख्त निगरानी तंत्र विकसित किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को राजधानी लखनऊ के आईजीपी में आयोजित "श्रमवीर गौरव समारोह 2026" में श्रमिक कल्याण एवं आधारभूत संरचना से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास समेत उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिकों और अटल आवासीय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र और टैबलेट देकर सम्मानित करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार से जुड़े कई बड़े फैसलों और योजनाओं की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार हर श्रमिक परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का विकास तभी सार्थक माना जाएगा, जब श्रमिक वर्ग सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होगा। बताया कि 12.26 लाख निर्माण श्रमिकों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराए जा चुके हैं। शेष 15.83 लाख श्रमिकों को भी जोड़ने का लक्ष्य है। कहा कि औसतन एक परिवार में पांच सदस्यों के आधार पर यह पहल 75 से 80 लाख लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा देगी, जबकि सरकार का लक्ष्य इसे बढ़ाकर 1 करोड़ श्रमिक परिवारों (करीब 5 करोड़ लोगों) तक पहुंचाने का है।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'श्रमवीर गौरव समारोह-2026' में अटल आवासीय विद्यालय वाराणसी के प्रधानाचार्य सत्येंद्र प्रताप सिंह को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी।

- **12.26 लाख निर्माण श्रमिकों को आयुष्मान सुविधा, 15.83 लाख को जल्द जोड़ा जाएगा**

औद्योगिक विकास और श्रमिक हित साथ-साथ

सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि उद्योग और श्रमिक एक-दूसरे के पूरक हैं और दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने चेताया कि जहां औद्योगिक अशांति होती है, वहां अंत में खंडहर के सिवाय कुछ नहीं बचता है। सरकार नए वेज बोर्ड के गठन के जरिए श्रमिकों के वेतन, बीमा और अन्य सुविधाओं को और बेहतर करने की दिशा में काम कर रही है। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों को भी 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा कवर देने की तैयारी है।

श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया

सुविधा केंद्र, 300 बेड का ईएसआईसी अस्पताल और विद्यालय का शिलान्यास

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा में श्रमिक सुविधा केंद्र, ईएसआईसी अस्पताल और जेवर में सीएम कंपोजिट विद्यालय के शिलान्यास के साथ श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया। ग्रेटर नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में श्रमिक सुविधा केंद्रों के निर्माण का शिलान्यास किया। इन केंद्रों के जरिए श्रमिकों को एक ही स्थान पर आवास, पंजीकरण, स्वास्थ्य और अन्य जरूरी सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। साथ ही ग्रेटर नोएडा में 7.2 एकड़ भूमि पर 300 बेड के अत्याधुनिक ईएसआईसी अस्पताल के निर्माण के लिए भूमि आवंटन पत्र भी सौंपा गया। मुख्यमंत्री ने जेवर में सीएम कंपोजिट विद्यालय के निर्माण का भी शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाकी बचे 34 जिलों में भी एक-एक औषधालय खोलने का प्रस्ताव है। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में ईएसआईसी अस्पताल होंगे, इसकी ग्रेटर नोएडा और गोरखपुर से शुरुआत हुई है, अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार होगा। योगी ने श्रमिक डॉरमेट्री और सस्ती कैंटीन के साथ जहां उद्योग, वहीं आवास सुविधा देने की बात भी कही।

ऊर्जा संकट का बड़ा प्रहार

कमर्शियल सिलेंडर 993, पांच किलो वाला 261 रुपये महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी/ अमृत विचार नेटवर्क

उत्पाद	नई कीमत (दिल्ली)	बढ़ोतरी
कमर्शियल गैस (19kg)	3,071.50	+ 993
छोटा सिलेंडर (5kg)	810.50	+ 261
थोक डीजल	149.00+	+ 12
पेट्रोल / घरेलू गैस	बदलाव नहीं	

- **पश्चिम एशिया युद्ध से वैश्विक सप्लाई चेन ठप, 50% तक उछले कच्चे तेल के दाम**
- **सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए खुद सहा 18 प्रति लीटर तक का नुकसान**

पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट का सीधा असर अब भारतीय बाजार पर दिखने लगा है। शुक्रवार को सरकारी तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 993 की ऐतिहासिक वृद्धि की घोषणा की, जिससे 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर का दाम 3,071.50 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसके साथ ही 5 किलो वाले छोटे सिलेंडर के दाम भी 261 बढ़कर 810.50 हो गए हैं।

सरकार ने 33 करोड़ घरेलू उपभोक्ताओं के लिए रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखा है, वहीं दूसरी ओर तेल कंपनियों पर वित्तीय दबाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। रेटिंग एजेंसी इक्रा के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 50% बढ़ने के बावजूद खुदरा रेट न बढ़ने से कंपनियों को डीजल पर 18 और पेट्रोल पर 14 प्रति लीटर का भारी घाटा उठाना पड़ रहा है। इंडियन ऑयल ने स्पष्ट किया कि देश के 80% पेट्रोलियम उत्पादों, जो आम आदमी से जुड़े हैं, उनकी कीमतों में कोई बदलाव नहीं कर उन्हें सुरक्षित रखा गया है।

इसी बीच फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशंस ऑफ इंडिया ने आशंका जताई है कि वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी से होटल और रेस्तरां उद्योग पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है, जिससे आने वाले दिनों में खाने-पीने की चीजों के दाम 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ने की आशंका है। फेडरेशन के मुताबिक, 19 किलो वाले वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम में 993 रुपये की हालिया वृद्धि के साथ अब इसकी कीमत 3,071.50 रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। पिछले तीन महीनों में सिलेंडर की कीमतों में कुल 1,332.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जिसे उद्योग संगठनों ने परिचालन लागत के लिए एक गंभीर झटका बताया है।

क्यों गहराया संकट?

होर्मुज की बंदी : वैश्विक तेल परिवहन का मुख्य मार्ग पिछले तीन महीनों से बाधित है।युद्ध का प्रभाव : पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने सप्लाई चेन को तोड़ दिया है।रणनीति : सरकार कीमतों में वृद्धि को 'चरणबद्ध' तरीके से लागू कर रही है ताकि अर्थव्यवस्था पर अचानक बोझ न पड़े।

अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइंस के लिए विमान ईंधन 5% महंगा, घरेलू कंपनियों को राहत

नई दिल्ली : अंतर्राष्ट्रीय विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन की कीमतों में शुक्रवार को 5.33 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। तेल कंपनियों ने दिल्ली में इसकी कीमत 76.55 डॉलर बढ़ाकर 1,511.86 डॉलर किलोलीटर कर दी है। हालांकि, घरेलू विमानन कंपनियों के लिए कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेल कंपनियों के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक कीमतों में आए तेज उछाल के बोझ को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। विमान ईंधन की कीमतें दो दशक से अधिक समय से विनियमित हैं और अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के आधार पर तय होती हैं। उद्योग सूत्रों का कहना है कि जहां विदेशी कंपनियों को अब बाजार दरों पर ईंधन खरीदना होगा, वहीं घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमतों को नियंत्रित रखा गया है।

केरल में होटल संगठन की राज्यव्यापी हड़ताल की घोषणा

कोच्चि। केएचआरए ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि के विरोध में छह मई को राज्यव्यापी हड़ताल की घोषणा की है। प्रदेश अध्यक्ष जी. जयपाल ने कहा कि एलपीजी कीमतों में अनुचित बढ़ोतरी के विरोध में छह मई को राज्यभर के सभी होटल और रेस्तरां बंद रहेंगे।

बंगाल : मतगणना में केंद्रीय कर्मियों की तैनाती पर सुप्रीम कोर्ट पहुंची टीएमसी, सुनवाई आज

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी

- **सिर्फ केंद्रीय कर्मियों को ही गिनती की जिम्मेदारी देने का विरोध**
- **शीर्ष अदालत ने की शनिवार को सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच गठित**

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के परिणामों से ठीक पहले 'मतगणना पर्यवेक्षकों' की नियुक्ति को लेकर घमासान तेज हो गया है। तृणमूल कांग्रेस ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पार्टी ने चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें मतगणना के लिए केवल केंद्र सरकार और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों को ही पर्यवेक्षक और सहायक नियुक्त करने की बात कही गई है।

4 मई को होने वाली मतगणना को देखते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को तत्काल सुनवाई के लिए एक स्पेशल बेंच का गठन किया है। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जोयमलया बागची की पीठ इस याचिका पर विचार करेगी। इससे पहले, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने टीएमसी की उस अर्जी को खारिज कर दिया था, जिसमें राज्य सरकार के कर्मियों को इस प्रक्रिया से बाहर रखने का विरोध किया गया था। उच्च न्यायालय ने माना था कि यह निर्णय निर्वाचन आयोग के विशेषाधिकार के अंतर्गत आता है और इसमें कोई अवैधता नहीं है। टीएमसी का कहना है कि राज्य के कर्मचारियों को पूरी तरह बाहर रखना और केवल केंद्रीय कर्मियों पर भरोसा करना निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। पार्टी ने बंगाल के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के उस आदेश को भी चुनौती दी है, जिसमें प्रत्येक टेबल पर अनिवार्य रूप से कम से कम एक केंद्रीय कर्मचारी तैनात करने का निर्देश दिया गया था।

बंगाल के दो विधानसभा क्षेत्रों के 15 बूथों पर पुनर्मतदान आज

कोलकाता : निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के दो विधानसभा क्षेत्रों के कुल 15 मतदेय स्थलों पर 2 मई को पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया है। आयोग का यह फैसला 29 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान चुनावी अनियमितताओं की शिकायतों और पर्यवेक्षकों से मिली रिपोर्ट के बाद आया है। इसके तहत मगराहाट पश्चिम के 11 और डायमंड हार्बर के 4 बूथों पर शनिवार सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे के बीच दोबारा वोट डाले जाएंगे। भाजपा ने इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाया था, जिसकी जांच विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता द्वारा की गई थी।

जौनपुर: बरात लेकर जा रहे दूल्हे की गोली मारकर हत्या

जौनपुरः उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में शुक्रवार शाम सनसनीखेज वारदात सामने आई। यहां बरात लेकर जा रहे एक दूल्हे की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना खेतासराय थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव के पास की है। पुलिस ने हमलावरों की तलाश में इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव के अनुसार, मृतक की पहचान सरायख्वाजा क्षेत्र के बड़उर गांव निवासी आजाद बिंद (27) के रूप में हुई है।

- **नकाबपोश हत्यारों ने वारदात को दिया अंजाम**

शाम करीब सात बजे जब बरात बीबीपुर के पास पहुंची, तभी मोटरसाइकिल सवार नकाबपोश बदमाशों ने दूल्हे की गाड़ी को ओवरटेक किया और आजाद पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल दूल्हे को बाराती तुरंत जिला अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

रोकी टोल वसूली : गंगा एक्सप्रेस-वे पर 15 दिन तक करें मुफ्त सफर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता को बड़ी सौगात देते हुए गंगा एक्सप्रेसवे को वाणिज्यिक परिचालन की तारीख से पहले 15 दिनों तक टोल-मुक्त रखने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री के इस फैसले के बाद अब यात्री बिना किसी शुल्क के प्रदेश के सबसे लंबे और अत्याधुनिक एक्सप्रेसवे का अनुभव ले सकेंगे।

शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देश पर यूपीडा ने निर्माण कंपनियों आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर और अदाणी इन्फ्रास्ट्रक्चर को 15 दिनों तक टोल संग्रह स्थगित रखने के निर्देश जारी कर दिए हैं।राजस्व की भरपाई करेगी सरकारपीपीपी मॉडल पर बने इस एक्सप्रेसवे में कंपनियों को 27 वर्षों तक टोल वसूली का अधिकार है। हालांकि, शुरुआती 15 दिनों में होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई राज्य सरकार या यूपीडा द्वारा अनुबंध के प्रावधानों के अनुसार की जाएगी। उप्र की अर्थव्यवस्था के लिए 'गेम चेंजर'मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे को उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए 'पासा पलटने वाला' माना जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि टोल छूट के माध्यम से अधिक से अधिक लोग इसकी गुणवत्ता, गति और जन-सुविधाओं से सीधे रूबरू हो सकें।

जेल से छूटे किसान को गोलियों से भूना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः सिलसिलेवार हत्याओं को लेकर सुर्खियों रहे थाना फरीदपुर क्षेत्र के रायपुर हंस गांव में इस बार जेल से जमानत पर छूटे किसान को गोलियों से भून दिया गया। झोंपड़ी में सोते समय उसे कई गोलियां मारी गईं। सुबह खून से लथपथ शव मिला। भतीजी की लव मैरिज को लेकर मृतक पक्ष की हिस्ट्रीशीटर ऋषिपाल गुट से रंजिश चल रही थी। किसान ने हाल में कुछ जमीन भी बेची थी। परिवार ने कई लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस कई बिंदुओं पर जांच में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, रायपुर हंस निवासी इंद्रपाल सिंह (40) कुछ माह पहले एक व्यक्ति पर हमले के मामले में जेल से जमानत पर बाहर आए थे। बाग की रखवाली को उन्होंने गांव के बाहर झोंपड़ी डाल रखी थी। रात में सुनियोजित तरीके से इंद्रपाल की गोलियां बरसाकर हत्या कर दी गई। सुबह लोगों ने शव देखा। पता होते ही एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा, सीओ संदीप कुमार, डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम के मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच शव का पोस्टमार्टम कराया है। इंद्रपाल के पेट, सीने और पैर में गोली लगी पाई हैं। जांच में पता लगा कि मृतक इंद्रपाल की भतीजी के प्रेम सम्बंध गांव के विकास थे और दोनों ने गांव से भागकर शादी कर ली थी। तब अपहरण की रिपोर्ट लिखाई थी मगर युवती ने बरामदगी के बाद प्रेमी के पक्ष में बयान दिए थे और विकास के साथ गांव में ही रहने लगी थी। दोनों परिवारों इससे रंजिश और बढ़ गई थी। जांच में ये भी सामने आया है कि हाल में इंद्रपाल ने लाखों रुपये में जमीन बेची थी। पत्नी से सम्बंध बहुत पहले खत्म हो चुके थे। मर्जी से पैसा खर्च कर रहे थे। पुलिस रिकार्ड में इंद्रपाल पर 10 मुकदमे दर्ज चल रहे थे। एसपी ने बताया कि हत्याकांड के खुलासे को तीन टीमें गठित की गई हैं। सभी पहलुओं पर छानबीन जारी है।

इंद्रपाल सिंह

- **बाग की रखवाली करते समय हमलावरों ने मारीं गोलियां**
- **भतीजी की लव मैरिज को लेकर थी दूसरे गुट से रंजिश**

रायपुर हंस में तनाव, टकराव की आशंका में फोर्स तैनात

रामगंगा की कटरी में बसे रायपुर हंस गांव में रंजिशों के चलते लगातार लोगों की हत्याएं होती रही हैं। कई साल गांव शांत रहा मगर अब इंद्रपाल हत्याकांड से फिर दहशत फैल गई है। कटरी में हुई गैंगवार में शामिल चर्चित सुरेश पाल सिंह भी इसी गांव का निवासी है। इंद्रपाल की भतीजी के गायब होने के मामले में हिस्ट्रीशीट ऋषिपाल पक्ष के साथ सुरेश पाल को भी आरोपी बनाया गया था मगर जांच के बाद पुलिस ने एफआर लगा दी थी। इंद्रपाल की हत्या से गांव में तनाव भारी तनाव का माहौल है। टकराव की आशंका के चलते अफसरों ने मौके पर फोर्स का पहरा बिठा दिया है। पुलिस टीमें हमलावरों की तलाश में जुटी हैं।

न्यूज ब्रीफ

एसआरएन अस्पताल से बंदी फरार

प्रतापगढ़, एजेंसी: प्रतापगढ़ जिला कारागार का एक बंदी गुरुवार रात प्रयागराज स्थित एसआरएन अस्पताल से पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया, जिससे पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अंतू थाना क्षेत्र के चौबेपुर गांव निवासी बाबूलाल वर्मा (45) को तबीयत बिगड़ने पर जिला जेल से इलाज के लिए एसआरएन अस्पताल, प्रयागराज भेजा गया था। इसी दौरान वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी, हालांकि देर रात तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका।

अजय राय की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में भर्ती

लखनऊ, अमृत विचार: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की तबीयत शुक्रवार शाम अचानक बिगड़ गई। बेहोशी की हालत में उन्हें तत्काल मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है, देर शाम उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। जहां, उनका इलाज चल रहा है। पार्टी प्रवक्ता अंशु अवस्थी के अनुसार, सोडियम स्तर कम होने के कारण प्रदेश अध्यक्ष अपने आवास पर बेहोश हो गए, फिलहाल उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और विस्तृत मेडिकल जांच जारी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी हुई है।

रिश्वतखोरी में राजस्व निरीक्षक को सजा

अंबेडकरनगर, अमृत विचार: जनपद में रिश्वतखोरी के एक मामले में राजस्व निरीक्षक राम जियावन शर्मा को सात साल कैद की सजा सुनाई गई है। एंटी करप्शन कोर्ट ने फैसला सुनाया, जिसमें उन पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। यह एंटी करप्शन कोर्ट की स्थापना के बाद आया पहला फैसला है। विशेष न्यायाधीश एंटी करप्शन कोर्ट रजत वर्मा ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने आदेश दिया कि यदि दोषी राम जियावन शर्मा जुर्माना अदा नहीं करते हैं, तो उन्हें 120 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

एसएनए-स्पर्श 2.0 योजना हुई लागू

लखनऊ, अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने केंद्र प्रायोजित योजनाओं में धनराशि के प्रवाह और भुगतान व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए 1 मई से एसएनए-स्पर्श 2.0 प्रणाली लागू कर दी है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार की ओर से शासनादेश जारी किया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब योजनाओं से जुड़े बिल सीधे एसएनए को भेजने के बजाय जनपदीय कोषागार के माध्यम से निस्तारित होंगे। इससे भुगतान प्रक्रिया अधिक नियंत्रित, पारदर्शी और व्यवस्थित बनने की उम्मीद है।

गेहूं खरीद में देवरिया सबसे आगे

लखनऊ, अमृत विचार: प्रदेश में रबी विपणन सत्र के दौरान गेहूं खरीद अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। खरीद में पश्चिम को पूर्वांचल के जिलों ने पीछे छोड़ दिया है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही का जिला देवरिया गेहूं खरीद में सबसे आगे है। गेहूं खरीद में पूर्वांचल के जिलों का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। देवरिया ने 55.82% खरीद के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इसके अलावा बस्ती, प्रतापगढ़, बलरामपुर और संतकबीरनगर भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

प्रदेश में बीते 9 वर्षों में महिला सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार की नीतियों का जमीन पर दिख रहा असर

महिला सुरक्षा पर सख्ती और त्वरित न्याय से आया सुधार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: महिला सुरक्षा अब सिर्फ नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लागू व्यवस्था बन चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति से पिछले नौ वर्षों में व्यापक बदलाव देखने को मिला है।

पहले जहां महिला अपराधों के मामलों में देरी और कार्रवाई की कमी थी, वहीं अब त्वरित न्याय, सख्त पुलिसिंग और तकनीकी निगरानी के जरिए सुरक्षा तंत्र अधिक मजबूत हुआ है। प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को केंद्र में रखते हुए कई स्तरों पर ठोस कदम उठाए गए हैं। बीट पुलिसिंग, पिंक बूथ, एंटी रोमियो स्क्वाड, मिशन शक्ति और फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसी व्यवस्थाओं ने सुरक्षा का बहुस्तरीय ढांचा तैयार किया है, जिससे अपराध रोकथाम और त्वरित कार्रवाई दोनों में सुधार हुआ है।

- सुनवाई, चार्जशीट व सजा दर से न्याय प्रणाली में भी बदलाव

फास्ट ट्रैक कोर्ट से तेज हुआ न्याय

महिलाओं और बच्चियों से जुड़े मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए राज्य में 9 वर्षों में 218 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही सभी 75 जिलों में पॉक्सो विशेष न्यायालय संचालित हैं, जहां मामलों के निस्तारण के लिए छह माह का लक्ष्य तय किया गया है। पहले जहां ऐसे मामलों में लंबित मामलों की संख्या अधिक रहती थी, वहीं अब सुनवाई की गति बढ़ी है। सरकार के अनुसार, न्यायिक प्रक्रिया में तेजी से पीड़िताओं का भरोसा भी बढ़ा है।

एंटी रोमियो और मिशन शक्ति का असर

2017 में गठित एंटी रोमियो स्क्वाड ने सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ और उत्पीड़न के मामलों में अंकुश लगाने में अहम भूमिका निभाई है। फरवरी 2026 तक इन टीमों द्वारा व्यापक स्तर पर चेकिंग अभियान चलाते हुए हजारों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वर्ष 2020 से संचालित मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सुरक्षा, जागरूकता और स्वावलंबन को जोड़ते हुए एकीकृत प्रयास किए गए हैं। 40 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है।

तकनीक व हेल्पलाइन से बढ़ी पहुंच

महिला हेल्पलाइन 1090 के जरिए अब तक 5 करोड़ से अधिक शिकायतों का निस्तारण किया गया है। इसके माध्यम से एफआईआर दर्ज कराने की सुविधा ने भी प्रक्रिया को आसान बनाया है। इसके अलावा सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत लखनऊ समेत कई शहरों में हजारों सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी बढ़ाई गई है। 2500 से अधिक पिंक बूथ और महिला पुलिस थानों की स्थापना ने महिलाओं को सुरक्षित माहौल प्रदान किया है।

सड़क किनारे पड़ी गर्म राख से चार बच्चे झुलसे

बिजनौर, एजेंसी

- बिजनौरका मामला, 50 प्रतिशत तक झुलसे बच्चे

बिजनौर कोतवाली क्षेत्र में सड़क किनारे पड़ी फैक्ट्री की गर्म राख की चपेट में आकर चार बच्चे झुलस गए। सभी घायलों को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

थाना प्रभारी रामप्रताप सिंह ने बताया कि शुक्रवार को बिजनौर-नहटौर मार्ग पर राधास्वामी आश्रम के पास सड़क किनारे गर्म राख पड़ी हुई थी। इसी दौरान शहर के चार बच्चे मोहम्मद शाद (12), रिहान (13), उजैर (13) और साहिल (12) बाग में आम तोड़ने गए थे और रास्ते में राख की चपेट में आकर झुलस गए। उन्होंने बताया कि शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने सभी बच्चों को तुरंत मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार, बच्चे 30 से 50 प्रतिशत तक झुलस गए हैं और उनका इलाज जारी है। उप जिलाधिकारी (एसडीएम) रितु रानी ने बताया कि यह पता लगाया जा रहा है कि गर्म राख किस फैक्ट्री की है और इसे किसने सड़क किनारे डाला है। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रियल एस्टेट कारोबारी ने 11वीं मंजिल से कूदकर दी जान

आईपीएल के मैच में सट्टे में हार गया था लाखों रुपये

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

गुडंबा के कुर्सी रोड स्थित जनेश्वर इन्क्लेव की 11वीं मंजिल से कूदकर रियल एस्टेट कारोबारी प्रबल जैन (31) ने जान दे दी। गुरुवार रात परिसर में उसके गिरने के बाद लोगों ने ट्रामा सेंटर पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि कर दी। उसने गुरुवार को हुए आरसीबी और गुजरात टाइटंस के आईपीएल मैच में लाखों रुपये सट्टे में लगाए थे। सुसाइड के पहले प्रबल ने पत्नी को कॉल कर सट्टे में हारने की बात बताई। पत्नी ने उसे समझाया, लेकिन उसने उनका फोन काट दिया। मोबाइल फोन कब्जे में लेते हुए पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक सेशन बेटिंग इसमें सटोरिये हर बॉल, ओवर, या सेशन (10-15 ओवर) में बनने वाले रनों या विकेटों पर दांव लगाते हैं। प्रबल सेशन बेटिंग में काफी पैसे हार चुका था।

सीतापुर महमूदाबाद के मूल निवासी प्रबल जैन जनेश्वर इन्क्लेव में ओमप्रकाश श्रीवास्तव के फ्लैट डी-1102 में किराए पर रहते थे। साथ में पत्नी शिवानी जैन भी रहती थी। शिवानी इकाना स्टेडियम के पास स्थित फीनिक्स प्लासियो मॉल में फ्लोर मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। दोनों का विवाह करीब डेढ़ वर्ष पूर्व हुआ था।

इंटीग्रल में साथ पढ़ते थे प्रबल व शिवानी

शिवानी ने पुलिस को बताया कि वह झारखंड के बोकारो की रहने वाली है। उसकी प्रबल से मुलाकात इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान हुई थी। वहीं दोनों के बीच प्रेम संबंध बना, बाद में उन्होंने शादी कर ली। लोगों ने बताया कि करीब दो साल पहले वह जनेश्वर में रहने आए थे। इसके बाद प्रबल ने अपनी बहन की और फिर अपनी शादी की। प्रबल के पिता उमेश जैन ने भी आत्महत्या की थी, जबकि मां का भी निधन हो चुका है।

> मौके से एक सुसाइड नोट और दो मोबाइल मिले हैं। उसमें मैच में रुपये हारने की बात लिखी है। प्रबल ने पत्नी और परिवार से माफी मांगी है। बैंक स्टेटमेंट और परिवार की शिकायत के आधार पर जांच की जाएगी।
>
> -अनिंद्य विक्रम सिंह, एसीपी गाजीपुर

छात्रा से दुष्कर्म करने के आरोप में प्रधानाध्यापक गिरफ्तार

बलिया, एजेंसी: जिले में सरकारी प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक की छात्रा से दुष्कर्म और पांचवी कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में शुक्रवार को प्रधानाध्यापक को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) आलोक गुप्ता ने शुक्रवार को बताया कि सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय की दोनों छात्राएं 28 अप्रैल को स्कूल गई थीं।

उन्होंने कहा कि प्रधानाध्यापक फैजुल्लाह अंसारी (55) ने कक्षा एक की छात्रा को टॉफी का लालच देकर शौचालय में बुलाया और उससे दुष्कर्म किया। गुप्ता ने कहा कि प्रधानाध्यापक पर पहले भी कई बार छात्रा के साथ ऐसा करने का आरोप है। उन्होंने कहा कि इसी गांव की कक्षा पांच में पढ़ने वाली नौ वर्षीय छात्रा के साथ भी आरोपी ने कथित तौर पर गलत हरकत की।

आस्था

वाराणसी में दशाश्वमेध घाट पर बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर लोग गंगा नदी में स्नान कर प्रार्थना करते हुए। • एजेंसी

अखिल भारतीय सेवाओं में एकीकृत पेंशन योजना लागू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अधिकारियों को एनपीएस से यूपीएस में माइग्रेशन का विकल्प
- मूल वेतन से अंशदान शुरू, केंद्र-राज्य दोनों देंगे योगदान

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार की ओर से शासनादेश जारी किया गया है। नई व्यवस्था के तहत राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से जुड़े अधिकारियों को एकीकृत पेंशन योजना में शामिल होने का विकल्प दिया गया है।

शासनादेश के अनुसार, यूपीएस में माइग्रेशन की प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होकर मई के वेतन आहरण के बाद पूरी की जाएगी। योजना के अंतर्गत कर्मचारियों के अंशदान के साथ-साथ राज्य और केंद्र सरकार दोनों का योगदान भी सुनिश्चित किया गया है। कर्मचारी अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10 प्रतिशत अंशदान देंगे, जबकि राज्य सरकार भी समान योगदान देगी। इसके अतिरिक्त कुल वेतन का 8.5 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

शासनादेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यूपीएस के तहत योगदान और भुगतान की प्रक्रिया एनपीएस की मौजूदा प्रणाली के अनुरूप ही संचालित की जाएगी, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था में निरंतरता बनी रहे। इसके लिए कोषागार और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों को यूपीएस में माइग्रेशन के लिए दो विकल्प दिए गए हैं। पहला, संबंधित कार्यालय के आहरण एवं वितरण अधिकारी (डीडीओ) के माध्यम से आवेदन कर माइग्रेशन कराया जा सकता है। दूसरा, अधिकारी स्वयं ऑनलाइन माध्यम से प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

मस्जिद के कमरे में मदरसे के छात्र ने की आत्महत्या

सुल्तानपुर, एजेंसी: जिले में चांदा कोतवाली क्षेत्र के तातोमुरैनी गांव में शुक्रवार शाम मदरसे के एक छात्र ने मस्जिद के कमरे में कथित तौर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान रेहान (14) के रूप में हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार तातोमुरैनी निवासी मोहम्मद का पुत्र रेहान शुक्रवार दोपहर जुमे की नमाज अदा करने मस्जिद गया था। नमाज के बाद वह घर लौटा और कुछ देर बाद दोबारा मस्जिद आया। इसके बाद उसने मस्जिद के एक कमरे में पंखे से रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

शाम करीब चार बजे असर की नमाज के लिए पहुंचे लोगों ने रेहान का शव पंखे से लटका देखा, जिसके बाद घटना की जानकारी फैलते ही गांव में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के पास एकत्र हो गए।

जेवर एयरपोर्ट : 15 जून से शुरू होंगी कामर्शियल उड़ानें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर भारत के एविएशन सेक्टर में एक बड़ा बदलाव 15 जून से देखने को मिलेगा, जब नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कामर्शियल फ्लाइट्स का संचालन शुरू हो जाएगा। इस शुरुआत के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एक विश्वस्तरीय एविएशन गेटवे मिल जाएगा, जिससे यात्रा, व्यापार और निवेश की संभावनाएं नई ऊंचाई पर पहुंचेंगी।

यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क का अहम हिस्सा मानी जा रही है। एयरपोर्ट से पहली कमर्शियल उड़ान इंडिगो द्वारा संचालित की जाएगी। इसके बाद आकाश एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारी में हैं। उड़ानों के शेड्यूल और गंतव्यों की घोषणा जल्द की जाएगी।

एयरपोर्ट का संचालन प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन और ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी से एयरोड्रोम सुरक्षा कार्यक्रम (एएसपी) की मंजूरी मिलने के बाद शुरू किया जा रहा है, जो इसकी सुरक्षा और संचालन मानकों की पुष्टि करता है।

- इंडिगो की पहली उड़ान, पश्चिमी यूपी-एनसीआर को मिलेगा ग्लोबल गेटवे

आधुनिक सुविधाओं से लैस, कनेक्टिविटी का हब: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अत्याधुनिक टर्मिनल, स्मार्ट ऑपरेशन सिस्टम और मजबूत मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के साथ विकसित किया गया है। इसे यमुना एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न व वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जोड़ा गया है, जिससे यात्रियों और कार्गो ऑपरेटरों को सहज कनेक्टिविटी मिलेगी। यह एयरपोर्ट न केवल दिल्ली-एनसीआर के एयर ट्रैफिक का दबाव कम करेगा, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास, पर्यटन और रोजगार सृजन को भी नई गति देगा।

ग्रीन और भविष्य उन्मुख परियोजना: यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित यह ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट टिकाऊ डिजाइन और नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य के साथ तैयार किया गया है। वर्तमान में यह सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की क्षमता रखता है, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 7 करोड़ से अधिक करने की योजना है।

एक पेड़ मां के नाम यूपी मॉडल को मिली ब्रिक्स देशों की सराहना

लखनऊ, अमृत विचार: केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से आयोजित वर्चुअल समिट में ब्रिक्स देशों ने उत्तर प्रदेश के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना की।

ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, इथोपिया, ईरान और इंडोनेशिया समेत नौ देशों के युवा प्रतिनिधियों ने इस पहल को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रभावी और प्रेरक मॉडल बताया।

प्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चल रहे 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान में पौधरोपण के नए मानक स्थापित किए गए हैं। 9 जुलाई 2025 को एक ही दिन में 37 करोड़ से अधिक पौधे लगाकर प्रदेश ने विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि पिछले नौ वर्षों में 242 करोड़ से अधिक पौधरोपण किया जा चुका है।

समिट में प्रतिभागियों ने कहा कि यह अभियान लोगों को प्रकृति से भावनात्मक रूप से जोड़ता है, जो इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

रनवे पर आए बंदर उड़ान रोकी गई

लखनऊ, एजेंसी: लखनऊ हवाई अड्डे से रायपुर जाने को तैयार इंडिगो की एक उड़ान को रनवे पर बंदरों का झुंड देखे जाने के बाद रवाना होने से रोक दिया गया। उड़ान संख्या 6ई 6521 के विमान में लगभग 150 यात्री सवार थे और यह सुबह करीब नौ बजे रवाना होने के लिए रनवे पर तेजी से आगे बढ़ना शुरू कर चुका था।

पहली पत्नी के जीवित रहते दूसरी को पारिवारिक पेंशन का अधिकार नहीं

लोक अदालत न्यायिक आदेश नहीं दे सकता

प्रयागराज, अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लोक अदालतों की कार्यसीमा को स्पष्ट किया है कि लोक अदालत न्यायनिर्णयन नहीं, बल्कि केवल सुलह-समझौते का वैधानिक मंच है। यदि पक्षकारों के बीच समझौता नहीं हो पाता तो लोक अदालत किसी मामले के गुण-दोष पर फैसला नहीं दे सकती और न ही पुलिस की अंतिम रिपोर्ट को खारिज कर उसे परिवाद के रूप में दर्ज करने का आदेश पारित कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार के न्यायिक अधिकार केवल नियमित न्यायालय को प्राप्त हैं। अतः अधिकार-क्षेत्र से परे जाकर लोक अदालत द्वारा पारित कोई भी आदेश विधि की दृष्टि में शून्य और अस्थिर है। यह आदेश न्यायमूर्ति अचल सचदेव की एकलपीठ ने श्रीमती मय्या उर्फ प्रेम कुमारी, श्रीमती रंजना और कु. वंदना की याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार पुलिस स्टेशन अतर्रा, बांदा में भारतीय दंड संहिता की धारा 323, 504 और 506 के तहत मौजूदा मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने 10 दिसंबर 2016 को अंतिम रिपोर्ट दाखिल की थी। इसके विरुद्ध वादी ने विरोध याचिका दाखिल की। राष्ट्रीय लोक अदालत ने 9 दिसंबर 2017 को अंतिम रिपोर्ट निरस्त करते हुए मामले को परिवाद के रूप में दर्ज करने का आदेश दिया। बाद में इसी आधार पर 28 मार्च 2024 को याचियों को तलब कर लिया गया।

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दूसरे विवाह को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के लागू होने के बाद पहली पत्नी के जीवित रहते किया गया दूसरा विवाह विधि की दृष्टि में पूर्णतः शून्य है। ऐसी स्थिति में दूसरी पत्नी को न तो वैधानिक पत्नी का दर्जा प्राप्त हो सकता है और न ही वह मृत सरकारी कर्मचारी के परिवार की परिभाषा में शामिल मानी जा सकती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कानून जिस संबंध को मान्यता ही नहीं देता, उसके आधार पर पारिवारिक पेंशन जैसे वैधानिक लाभ का दावा भी स्वीकार नहीं किया जा सकता।

यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकलपीठ ने श्रीमती आशा सिंह की याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार याची के पति दिलीप कुमार सिंह वर्ष 2005 में प्राथमिक विद्यालय, वाराणसी में सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्त हुए थे। 5 जुलाई 2017 को सेवा के दौरान उनका निधन हो गया। उनके परिवार में याची, जो उनकी विधिवत विवाहित पत्नी हैं तथा दत्तक पुत्र विजय कुमार सिंह हैं। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी परिवार सदस्य प्रमाणपत्र में भी याची को वैध पत्नी के रूप में मान्यता दी गई है। कोर्ट ने कहा कि पारिवारिक पेंशन केवल उन व्यक्तियों को देय है, जो नियमों के तहत मृत कर्मचारी के परिवार की परिभाषा में आते हैं। दूसरी पत्नी, जिसका विवाह स्वयं विधि की दृष्टि में अमान्य है, इस परिभाषा में शामिल नहीं हो सकती। अतः उसके पक्ष में किया गया कोई नामांकन भी विधिवत विवाहित पत्नी के अधिकारों को प्रभावित नहीं कर सकता।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पहली पत्नी के जीवित रहते और उसके पुनर्विवाह न करने की स्थिति में दूसरी पत्नी को पारिवारिक पेंशन का कोई अधिकार प्राप्त नहीं होता। कोर्ट ने माना कि याची ही मृतक कर्मचारी की विधिवत विवाहित पत्नी हैं, इसलिए उनसे उत्तराधिकार प्रमाणपत्र की मांग करना न केवल अनावश्यक, बल्कि विधि-विरुद्ध भी है। पारिवारिक पेंशन उत्तराधिकार का विषय नहीं, बल्कि वैधानिक अधिकार है, जो सीधे पात्र आश्रित को देय होता है।

पहल

मई से श्रावस्ती में होगी शुरुआत, ग्राम पंचायत स्तर पर खुलेगी चौपाल

संध्या संवाद से गांव-गांव पहुंचेगी सरकार की बातें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: देवीपाटन मंडल में 'संध्या संवाद कार्यक्रम' की शुरुआत आठ मई से की जा रही है। इसकी शुरुआत श्रावस्ती की चयनित ग्राम पंचायत से होगी। जहां खुली चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जाएंगी, मौके पर ही उनका निस्तारण किया जाएगा। योगी सरकार इस मॉडल को सभी मंडलों में अपना सकती है।

देवीपाटन मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि यह पहल मुख्यमंत्री के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के विजन को जमीनी स्तर पर लागू करने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। कार्यक्रम के तहत गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर की ग्राम पंचायतों में संवाद स्थापित किया जाएगा, जिससे ग्रामीण सीधे प्रशासन से जुड़ सकें। कार्यक्रम के दौरान एक दिवसीय विशेष शिविर भी लगाया जाएगा, जहां पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ मौके पर ही दिया जाएगा। प्रमाणपत्र वितरण भी उसी दिन किया जाएगा, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

- मौके पर समाधान व लाभ वितरण, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने पर जोर

दोपहर तक जनसुनवाई, शाम को खुली चौपाल

आठ मई को श्रावस्ती में सुबह 10 से 12 बजे तक जनसुनवाई होगी। इसके बाद दोपहर 12 से 1 बजे तक कर्मचारियों और पेंशनरों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा। दोपहर 2 से 4 बजे तक निर्माणाधीन और पूर्ण परियोजनाओं की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। शाम 5 से 7 बजे के बीच चयनित ग्राम पंचायत में "संध्या संवाद" के तहत खुली चौपाल आयोजित होगी। सरकार का मानना है कि इस पहल से न केवल योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि जमीनी समस्याओं की पहचान कर उनका त्वरित समाधान भी संभव होगा।

मौके पर रिकार्ड के साथ आएंगे अफसर

अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी आवश्यक अभिलेखों के साथ मौके पर उपस्थित रहें, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी मौके पर ही वितरित किए जाएंगे, जिससे उन्हें बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। इस पहल से प्रशासन और जनता के बीच संवाद को प्रभावी माध्यम माना जा रहा है, जिससे न केवल समस्याओं का त्वरित समाधान होगा बल्कि योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं की भी पहचान की जा सकेगी।

अन्य जिलों में भी लागू हो सकता मॉडल

संध्या संवाद कार्यक्रम को सफल होने पर प्रदेश के अन्य मंडलों और जिलों में भी लागू किया जा सकता है। ग्राम पंचायत स्तर पर सीधा संवाद स्थापित कर योजनाओं का लाभ देना शासन की प्राथमिकताओं को तेजी से पूरा करने में सहायक होगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी, शिकायतों का समयबद्ध समाधान होगा।

न्यूज ब्रीफ

'हायर एंड फायर' व्यवस्था से श्रमिकों में असुरक्षा बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि वर्तमान में आउटसोर्सिंग, दैनिक वेतन और 'हायर एंड फायर' जैसी व्यवस्थाओं ने श्रमिकों के जीवन में असुरक्षा बढ़ा दी है, जिससे उनके परिवार, शिक्षा और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा और मई दिवस के अवसर पर कहा कि गौतम बुद्ध के बताए मार्ग पर चलकर लोगों के जीवन को सुखी और समृद्ध बनाना ही सच्चा राजधर्म है। उन्होंने सभी धर्मों के लोगों की जान-माल और मजहब की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया, इसे ही बुद्ध के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया।

बच्चों के हाथ में किताब हो, औजार नहीं : त्यागी

अमृत विचार, लखनऊ : अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर रालोद के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोकी त्यागी ने बाल श्रम को देश के भविष्य के साथ समझौता बताते हुए इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि "बच्चों के हाथों में औजार नहीं, बल्कि किताबें होनी चाहिए", ताकि वे शिक्षित होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक में त्यागी ने न्यूनतम मजदूरी के सख्त अनुपालन पर जोर देते हुए कहा कि आज भी कई स्थानों पर श्रमिकों को उचित पारिश्रमिक नहीं मिल रहा है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने सरकार से बाल श्रम उन्मूलन के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने की मांग की।

सारनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब

अमृत विचार, लखनऊ : बुद्ध पूर्णिमा पर सारनाथ में आयोजित 'बौद्ध महोत्सव' में देश-विदेश से आए एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान गौतम बुद्ध की पवित्र अस्थि धातु के दर्शन किए। इंटरनेशनल बौद्धिस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया और जम्बू द्वीप बुद्ध विहार के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में भिक्षुओं, विद्यार्थियों और अनुयायियों की बड़ी भागीदारी रही। मूलगंध कुटी विहार में दर्शन के बाद निबंध व चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं, जबकि धम्म देशना और विपश्यना के जरिए शांति व करुणा का संदेश दिया गया।

जंगल गई वृद्धा को हाथी ने मार डाला

पंतनगर, अमृत विचार : टांडा जंगल में शुक्रवार दोपहर लकड़ी लेने गई एक वृद्धा को टस्कर हाथी ने पटक-पटक कर मार डाला। शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे पंतनगर विवि परिसर के झा-कालोनी निवासी तीन महिलाएं पास ही स्थित तराई केंद्रीय वन प्रभाग की टांडा रेंज में जलौनी लकड़ी बीनने गई थीं। इन महिलाओं में से एक ने बताया कि जंगल में सांप कठानी खत्ते से पंतनगर की ओर आने वाले कच्चे रास्ते पर एक डेड दांत वाले टस्कर हाथी ने उन्हें अचानक दौड़ा लिया। भागने के दौरान उनकी साथी मैना देवी (70) पत्नी स्व. बाबू लाल गिर गईं। मैना देवी को हाथी ने सूंड से उठा-उठाकर पटका और अंत में उन पर पांव रखकर मार दिया।

आबादी में पिंजड़े में फंसा तेंदुआ

भीमताल, अमृत विचार : भीमताल के रानीबाग क्षेत्र के लोगों ने शुक्रवार को उस वक्त राहत की सांस ली जब उन्होंने एक तेंदुए को पिंजरे में फंसा पाया। यह तेंदुआ काफी दिनों से यहां घरों के पास दिखाई दे रहा था। वन विभाग की टीम ने तेंदुए को रानीबाग रेस्क्यू सेंटर भेजा।

हरिद्वार में मगरमच्छ के हमले में किशोर की मौत

हरिद्वार, **अमृत विचार :** हरिद्वार जिले में मगरमच्छ के हमले में 12 वर्षीय एक बालक की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार सुबह उसका शव नदी से बरामद किया। पुलिस के अनुसार, एक दिन पहले लापता हुए बच्चे के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने थाने में सूचना दी, जिसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। तलाशी अभियान के दौरान बंजारेवाला गांव में पुलिस और स्थानीय लोगों ने नदी में मगरमच्छ के पास बच्चे का शव देखा।

पहले अंधेरा था, अब घर में उजाला...साझा की जिंदगी में बदलाव की कहानियां

श्रमवीर गौरव समारोह में सीएम से सम्मान पाकर भावुक हुए श्रमिक, मेधावी छात्र-छात्राओं में दिखा उत्साह, लाभार्थी बोले- जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 'श्रमवीर गौरव समारोह-2026' श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए सम्मान और भावनाओं का विशेष अवसर बन गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सम्मानित होकर श्रमिकों और मेधावी छात्र-छात्राओं ने अपने जीवन में आए बदलाव को साझा किया और खुशी जताई।

राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिकों और अटल आवासीय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र और टैबलेट देकर सम्मानित किया। सीतापुर के श्रमिक मुन्नालाल सम्मान पाकर भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि पहले घर में अंधेरा रहता था और मिट्टी के तेल की डिबरी से काम चलता था, लेकिन अब बिजली, आवास और गैस कनेक्शन जैसी सुविधाएं मिल गई हैं।

'श्रमवीर गौरव समारोह-2026' के दौरान श्रमिकों और उनके मेधावी बच्चों को सम्मानित करने के बाद ग्रुप फोटो खिंचवाते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य। अमृत विचार

समय पर मजदूरी से बदली जिंदगी

बरेली के आकाश, जो ओमैक्स मेट्रो सिटी, कल्ली पश्चिम (रायबरेली रोड) में मिस्त्री के साथ हेल्पर के रूप में कार्यरत हैं, ने बताया कि अब उन्हें समय पर मजदूरी मिलती है। इससे परिवार का भरण-पोषण सुचारु हुआ है और आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

महिला श्रमिकों ने जताया आभार

लखनऊ की श्रमिक प्यारी और सरस्वती ने कहा कि अब उन्हें काम के साथ आवश्यक सुविधाएं और समय पर भुगतान मिल रहा है, जिससे उनका जीवन पहले की तुलना में बेहतर हुआ है।

छात्रों ने जताया गर्व, संजोए सपने

समारोह में अटल आवासीय विद्यालयों के कक्षा-10 के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। छात्रा अभिलाषा ने कहा कि मुख्यमंत्री से सम्मान पाना उनके लिए गर्व का क्षण है और वह आगे चलकर डॉक्टर बनना चाहती हैं।

सम्मान से बढ़ा उत्साह : प्रधानाचार्य

अटल आवासीय विद्यालय प्रयागराज के प्रधानाचार्य डॉ. गोपाल कांत मिश्रा और वाराणसी के प्रधानाचार्य सत्येंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इस तरह का सम्मान शिक्षकों और छात्रों दोनों का उत्साह बढ़ाता है।

ढिलाई बर्दाश्त नहीं, 30 मई तक डी-सिल्टिंग पूरी करें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने पेयजल, सिंचाई और राहत प्रबंधन को लेकर दिए सख्त निर्देश

- सूखा आशंका के बीच अलर्ट मोड में सरकार, हर जिले में 24×7 कंट्रोल रूम सक्रिय रखने के निर्देश
- किसानों के हित सर्वोपरि, टेल एंड तक पानी पहुंचाने और वैकल्पिक इंतजाम पुख्ता करने पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भीषण गर्मी और सामान्य से कम वर्षा की आशंका को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशभर में पेयजल, सिंचाई और राहत प्रबंधन को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी और सभी विभाग अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करें। 30 मई तक हर हाल में डी-सिल्टिंग पूरी करें।

उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश में कहीं भी पेयजल संकट नहीं होना चाहिए। पाइप्ड जल योजनाओं के साथ टैंकर जैसी वैकल्पिक व्यवस्थाएं पूरी तरह तैयार रखी जाएं। साथ ही शासन से लेकर जनपद स्तर तक 24×7 कंट्रोल रूम सक्रिय रहें और नियमित सूचना मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव और डीजीपी तक पहुंचती रहे।

मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए नहरों, तालाबों और पोखरों की डी-सिल्टिंग 30 मई तक हर हाल में पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे न केवल जल संचयन बढ़ेगा, बल्कि सिंचाई व्यवस्था भी मजबूत होगी। तालाबों से निकली मिट्टी को प्रजापति समाज और पारंपरिक कुम्हार शिल्पकारों को निःशुल्क उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया गया है, ताकि जल संरक्षण के साथ आजीविका के अवसर भी सृजित हों। गर्मी से बचाव के लिए अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और लू से निपटने की तैयारियां मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पशुधन के लिए पानी, चारा और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है।

अपने आवास पर मंत्रियों और अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

सूखा घोषित करने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने पूर्व में सूखा प्रभावित रहे 18 जिलों में विशेष निगरानी रखने और 15 जून से 30 जुलाई के बीच स्थिति का आकलन करने के निर्देश दिए। आवश्यकता पड़ने पर समयबद्ध तरीके से सूखा घोषित करने और राहत कार्य शुरू करने को कहा गया है।

किसानों के लिए विशेष निर्देश

किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने सभी नलकूपों को क्रियाशील रखने, समय पर मरम्मत और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने टेल फीडिंग के जरिए अंतिम छोर तक सिंचाई पानी पहुंचाने पर विशेष जोर दिया, ताकि किसी भी क्षेत्र में पानी की कमी न हो। अनुदानित बीज वितरण, फसल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए ऋण उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है।

असहमति लोकतंत्र की आत्मा हर तीखी टिप्पणी देशद्रोह नहीं

राहुल गांधी के विवादित बयान मामले में हाईकोर्ट की टिप्पणी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- कहा- मात्र आशंका, कल्पना या वैचारिक असहमति को आपराधिक अभियोजन का आधार नहीं बनाया जा सकता

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विवादित बयान के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में सरकार, नीतियों या राज्य की आलोचना स्वतः अपराध नहीं बन जाती। किसी वक्तव्य पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 के तहत कार्रवाई तभी संभव है, जब वह वास्तव में अलगाववाद, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियों या भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को प्रत्यक्ष रूप से खतरे में डालता हो। कोर्ट ने कहा कि मात्र आशंका, कल्पना या वैचारिक असहमति को आपराधिक अभियोजन का आधार नहीं बनाया जा सकता। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकलपीठ ने सिमरन गुप्ता की याचिका खारिज करते हुए की।

याचिका में संभल (चंदौसी) की अदालतों के उन आदेशों को चुनौती दी गई थी, जिनमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग अस्वीकार कर दी गई थी। मामला 15 जनवरी 2025 को राहुल गांधी द्वारा दिए गए उस बयान से जुड़ा था, जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि उनकी "लड़ाई" एक संगठन, एक राजनीतिक दल और भारतीय राज्य से है। इस बयान को राष्ट्रविरोधी बताते हुए याची ने 23 जनवरी 2025 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173(4) के तहत संभल की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में आवेदन देकर भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कराने की मांग की थी। हालांकि ट्रायल कोर्ट ने 10 फरवरी 2025 को आवेदन खारिज कर दिया, जिसे बाद में आपराधिक पुनरीक्षण अदालत ने भी 7 नवंबर 2025 को बरकरार रखा। मामले के तथ्यों पर विचार करते हुए कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) के तहत प्रदत्त एक मौलिक अधिकार है और इसे केवल अनुच्छेद 19(2) में वर्णित युक्तिसंगत प्रतिबंधों के दायरे में ही सीमित किया जा सकता है। कोर्ट ने रेखांकित किया कि असहमति का अधिकार एक जीवंत लोकतंत्र का अनिवार्य तत्व है। विचारों का उत्तर विचारों से दिया जाना चाहिए, न कि आपराधिक मुकदमों से। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी भाषण को अपराध सिद्ध करने का दायित्व शिकायतकर्ता पर है। उसे यह दिखाना होगा कि संबंधित वक्तव्य न केवल धारा 152 के आवश्यक तत्वों को पूरा करता है, बल्कि वह संवैधानिक संरक्षण के दायरे से भी बाहर है। इस मामले में याची न तो कथित बयान का पूरा संदर्भ प्रस्तुत कर सकी और न ही कोई ऐसा ठोस सामग्री दे सकी, जिससे यह स्थापित हो कि उक्त वक्तव्य ने अलगाववाद, विद्रोह या राष्ट्र की अखंडता के विरुद्ध कोई वास्तविक खतरा उत्पन्न किया। कोर्ट ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को नीतियों और विचारधाराओं के विरुद्ध मुखर होने का अधिकार है। राजनीतिक विमर्श में प्रयुक्त "लड़ाई" जैसे शब्दों का अर्थ हर बार शाब्दिक या हिंसक नहीं होता। अनेक बार यह वैचारिक प्रतिरोध, प्रखर वकालत या लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक होता है। सरकार की आलोचना और राजद्रोह के बीच की संवैधानिक रेखा को धुंधला नहीं किया जा सकता। विधि के अनुरूप समवर्ती निष्कर्ष दर्ज किए जाने और निचली अदालतों के आदेशों में कोई गंभीर त्रुटि या न्यायिक अतिक्रमण न पाते हुए कोर्ट ने अनुच्छेद 227 के तहत हस्तक्षेप से इनकार कर दिया और याचिका को निरस्त कर दिया।

कमेटी के नाम पर झांसा, 78 लाख ठगे

काशीपुर, अमृत विचार: एक व्यक्ति कई लोगों को लाखों रुपये ठग कर फरार हो गया। पीड़ितों ने पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। आर्य नगर निवासी गौरव अरोरा ने कोतवाली में तहरीर सौंपी।

इसमें बताया कि उसके साथी भूप सिंह निवासी ग्राम बघेलेवाला, विनोद अरोरा निवासी टांडा उज्जैन की वर्ष 2023 में शुगर फैक्ट्री खड़कपुर देवीपुरा निवासी एक व्यक्ति से उनकी मुलाकात डॉक्टर लैन स्थित एक दुकान पर हुई थी। तब उस व्यक्ति ने बताया कि उसकी खुद की बैंक कंपनी है, जो सरकार से मान्यता प्राप्त है। वह कमेटी के माध्यम से निवेश पर मोटा मुनाफा दिलाता है। गौरव ने बताया उस व्यक्ति के झांसे में आकर दिसंबर 2023 से अगस्त 2024 तक कई बार में नगद एक लाख 7 हजार रुपये उसको दे दिए। जबकि भूप सिंह ने नवंबर 2023 से मार्च 2024 तक साढ़े सात लाख रुपये और विनोद अरोरा ने नगद व बैंक के माध्यम से साढ़े पांच लाख रुपये उसको दे दिए। मोहल्ला कटरामालियान निवासी शिवम अरोरा समेत कई लोगों ने अलग-अलग समय पर 78 लाख 46 हजार रुपये आरोपी व्यक्ति को सौंप दिए।

बैंक खाता रेंट पर देने वाले पांच युवक गिरफ्तार

- खाता दो-मोटा कमीशन लो के लालच में बने साइबर ठगों के मोहरे

दिनेशपुर, अमृत विचार: खाता दो और मोटा कमीशन कमाओ के काले कारोबार के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच स्थानीय युवकों को गिरफ्तार किया है। चंद हजार रुपयों के लालच में युवक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगों के मोहरे बन गए थे। पुलिस की जांच में सामने आया कि मुख्य सरगना अब खुद सामने आने के बजाय बेरोजगार और भोले-भाले युवाओं को निशाना बना रहे हैं। ठग युवाओं को लालच देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाते हैं। इसके बाद देशभर में ठगी गई करोड़ों की रकम इन्हीं खातों में मंगवाई जाती है। जब पुलिस जांच करती है तो मुख्य अपराधी पर्दे के पीछे सुरक्षित रहता है। जबकि कानूनी शिकंजे में वह युवा फंसता है जिसके नाम पर बैंक खाता होता है। ऐसे युवाओं को 'मनी म्यूल' कहा जाता है और यह एक संगीन अपराध है। दिल्ली पुलिस की टीम ने जब दिनेशपुर में दबिश देकर पांचों युवकों को हिरासत में लिया तो पूरा इलाका दहल उठा। दिल्ली पुलिस ने स्थानीय पुलिस की मदद से समीर बाछाड़ निवासी सुंदरपुर, राज बाछाड़ निवासी विजयनगर, रोहित राय निवासी वार्ड नंबर- 9 रोहित मिस्त्री निवासी मोहनपुर नंबर- 2, हरीश सरकार निवासी मोहनपुर नंबर- 2 को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। पुलिस ने बताया कि मामले में फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज खंगाले जा रहे हैं।

आस्था

विधिवत पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए कपाट

बुद्ध पूर्णिमा पर खुले आदि कैलाश के कपाट

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार: बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर पिथौरागढ़ के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित आदिकैलाश में भगवान शिव के पवित्र मंदिर के कपाट शुक्रवार को विधिवत पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्र में धार्मिक आस्था, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कपाट उद्घाटन के साथ ही वर्ष 2026 की आदिकैलाश यात्रा एवं ॐ पर्वत दर्शन यात्रा का भी विधिवत शुभारंभ हो गया। इस मोके पर स्थानीय जनता, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस, आईटीबीपी, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं विश्व कल्याण की कामना की। वहीं, जिला प्रशासन ने भी यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुगम बनाने के लिए व्यापक तैयारियां सुनिश्चित की हैं।

कपाट खुलने के दौरान अधिकारी, पुलिस-आईटीबीपी के जवान और जनप्रतिनिधि।

यात्रा मार्गों की स्थिति, आवास व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, संचार प्रणाली एवं सुरक्षा प्रबंधन को सुदृढ़ किया गया है। वहीं, प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सावधानियां अवश्य बरतें। दरअसल, यह यात्रा न केवल धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, बल्कि सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आदि कैलाश यात्रा के शुभारंभ के साथ ही 200 से अधिक श्रद्धालु भगवान भोले के जयकारे लगाते हुए शिव धाम को रवाना हुए। एसडीएम आशीष जोशी और सीओ कुंवर सिंह ने यात्रा के पहले दल को हरी झंडी दिखाकर गुंजी के लिए रवाना किया। एसडीएम जोशी ने बताया कि यात्रा के लिए अब तक 500 आवेदन आए हैं। 350 यात्रियों को परमिट जारी किए जा चुके हैं। दिल्ली से पहुंचे दंपति रामभोले और अनीता ने बताया कि वे छठी बार आदि कैलाश यात्रा पर जा रहे हैं। वहीं आदि कैलाश यात्रा शुरू होने से व्यास घाटी के होम स्टे संचालकों, टूर ऑपरेटर और नगर के होटल कारोबारियों में खुशी है।

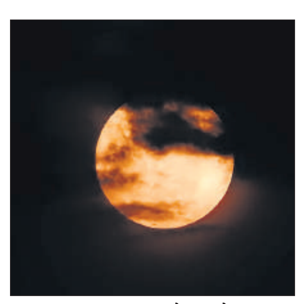

वहीं इससे पूर्व आदि कैलाश में पुजारी गोपाल सिंह कुटियाल, विरेंद्र सिंह कुटियाल, रमेश सिंह कुटियाल ने विधि-विधान के साथ शिव मंदिर के कपाट खोले।

लखनऊ हवाई अड्डे पर यात्री के पास से देसी पिस्तौल बरामद

लखनऊ, एजेंसी: चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को सुरक्षा जांच के दौरान 22 वर्षीय एक यात्री के बैग में देसी पिस्तौल मिलने के बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान गोंडा जिले के निवासी महेश कुमार चौहान के रूप में हुई है।

पुलिस ने कहा कि वह एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान से दुबई जाने वाला था और जांच के दौरान उसके बैग में हथियार मिला। पुलिस के अनुसार, नियमित सुरक्षा जांच के दौरान यह बरामदगी हुई, जिसके बाद हवाई अड्डे के अधिकारियों ने सरोजनी नगर थाने को सूचना दी। पुलिस ने कहा कि इसके बाद हवाई अड्डे के अधिकारी की शिकायत पर शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। सुरक्षा जांच के दौरान यात्री के बैगेज से देशी 12-बोर पिस्तौल बरामद की गई है। उसे हिरासत में लिया गया है और मामला दर्ज कर लिया गया।

शिकायतों पर जिले में अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर छापे

आंवला, नवाबगंज व मीरगंज एसडीएम टीम के साथ पहुंचे, कई जगह कर्मी नहीं दिखा सके दस्तावेज, मिलीं तमाम कमियां

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शिकायतों पर आंवला, नवाबगंज व मीरगंज एसडीएम ने क्षेत्र में अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर छापेमारी की। इस दौरान तमाम कमियां मिलीं। क्योलड़िया और शीशगढ़ में मौके पर कर्मी पंजीयन संबंधी दस्तावेज नहीं दिखा सके। शीशगढ़ में दो सेंटर बंद मिले। मामले में प्रभारी चिकित्साधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। छापे से अल्ट्रासाउंड केंद्रों संचालकों में दिनभर हड़कंप का माहौल बना रहा।

शीशगढ़, अमृत विचार : कमिश्नर व डीएम के निर्देश पर शुक्रवार को एसडीएम मीरगंज आलोक कुमार ने कस्बे में पांच अल्ट्रासाउंड सेंटरों का निरीक्षण किया। श्रद्धा केयर और मां अल्ट्रासाउंड सेंटर बंद पाए गए। श्री राम गंगा अल्ट्रासाउंड सेंटर पर एक टेक्नीशियन अल्ट्रासाउंड करते हुए पाया गया। ओम लाइक अल्ट्रासाउंड पर रेडियोलॉजिस्ट एमयू खान अनुपस्थित मिले। बताया गया कि वह नमाज पढ़ने गए थे। इस संबंध में एसडीएम आलोक कुमार ने बताया कि संबंधितों को बिना रेडियोलॉजिस्ट व पंजीकरण के अल्ट्रासाउंड न करने की हिदायत दी गई है। जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी।

सिरौली क्षेत्र में अल्ट्रासाउंड सेंटर का निरीक्षण करतीं एसडीएम।

शीशगढ़ में अल्ट्रासाउंड सेंटर का निरीक्षण करते एसडीएम ।

रेडियोलॉजिस्ट मौके पर नहीं मिले

सिरौली, अमृत विचार : एसडीएम विदुषी सिंह ने कस्बे में न्यू फैमिली, माधव प्रिया अल्ट्रासाउंड सेंटर व अलीगंज में भारत अल्ट्रासाउंड सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान डॉक्टर/ रेडियोलॉजिस्ट उपस्थित नहीं मिले। जांच रिपोर्ट आला अफसरों को भेजी गई है।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को दिए कार्रवाई के निर्देश, सेंटर संचालकों में मचा रहा हड़कंप

क्योलड़िया, अमृत विचार : एसडीएम निधि शुक्ला ने क्योलड़िया के हिंद अल्ट्रासाउंड सेंटर का निरीक्षण किया। मौके पर स्टाफ अल्ट्रासाउंड सेंटर संबंधी कोई दस्तावेज नहीं दिखा पाया। इसके बाद उन्होंने बरेली अल्ट्रासाउंड केंद्र का निरीक्षण किया। यहां भी जिम्मेदार कोई दस्तावेज नहीं दिखा सके। एसडीएम ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए। चिकित्सा प्रभारी डॉ मुगीश ने बताया कि अल्ट्रासाउंड सेंटर पर रजिस्ट्रेशन संबंधी दस्तावेज नहीं मिले। एसडीएम ने संबंधित सेंटरों के संचालकों से दस्तावेजों के साथ पेश होने के निर्देश दिए हैं।

छात्रा से दुष्कर्म की कोशिश, आरोपी को भेजा जेल

नवाबगंज, अमृत विचार : एक युवक ने छात्रा के साथ दुष्कर्म की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना क्षेत्र के एक गांव की कक्षा 6 में पढ़ने वाली छात्रा गुरुवार दोपहर स्कूल से घर लौट रही थी। जैसे ही वह गांव में धार्मिक स्थल के पास पहुंची, आरोप है कि तभी गांव के ही नन्हे लाल ने उसे पकड़ लिया और अंदर खींच ले गया। आरोप है कि वहां आरोपी ने छात्रा के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। छात्रा ने शोर मचाया और आरोपी के हाथ में दांत से काट लिया, जिससे वह किसी तरह खुद को छुड़ाकर घर पहुंचने में सफल रही। पीड़िता के परिजनों के मुताबिक आरोपी घटना के बाद उनके घर भी पहुंच गया और मां-बेटी को जान से मारने की धमकी दी। छात्रा की मां की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां उसे जेल भेज दिया गया।

आईस्क्रीम विक्रेता से मारपीट, ठेला पलटा

संवाददाता, हाफिजगंज

अमृत विचार : गांव रिछौला किफायतुल्ला निवासी अशफाक फेरी लगाकर आईस्क्रीम बेचते हैं। शुक्रवार दोपहर वह हाफिजगंज क्षेत्र के एक गांव में आईस्क्रीम बेचने गए थे। इसी दौरान एक व्यक्ति उनके पास आया और बातचीत करने लगा। आरोप है कि कुछ ही देर बाद वह व्यक्ति अचानक आक्रामक हो गया और बिना किसी कारण बेल्ट से अशफाक की पिटाई कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने उसका आईस्क्रीम से भरा ठेला भी पलट दिया। पीड़िता ने थाने में तहरीर दी है। थाना प्रभारी प्रवीण सोलंकी ने बताया कि तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

देवचरा में बिना मान्यता चल रहा स्कूल, शिकायत

भमोरा, अमृत विचार : कस्बा देवचरा निवासी सुनील मिश्रा ने एक स्कूल की शिकायत आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराई है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन पर बिना मान्यता कक्षा 1 से 12 तक छात्रों को पढ़ाने, टीसी न देने और नियमों के विपरीत स्कूल संचालन का आरोप लगाया है।

सुनील के अनुसार कस्बे में संचालित एक विद्यालय बिना मान्यता के संचालित हो रहा है। जब उन्होंने अपने बच्चों की टीसी विद्यालय प्रबंधक से मांगी तो देने से इंकार कर दिया गया। शिकायत पर नोडल अधिकारी ने विद्यालय पहुंचकर जांच की। विद्यालय प्रबंधक मौके पर नहीं मिले। नोडल अधिकारी ने बताया कि प्रकरण की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है। खंड शिक्षा अधिकारी सतीश वर्मा ने बताया कि जांच में एक ही नाम से दो विद्यालयों के संचालन का मामला भी प्रकाश में आया है, जो प्रथम दृष्टया गंभीर अनियमितता है। इस संबंध में दोनों विद्यालयों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। साथ ही बिना मान्यता विद्यालय संचालन के मामले में भी नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो विद्यालय प्रबंधन के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। चौंकाने वाली बात यह है कि उक्त विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को क्षेत्र के अन्य विद्यालयों द्वारा जारी अंकपत्र दिए गए हैं। फिलहाल, अभी मामले में संबंधित स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है।

- **टीसी न देने व एक ही नाम से दो विद्यालयों के चलने का आरोप**

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

संवाददाता, गुलड़िया

अमृत विचार : थाना सिरौली क्षेत्र के ग्राम बड़गांव निवासी कुंवरपाल (28) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि ससुराल में मारपीट से आहत होकर युवक ने जहर खा लिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

22 अप्रैल को कुंवरपाल की साली की शादी थी, जिसमें उसकी पत्नी नीरज शामिल होने गई थी। 23 अप्रैल को कुंवरपाल ने फोन कर पत्नी को घर आने के लिए कहा, लेकिन उसने कुछ दिन बाद आने की बात कहकर मना कर दिया। इसके बाद कुंवरपाल उसी दिन ससुराल पत्नी को लेने पहुंच गया। आरोप है कि वहां ससुराल पक्ष के लोगों ने शराब पीने के बाद कुंवरपाल के साथ मारपीट की। उसने किसी तरह उसने घर फोन कर घटना की जानकारी दी, जिसके बाद परिजन उसे लेने ससुराल पहुंचे। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग कुंवरपाल को उसके गांव बड़गांव तक ले आए और यहां भी उसके साथ मारपीट की, फिर रात में चले गए। अगले दिन कुंवरपाल की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे अलीगंज अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने गंभीर हालत देखकर हाथ खड़े कर दिए। इसके बाद बदायूं के ढूंढीनगर में इलाज कराया गया, लेकिन हालत में सुधार न होने पर बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चार दिन बाद उसकी मौत हो गई।

मृतक के पिता मुंशीलाल ने बताया कि अस्पताल में भर्ती होने के दौरान ससुराल पक्ष को सूचना दी गई थी, लेकिन वे देखने तक नहीं आए। वहीं, मौत की खबर मिलने के बाद जब ससुराल पक्ष गांव पहुंचा तो वहां भी गाली-गलौज और विवाद हुआ। कुंवरपाल की शादी करीब 9 वर्ष पहले हुई थी। उसके दो बच्चे हैं। बड़ागांव चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

घर के बाहर जुटी लोगों की भीड़।

- **ससुरालियों पर मारपीट का आरोप, अस्पताल में चल रहा था युवक का इलाज**

घर में घुसकर किया हमला, रिपोर्ट दर्ज

देवरनियां, अमृत विचार : घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गांव जोतपुर मजरा आमखेड़ा निवासी राजपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 29 अप्रैल की शाम गांव के तोताराम, क्षतप्रीय, पवन और अनूप उसके घर में जबरन घुस आए। आरोप है कि इन सभी ने राजपाल, उसके भाई मुकेश, भाभी किरन और मां लक्ष्मी देवी के साथ मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

अवैध खनन पर विवाद, जान से मारने की धमकी

भमोरा, अमृत विचार : अवैध खनन का विरोध करने पर किसान को जान से मारने की धमकी दी गई है। मामले में पुलिस से शिकायत की गई है। ग्राम बल्लिया निवासी शिवराम सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव के पास उनका तीन बीघा खेत है। पड़ोसी ने अपने खेत की मिट्टी खनन माफिया को बेच दी। 29 अप्रैल की रात करीब 12 बजे खनन माफिया ने जेसीबी से करीब 7 फुट गहरा गड्ढा कर दिया गया और उनके खेत की मेड़ काटते हुए मिट्टी उठा ली। विरोध करने पर खनन माफिया ने जान से मारने की धमकी दी। घटना की सूचना डायल 112 को दी गई। मामले में थाने में तहरीर दी गई है। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है।

न्यूज डायरी

मेधावी शिक्षक, इंजीनियर व गृहणियों को सम्मानित किया

रिठौरा, अमृत विचार : भगवान गौतम बुद्ध के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पालि भाषा परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए। शुक्रवार को गौतम बुद्ध पार्क में आयोजित समारोह में कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने अजय प्रसाद, प्रदीप कुमार गुप्ता, भूपेंद्र गंगवार और सूरज गंगवार के साथ मेधावी शिक्षकों, इंजीनियरों और गृहणियों को सम्मानित किया। परीक्षा में अलीनगर उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक धीर सिंह बौद्ध, सेवानिवृत्त शिक्षक नंदलाल और चंद्र प्रभा गौतम ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश स्तर पर टॉप किया। वहीं, लाड़पुर की शिक्षिका दीपा आर्या, इंजीनियर अमर सिंह और गृहणी शोभा चंद्रा ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कंपोजिट विद्यालय चेना मुरारपुर के शिक्षक सुरजेश सागर ने 82 व उनके पुत्र सौरभ सागर ने 85 फीसदी अंक प्राप्त किए। प्रभारी सीडीपीओ बिथरी चैनपुर विमला कुमारी, जसवीर सिंह राणा, हरपाल सिंह, ओमकार, मेवाराम, ओमप्रकाश मौजूद रहे।

श्रम दिवस पर चनेहटा में अधिकारों के प्रति किया जागरूक

कैंट, अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शुक्रवार को शिविर का आयोजन ब्लॉक क्यारा के चनेहटा में हुआ। विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारियों ने गांव के श्रमिकों को उनके अधिकारों के बारे में बताया। महिला हेल्पलाइन 1090 व 9 मई को आयोजित होने वाली लोक अदालत के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के टोल फ्री नंबर 15100 के बारे में भी बताया। शकील रजा, भुवनेश कुमार यादव, हरस्वरूप गंगवार आदि का सहयोग रहा।

गिलहरी के बच्चों को मिला दुलार

बहेड़ी, अमृत विचार : गिलहरी के बच्चे से दुलार और फिर उसको फीडर से दूध पिलाने वाली इंदु केसर मिल के सीनियर मैनेजर (एकाउंट्स) अमित मिश्रा की पत्नी हैं। वन्य जीवों से इस दंपत्ति को खासा प्यार है। हुआ यूं कि उनके घर में लगे एसी में एक गिलहरी ने अपना ठिकाना बना लिया था। दो रोज पहले अमित ने एसी ऑन किया, तो एक आवाज आई, और गिलहरी का एक कटा पंजा बाहर आकर गिरा। एसी बंद कर उन्होंने तलाश किया। घायल गिलहरी तो उन्हें नहीं मिली, लेकिन उसके दो बच्चे उन्हें दिखाई दिए। इन बच्चों को देखकर उनका मन करुणा से भर गया। दोनों बच्चों को बाहर निकाला और उनके रहने का ठिकाना बनाया। इंदु घर पर थीं नहीं, तो उनको फोन लगा दिया। इंदु भी अमित की मनोदशा से इतनी द्रवित हो गईं कि रात को ही टैक्सी लेकर दिल्ली से बहेड़ी आ गईं। साथ में वह गिलहरी के बच्चों के लिए दूध और फीडर भी साथ लाईं। इंदु की देखभाल से गिलहरी के दोनों बच्चे ठीक हैं। यह वाकया मिल के सीईओ ने शेयर किया। दम्पत्ति के वन्य जीव के प्रति इस प्यार को सलाम...!

केसर के सीएफओ भी बने शरत मिश्रा

बहेड़ी, अमृत विचार : केसर इंटरप्राइजेज के सीईओ शरत मिश्रा अब सीएफओ (चीफ फाइनेंस ऑफिसर) भी होंगे। केसर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की सहमति के बाद केसर के सीएमडी हर्ष आर किलाचंद ने यह आदेश जारी किया। केसर के करीब 90 साल के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी अधिकारी को सीईओ और सीएफओ दोनों पद मिले हों। शरत मिश्रा पहले वह अधिकारी हैं, जिनको सीईओ का पद मिला है। शरत मिश्रा ने केसर को एक ट्रेनी के रूप में ज्वाइन किया था, और एक के बाद एक तरक्की के पायदान चढ़ते हुए कम्पनी के सर्वोच्च अधिकारी के पद पर पहुंच गए।

भगवान गौतम बुद्ध का जन्मोत्सव मनाया

रिठौरा, अमृत विचार : ग्राम चावड़ स्थित गुरू अशोक मित्र बौद्ध विहार में शुक्रवार को भगवान गौतम बुद्ध का जन्मोत्सव मनाया गया। मुख्य वक्ता प्रदीप कुमार गुप्ता रहे। जसवीर सिंह राणा, वंदना सिंह, विधि सिंह, प्रज्ञा सिंह, पारी गौतम व अन्य मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैंने अपने पुत्र अवधेश कुमार व उसकी पत्नी सुमन तथा इनके बच्चे रवि और प्रिया को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए यह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा इनसे कोई वास्ता नहीं होगा। **श्यामपति पत्नी स्व. श्री प्रेम निवासी मोहल्ला शाहपुरा कोठी थाना कोतवाली सदर जिला लखीमपुर खीरी।**

सूचना
मैंने अपने पुत्र तरुण उर्फ रोहित उसकी पत्नी सरस्वती देवी (पुत्रवधु) के गलत आचरण के चलते उनसे संबंध विच्छेद कर उन्हें अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होंगे। **गीता कुमारी पत्नी परशुराम मो. गुलशन नगर कस्बा नवाबगंज बरेली**

सूचना
मैंने अपने पुत्र रिंकू गंगवार के गलत संगत में पड़ जाने की वजह से संबंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होगा। **रिंकू गंगवार पुत्र भागीरथ ग्राम माधौपुर तहसील बहेड़ी बरेली**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :- बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आँखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक
डा. विनय गंगवार एमबीबीएस (एमयू), डी. आर्थो (एमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्टस मेडिसिन) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. आंचल अग्रवाल एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई) फीजिशियन
कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, दूरबीन विधि द्वारा (Arthoscopic) घुटने का इलाज (ACL/PCL Tear) गठिया एवं समस्त जोड़ों के दर्द का इलाज, सियाटिका/कमर दर्द का इलाज, फिजियोथेरेपी, प्लास्टर एवं टूटी हड्डी (फ्रैक्चर) के समस्त ऑपरेशन
शुगर एवं ब्लड प्रेशर, खांसी, सांस में दर्द, भूख न लगना, उल्टी एवं दस्त की बीमारी, माइग्रेन का इलाज, पैरों में सूजन, पीलिया/काला पीलिया का इलाज, टीबी, गुर्दे में दिक्कत, कोलेस्ट्रॉल चेकअप, बुखार (डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया)
ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बंसल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

न्यूज ब्रीफ

डिवाइडर से टकराई बाइक, दो लोग घायल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : नेशनल हाईवे पर बल्लिया ओवर ब्रिज पर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद बाइक सवार दो लोग गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को एंबुलेंस से बरेली के निजी अस्पताल में भेजा। जहां एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। शुक्रवार को रामपुर की कोतवाली मिलक निवासी रामजी सक्सेना और उनके दोस्त शांता लाल बाइक से बरेली जा रहे थे। बल्लिया ओवर ब्रिज पर अचानक बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दोनों लोग घायल हो गए। बाइक रामजी सक्सेना चला रहे थे।

चौकी इंचार्ज पर लगाए आरोप, शिकायत

बिथरी चैनपुर, अमृत विचार : दुकानदार ने एक चौकी इंचार्ज पर गंभीर आरोप लगाते हुए एसएसपी से शिकायत की है। रजऊ परसपुर निवासी सुनील राजपूत ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह अपने खेत में बने मकान के पास ठेला लगाता है। कुछ दिन पहले घर के सामने रोड पर दो पक्षों में मारपीट हुई थी। झगड़ा उसके सामने नहीं हुआ था। आरोप है चौकी इंचार्ज उनपर झूठी गवाही देने का दबाव बना रहे थे। जब गवाही नहीं दी तब वह नाराज हो गए। आरोप है कि उन्होंने बुधवार को वहां आकर ठेले का सामान फेंक दिया और ठेला पलट दिया। उस समय ठेले पर उसके पिता थे। दुकानदार ने चौकी इंचार्ज पर फर्जी मुकदमा लिखकर जेल भेजने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

समाधान दिवस आज, पहुंचेंगे डीएम व एसएसपी

नवाबगंज, अमृत विचार : तहसील परिसर में शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पहुंचेंगे। इसको लेकर तहसील प्रशासन की ओर से तैयारियां चाक चौबंद कर ली गई हैं, ताकि आने वाले फरियादियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बड़ी संख्या में फरियादियों के पहुंचने की भी संभावना है।

झुलसे युवक की इलाज के दौरान मौत

क्योलड़िया, अमृत विचार : करंट लगने से झुलसे युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। गांव अम्बरपुर के मुन्नालाल के बेटे रंजीत (22) ने शुक्रवार को घर पर कपड़े धोकर तार पर सूखने डाले। इस दौरान बिजली का करंट लगने से वह झुलस गया। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की 1 वर्ष पहले शादी हुई थी। मृतक की पत्नी खुशबू व मां माया देवी का रो-रो कर बुरा हाल है। थानाप्रभारी वेद सिंह ने गांव पहुंचकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

बरेली/हाफिजगंज : उपनिरीक्षक सतेंद्र कुमार के अनुसार, 30 अप्रैल को पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान ग्राम लाडपुर उस्मानपुर नहर पुलिया के पास युवक संदिग्ध हालत में खड़ा दिखाई दिया। टीम ने उसे रोककर तलाशी ली। युवक के पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम असलम जावेद पुत्र सिराज अहमद निवासी मोहल्ला ठाकुरद्वारा कस्बा सेंथल बताया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसे शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

जाम में एंबुलेंस समेत दर्जनों वाहन फंसे

कस्बा फतेहगंज पूर्वी में दातागंज को जाने वाले मार्ग पर बिलपुर रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज निर्माण के चलते शुक्रवार को जाम लग गया। काफी देर तक एंबुलेंस समेत दर्जनों वाहन फंसे रहे। लोगों को परेशानी से जूझना पड़ा। दरअसल, ओवरब्रिज निर्माण के चलते आए दिन क्रासिंग पर जाम के हालात बने रहे हैं। वाहन चालकों को परेशानी से जूझना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि अगर पुलिस रेलवे क्रॉसिंग पर तैनात की जाए तो जाम की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। ● अमृत विचार

बुद्ध पूर्णिमा : रामगंगा घाटों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : बुद्ध पूर्णिमा पर गोरा लोकनाथपुर और कपूरपुर रामगंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शुक्रवार तड़के से ही हजारों की संख्या में लोगों ने रामगंगा में आस्था की डुबकी लगाई और पुण्य लाभ अर्जित किया।

रामगंगा घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। स्नान के बाद लोगों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रसाद वितरित किया। घाटों के किनारे पूजा सामग्री की दुकानें सजी थीं, जहां बच्चों ने मेलों और झूलों का आनंद लिया। कई परिवारों ने बच्चों के मुंडन और अन्य धार्मिक संस्कार भी संपन्न कराए। जिला प्रशासन और पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा। मुख्य स्थानों पर गोताखोर तैनात किए गए थे। ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। श्रद्धालुओं से गहरे पानी में न जाने की अपील की।

रामगंगा घाट पर जुटी श्रद्धालुओं की भीड़। ● अमृत विचार

सिरौली, अमृत विचार : बुद्ध पूर्णिमा पर सिरौली, अंजनी और शिवपुरी स्थित रामगंगा घाटों पर तड़के से ही हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई और सुख-समृद्धि की कामना की। शुक्रवार तड़के ही आसपास के सैकड़ों गांवों से श्रद्धालुओं का रेला घाटों की ओर उमड़ पड़ा। लोग परिवार के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों ई-रिक्शा, बैलगाड़ियों और निजी वाहनों से रामगंगा तट पर पहुंचे।

कैंट में बालिका वधू बनने से रोका, परिजनों का हंगामा

संवाददाता, कैंट

- चाइल्ड हेल्पलाइन टीम पुलिस के साथ गांव पहुंची
- किशोरी की बरात आने से पहले शादी रुकवाई

अमृत विचार : कैंट थाना क्षेत्र के एक गांव में किशोरी की शादी बरात आने से पहले चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने पुलिस की मदद से रुकवा दी। इस दौरान किशोरी के परिजनों और रिश्तेदारों ने जमकर हंगामा किया। हालांकि, पुलिस के आगे उनकी एक न चली। दस्तावेजों के अनुसार किशोरी की उम्र 16 वर्ष 5 माह 22 दिन है।

थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग लड़की की शादी शुक्रवार को एक शादी हॉल में कराई जा रही थी। शादी की तैयारी पूरी हो चुकी थी। बरात हरियाणा के बहादुरगढ़ क्षेत्र से आ रही थी। पुलिस व चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम पहुंचने पर लड़की के परिजनों ने फोन करके बरात को आने से रुकवा दिया। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा किशोरी की शादी की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन लखनऊ को दी गई थी। दोपहर करीब 2:30 बजे चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम व पुलिस मौके पर पहुंची। लड़की के जब दस्तावेज चेक किए गए तो उसमें वह नाबालिग पाई गई। इस दौरान लड़की के परिजनों व रिश्तेदारों ने हंगामा किया। मौके पर भारी भीड़ एकत्र हो गई। किशोरी को चाइल्ड हेल्पलाइन टीम साथ में ले गई। जिसे चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के समक्ष पेश किया जाएगा। इंस्पेक्टर संजय कुमार धीर ने बताया कि किसी प्रकार का कोई शिकायती प्रार्थना पत्र नहीं मिला है। यदि मिलता है तो कार्रवाई की जाएगी।

शादी में हंगामा, बिना दुल्हन लौटी बरात

मीरगंज, अमृत विचार : गांव बहरौली में गुरुवार रात शादी के दौरान दुल्हन और दूल्हा पक्ष में हंगामा हो गया। बिना दुल्हन के बरात लौट गई। पुलिस ने दूल्हे को हिरासत में ले लिया। हालांकि, दोनों पक्षों के बीच समझौता होने पर दूल्हे को छोड़ दिया गया। आरोप है कि लड़का पक्ष की ओर से जाति छिपाकर शादी की जा रही थी। बरात के गांव पहुंचने से पहले एक फोटोग्राफर ने छानबीन की तो यह बात सामने आई। इससे लड़की पक्ष में नाराजगी फैल गई। जैसे ही बरात गांव में दाखिल हुई, विरोध शुरू हो गया। दूल्हे व बरातियों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। नौबत मारपीट आ गई। कई बराती चले गए। घटना की सूचना मिलते ही पीआरबी डायल 112 मौके पर पहुंची और दूल्हे को हिरासत में ले लिया। बाद में दोनों पक्षों के बीच बातचीत के जरिए मामला सुलझा लिया गया। समझौता होने के बाद दूल्हे को छोड़ दिया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय तोमर ने बताया कि सूचना डायल 112 को मिली थी। फिलहाल इस मामले में लड़की पक्ष की तरफ से कोई शिकायत नहीं मिली है।

टेट पर पुनर्विचार के फैसले से शिक्षकों को मिली राहत

बहेड़ी, अमृत विचार : शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) को लेकर शिक्षकों को कुछ राहत हुई है। सुप्रीम कोर्ट टेट की अनिवार्यता वाले आदेश पर पुनर्विचार करने को राजी हो गया है। इससे शिक्षकों को राहत मिली है। रिव्यू पीटिशन पर 13 मई को सुनवाई होगी। टेट की अनिवार्यता यूपी में 2011 में लागू हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 1 सितंबर 2025 को सभी शिक्षकों के लिए टेट अनिवार्य कर दिया था। दरअसल इस आदेश के चलते उन टीचर्स को भी टेट पास करना जरूरी कर दिया था, जो टेट कानून बनने से पहले सेवा में थे, जो टीचर टेट नहीं हैं, उनको दो साल में टेट अनिवार्य कर दिया गया था। प्रदेश सरकार इस फैसले पर पुनर्विचार के लिए सुप्रीम कोर्ट गई। तमाम शिक्षक संगठनों ने पुनर्विचार याचिकाएं दायर कीं। अब 29 अप्रैल को कोर्ट ने पुनर्विचार याचिका स्वीकार कर ली। कोर्ट ने 13 मई को इस पर सुनवाई की तारीख दी है। वरिष्ठ शिक्षक नेता हरीश बाबू शर्मा ने कहा कि टीचर्स के लिए यह राहत भरी खबर है कि कोर्ट इस मामले में पुनर्विचार के लिए राजी हो गया है।

रेलवे की जमीन पर खोलें गेमिंग जोन, मैरेज हॉल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- रेलवे राजस्व और रोजगार बढ़ाने के लिए लीज पर देगा जमीन

अमृत विचार : रेलवे विभाग की कई वर्षों से खाली पड़ी करोड़ों की जमीन अब विभाग के लिए ही न बल्कि व्यापारियों के लिए भी सुनहरा अवसर लेकर आने वाली है। रेलवे अपनी खाली पड़ी जमीनों को राजस्व और रोजगार का बड़ा जरिया बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। नई योजना के तहत रेलवे पूरे मंडल में उपलब्ध अपनी जमीनों को निजी निवेशकों और उद्यमियों को बेहद कम दरों पर लीज पर देगा।

आवेदक अपनी जरूरत और बाजार की मांग के अनुसार अलग-अलग तरह के व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। इनमें गेमिंग जोन, मैरेज हॉल, ब्रांडेड आउटलेट, रेस्टोरेंट और अन्य कमर्शियल गतिविधियां शामिल हैं। रेलवे स्टेशन के अंदर और बाहर की जमीनों का भी उपयोग किया जा सकेगा। आवेदक आईआरटीपीएस वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। जमीन आवंटन टेंडर प्रक्रिया के जरिए किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। बरेली में चौपुला और सिटी क्षेत्रों के साथ पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल के मॉडल टाउन, शहदाना, जनकपुरी और कुदेशिया जैसे इलाकों में कई हेक्टेयर जमीन खाली पड़ी है, जहां निवेश के बड़े अवसर मौजूद हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने कहा कि रेलवे की खाली पड़ी जमीनों को व्यापार के लिए निवेशकों और उद्यमियों को लंबे समय के लिए लीज पर दिया जाएगा। छोटे और मध्यम उद्यमियों को भी कारोबार शुरू करने का सुनहरा अवसर मिलेगा और विभाग को राजस्व प्राप्त होगा।

कंबाइन स्वामी ने एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

नवाबगंज, अमृत विचार : सड़क हादसे के एक मामले में कंबाइन स्वामी ने खुद को बेगुनाह बताते हुए एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि जिस समय दुर्घटना हुई, उनकी कंबाइन गांव में खेत पर गेहूं की कटाई कर रही थी, बावजूद केवल वाहन संख्या के आधार पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया गया। घटना 19 अप्रैल की शाम सेंथल-जादोपुर मार्ग की है, जहां बाइक सवार सिद्धार्थ गंगवार और उनके साथी रिंकू निवासी अटंगा योगी अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बाद में इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। मामले में 27 अप्रैल को एक कंबाइन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। कंबाइन स्वामी बुंदन निवासी दियोरिया जागीर का आरोप है कि हादसे के समय उनकी कंबाइन गांव में सलीम और अहमद सेन के खेत में गेहूं की कटाई कर रही थी। बताया कि बहेड़ी के एक अन्य ग्रामीण की कंबाइन उसी दिन गांव में आई थी और वही सड़क से गुजरी थी।

घर में आग लगाने का आरोप लगाया

बहेड़ी, अमृत विचार : गांव ग्वारी के महेन्द्र पाल ने एक शख्स पर साथियों के साथ घर में आग लगा देने का आरोप लगाया है। इसी गांव के एक चिकित्सक मयंक गंगवार ने भी इसी शख्स पर रास्ता रोककर गाली गलौच करने और रंगदारी के तौर पर हर महीने पैसा देने की मांग करने का आरोप लगाया है।

महेन्द्र पाल ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि गांव बरा के एक युवक ने साथियों के साथ रात 12 बजे करीब घर में पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। घर में रखा सामान और अनाज जल गया। आग से दो मोटरसाइकिल भी जल गईं। वहीं, दूसरी तरफ डॉ. मयंक ने भी इसी युवक पर साथियों के साथ उसे गांव में घेरने और मारपीट करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि वह उससे रंगदारी मांगता है और न देने पर उसने गांव में उसको घेर कर गाली गलौच की।

फोन पर बात करने के बाद युवक ने खुद को मारी गोली

संवाददाता, कांठ

- पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में भाई के मोबाइल फोन पर आखिरी फोन करके एक युवक ने 12 बोर के तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। थाना पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक जीशान।

थाना कांठ के ग्राम मुख्तियारपुर नवादा निवासी जीशान पुत्र निजामुद्दीन उम्र 25 वर्ष ने शुक्रवार को 2:00 बजे के करीब अपने भाई अजीम को फोन किया और इसके बाद गांव के ही नसीम के आम के बाग ने 12 बोर के तमंचे से गले में बाई तरफ गोली मारकर आत्महत्या कर ली, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बाग मालिक एवं अन्य लोगों ने घटना की जानकारी मृतक के भाई एवं थाना कांठ पुलिस को दी। सूचना मिलते ही उसके परिजन और थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेश पाल सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आत्महत्या का कारण जानने के लिए उसके भाई एवं अन्य लोगों से जानकारी ली। इसके बाद जिला स्तरीय अधिकारियों को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस क्षेत्राधिकारी शुभम पटेल घटनास्थल पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल के आसपास के मिट्टी के नमूने लिए और सभी बिंदुओं पर जांच की है। घटनास्थल के पास 12 बोर का तमंचा भी पुलिस ने बरामद कर लिया है।

युवती से मारपीट व छेड़छाड़ का आरोप

मुरादाबाद, अमृत विचार: सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में एक युवती ने दो लोगों पर मारपीट, छेड़छाड़ और जबरन घर ले जाने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का आरोप है कि 29 अप्रैल को सुबह करीब साढ़े दस बजे स्कूल से लौटते समय रास्ते में आरोपी दारा अली और गुलहसन ने उसे रोक लिया। आरोपियों ने उसका मोबाइल छीन लिया और मारपीट करते हुए जबरन अपने घर ले गए। पीड़िता के अनुसार, वहां उसे कमरे में बंद कर दिया गया और उसके साथ अभद्रता व छेड़छाड़ की गई। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसे धमकाया और अवैध गतिविधियों में शामिल करने का दबाव बनाया। पीड़िता ने उससे जान का खतरा बताया है और आरोपी पहले भी उसे धमका चुके हैं। इस संबंध में उसने पूर्व में भी शिकायत दी थी।

न्यूज डायरी

शांति व सद्भाव का दिया संदेश

नवाबगंज, अमृत विचार : बुद्ध पूर्णिमा पर डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क विकास समिति की ओर से डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें शांति व सद्भाव का दिया संदेश गया। मुख्य अतिथि इंजीनियर एस.डी. भास्कर ने कहा कि भगवान बुद्ध का संदेश आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा, "मन ही सब कुछ है, जैसा हम सोचते हैं वैसा ही बन जाते हैं। हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलना चाहिए। समिति अध्यक्ष महावीर प्रसाद ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा का पर्व हमें भगवान बुद्ध के शांतिपूर्ण, करुणामय और ज्ञानमय मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। महासचिव एवं कार्यक्रम संचालक कुंवर सेन ने भी विचार रखे। हरस्वरूप गौतम, रामकरन लाल, झाजन लाल, जमुना प्रसाद, जगदीश प्रसाद, भूदेव सिंह, रामविलास, अखिलेश, शांति स्वरूप, नवनीत सागर, चंपा देवी, हरीश कुमार, अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

एसडीएम ने हल्दी खुर्द में गोशाला का किया निरीक्षण

मीरगंज, अमृत विचार : विकास खण्ड के ग्राम हल्दी खुर्द स्थित अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल का एसडीएम आलोक कुमार ने निरीक्षण किया। इस दौरान पशुओं के लिए हरा चारा-पानी और साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक पाई गई। आश्रय स्थल पर कुल 50 गोवंश थे। किसी भी पशु के बीमार होने की जानकारी नहीं मिली। एसडीएम ने मौके पर उपलब्ध संसाधनों की भी जांच की, जिसमें लगभग 50 कुंतल भूसा पाया गया। पशुओं के लिए पानी और बिजली की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित मिली। मौके पर केयरटेकर राजकुमार और सहायक केयरटेकर सलीम हुसैन उपस्थित थे, जिनसे एसडीएम ने व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। एसडीएम ने हरे चारे की उपलब्धता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गोवंशों के पोषण और देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

समाजसेवी अलका सिंह को सम्मानित किया

आंवला, अमृत विचार : समाजसेवी अलका सिंह आंवला भ्रमण पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त अध्यापक जय गोविन्द सिंह के निवास पर पहुंचीं। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभाके पदाधिकारीयों में जय गोविंद सिंह, जुगेंद्र पाल सिंह, मोहन सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, गुड्डू फौजी, विपिन कुमार सिंह चौहान, प्रवीन कुमार सिंह एडवोकेट आदि ने अलका सिंह को सम्मानित किया।

आंधी से लाइन में फाल्ट, दिन भर ठप रही बिजली

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : गुरुवार रात तेज आंधी और बारिश के चलते शुक्रवार को पूरे दिन कस्बा समेत गांवों की आपूर्ति व्यवस्था ठप रही। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दरअसल, आंधी के कारण फरीदपुर से आने वाली 33 केवी लाइन में फाल्ट आ गया। इससे विद्युत व्यवस्था बेपटरी हो गई। शुक्रवार को पूरे दिन लाइन दुरुस्त नहीं हो पाई। लोग विद्युत संकट से जूझते रहे। पेयजल समस्या बनी रही। देर शाम आपूर्ति सुचारू होने पर लोगों को राहत मिली।

मुश्किल — तीन साल के बाद भी ओवरहेड टैंक का निर्माण अधूरा

बैरमनगर गांव में घर-घर पानी पहुंचाने की आस अधूरी

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : हर घर नल, हर घर जल योजना के तहत गांव बैरमनगर में करीब तीन साल बाद भी ओवरहेड टैंक का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। विभागीय अनदेखी के चलते घरों में टंकी का पानी नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार करीब 70 फीसदी घरों में पाइप व तमाम घरों में टोटियां लगा दी गईं हैं, लेकिन पानी की आस अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के दावे कागजों में दम तोड़ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को नहीं है। ग्रामीण अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत करा चुके हैं मगर जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

गांव बैरमनगर में अधर में लटका ओवरहेड टैंक का निर्माण। ● अमृत विचार

ओवरहेड टैंक के पास में बह रही किच्छा नदी। ● अमृत विचार

- किच्छा नदी में बाढ़ आई तो टैंक तक पहुंच जाएगा पानी

तीन सालों से ग्रामीणों को टोटियों में पानी आने का इंतजार है। वर्ष 2023 में ओवरहेड टैंक के निर्माण की शुरुआत हुई थी तो नदी का किनारा 500 मीटर दूर था मगर अब 20 मीटर रह गया है। अगर बरसात में किच्छा नदी में बाढ़ आई तो पानी ओवरहेड टैंक तक पहुंच जाएगा। ग्राम प्रधान शमशुल खां ने बताया कि पाइप लाइन बिछाने के लिए सड़कों को खोदकर छोड़ दिया गया। ठेकेदार ने मरम्मत कार्य नहीं कराया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत की आबादी 20 हजार से अधिक है। मई महीने की शुरुआत हो चुकी है। अभी तक ओवरहेड टैंक का निर्माण अधर में लटका हुआ है। गांव के पंडित रमेश चंद शर्मा, हरीश कुमार गुप्ता, विजेंद्र श्रीवास्तव, सुरेश चंद्र रस्तोगी, नफीस खान, मोहम्मद हनीफ, उमेश गुप्ता, नरेश कुमार, लालता प्रसाद व पिंटू शर्मा आदि का कहना है कि ओवरहेड टैंक की दूरी नदी से मात्र 20 मीटर रह गई है। ऐसे में ओवरहेड टैंक को बचाने के लिए नदी के किनारे पिचिंग बनवाई जाए। शीघ्र ओवरहेड टैंक का निर्माण पूर्ण किया जाए।

> कार्यदाई संस्था के अधिकारियों और कर्मचारियों से इस संबंध में बात की जाएगी। ओवरहेड टैंक का निर्माण पूर्ण क्यों नहीं हुआ है। इसकी भी जांच कराई जाएगी।
> –आलोक कुमार, एसडीएम मीरगंज

डीआईओएस कार्यालय के फर्जीवाड़े में मुख्य आरोपी की पत्नियों समेत 7 गिरफ्तार

बाबूगिरी करने वाले चपरासी ने संबंधित के खातों में भिजवाई थी 8.15 करोड़ की धनराशि

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी महिलाएं। ● अमृत विचार

करोड़ों का घोटाला

● एएसपी ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी, इल्हाम की दो और पत्नियां रहीं शामिल

अमृत विचार : जिम्मेदारों की शह पर डीआईओएस कार्यालय में नियम विरुद्ध तरीके से बाबूगिरी करने वाले बीसलपुर जनता टेक्निकल इंटर कॉलेज के चपरासी इल्हाम उर्रहमान शम्सी द्वारा किए गए करोड़ों के घोटाले में सात और गिरफ्तारी की गई है। इसमें इल्हाम की दो और पत्नियां शामिल रहीं। इनके खातों में करीब 8.15 करोड़ रुपये की धनराशि फर्जीवाड़ा करके ट्रेजरी से पहुंची थी। एएसपी ने प्रेसवार्ता कर खुलासा किया। पुलिस की टीमें अभी पकड़ी गई महिला आरोपियों से पड़ताल कर अन्य क्लू जुटाने में लगी हैं।

बता दें कि बीसलपुर के जनता टेक्निकल इंटर कॉलेज का चपरासी इल्हाम उर्रहमान शम्सी करीब सात साल से विभागीय अधिकारियों के संरक्षण में नियम विरुद्ध तरीके से अटैचमेंट के नाम पर डीआईओएस कार्यालय में बाबूगिरी कर महत्वपूर्ण पटलों पर काम देखता रहा। उसके द्वारा फर्जीबाड़ा करते हुए शिक्षकों के वेतन मद से करोड़ों की धनराशि का गबन किया गया था। इस मामले की पकड़ होने के बाद जांच हुई और फिर टालमटोल के बाद 13 फरवरी को डीआईओएस राजीव कुमार की ओर से इल्हाम उर्रहमान शम्सी और उसकी पत्नी अर्शी खातून के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। अर्शी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जोकि जमानत पर है। वहीं, इल्हाम को हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई थी। पुलिस की टीमें विवेचना कर रही है। इस दौरान 53 बैंक खातों में संदिग्ध लेनदेन पकड़ा और 5.50 करोड़ रुपये की धनराशि फ्रीज करा दी गई थी। इसी क्रम में कार्रवाई को गति दी गई। पुलिस ने इस मामले में सात महिलाओं की गिरफ्तारी की है। जिसमें जनपद संभल के थाना रामसत्ती क्षेत्र के मोहल्ला जगत की निवासी लुबना नवी पत्नी इल्हाम उर्रहमान शम्सी, फातिमा नवी पुत्री नूर नवी, बिजनौर के मोहल्ल्ला काजीपारा निवासी परवीन खातून पत्नी मोहम्मद अजीम, गाजियाबाद के पार्श्वनाथ पैराडाइज मोहन नगर निवासी आशकारा परवीन पत्नी जफर महमूद, अलीगढ़ के मोहल्ला जमालपुर निवासी अजारा खान पत्नी इल्हाम उर्रहमान शम्सी, बुलंदशहर के मोहल्ला खावेजज्ञान जामुन वाली गली की निवासी नाहिद पत्नी इरशाद और आफिया खान पत्नी शान मोहम्मद शामिल रही। एएसपी विक्रम दहिया, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने शुक्रवार शाम पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता कर पुलिस कार्रवाई की जानकारी दी। पुलिस टीम को 25 हजार रुपये और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने की घोषणा भी की गई। टीम में इंस्पेक्टर सतीश कुमार, दरोगा मनवीर सिंह, प्रकाश चंद्र शर्मा, सौरभ कुमार, नरेंद्र कुमार, भाविका सिंह, गरिमा, हेड कांस्टेबल प्रयाशी यादव, ज्योति गौड़, कांस्टेबल अंजलि निर्वाल, आरजू, शिखा, जयप्रभा आदि थे।

> सरकारी धनराशि के गबन के मामले की विवेचना चल रही है। इसमें मुख्य आरोपी की दो और पत्नियों समेत सात महिलाओं की गिरफ्तारी की गई है। इनके खाते में करीब 8.15 करोड़ की धनराशि पहुंची थी। अभी विस्तृत पूछताछ चल रही है। जो भी तथ्य आएंगे, उसी के आधार पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। **– विक्रम दहिया, एएसपी**

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में तेंदुए के शरीर पर कई गंभीर चोटें, गर्दन की हड्डी टूटी

पीलीभीत, अमृत विचार : बीसलपुर रजवाहा में तीन दिन पूर्व मृत मिले मादा तेंदुआ की मौत की गुत्थी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अब और उलझ गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कुछ ऐसे चौकाने वाले खुलासे हुए हैं, जिससे उसकी मौत किसी हादसे या मारपीट की घटना की ओर से इशारा कर गई है। जिम्मेदार अभी भी इस मामले में टालमटोल कर पल्ला झाड़ने की कोशिश में लगे हुए हैं।

बीते 29 अप्रैल को बरखेड़ा क्षेत्र में बहने वाली बीसलपुर रजवाहा में एक मादा तेंदुआ का शव मिला था। ग्रामीणों द्वारा दी गई सूचना के बाद सामाजिक वानिकी प्रभाग की टीम ने मौके पर जाकर शव को कब्जे में लिया था। उच्चाधिकारियों के निर्देश के बाद उसी दिन रेंज परिसर में तीन सदस्यीय पैनल द्वारा तेंदुआ के शव का पोस्टमार्टम किया गया था। उस दौरान जिम्मेदारों ने तेंदुआ की मौत का कारण स्पष्ट न होने की बात कहते हुए बिसरा जांच के लिए आईवीआरआई बरेली भेजने की बात कही थी। हालांकि पहले ही दिन तेंदुआ की मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं सामने आई थी। उस दौरान तेंदुआ के शरीर में चोट आदि की बात से जिम्मेदार इनकार करते रहे थे।

साइबर ठगों ने महिला से 8.67 लाख रुपये ठगे, रिपोर्ट दर्ज

बिलासपुर, अमृत विचार: साइबर ठगों ने एक महिला से 8.67 लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने टेलीग्राम ग्रुप के जरिए महिला को अपने जाल में फंसाया और टास्क के नाम पर अलग-अलग खातों में पैसे ट्रांसफर करवा लिए। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिलासपुर क्षेत्र के गांव गदईयां नसीमगंज निवासी किरनदीप कौर द्वारा कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें बताया कि बीती 12 अप्रैल को एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे सोशल मीडिया के टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा था। वहां उन्हें आनलाइन काम के बदले अच्छे मुनाफे का आफर दिया गया। महिला जालसाजों की बातों में आ गई और काम शुरू कर दिया। शुरुआत में भरोसा जीतने के बाद ठगों ने उनसे निवेश और अन्य बहानों से पैसे मांगना शुरू किया। ठगों के दबाव में आकर किरनदीप कौर ने अपने बैंक खाते से 6.08 लाख रुपये और दूसरे खाते से 78,800 रुपये भेज दिए। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी मां के खाते से 80,000 रुपये और भाई के खाते से भी एक लाख रुपये ठगों द्वारा दी गई यूपीआई आईडी और बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए गए।

बीसलपुर रजवाहा नहर में नहाते वक्त डूबकर दो दोस्तों की मौत

हादसे के बाद नहर के पास लगी भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

मृतक आशु।

मृतक विनीत सिंह।

● बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में हुआ हादसा जेसीबी से निकलवाए शव

अमृत विचार : नहर में नहाते वक्त दो दोस्त डूब गए। दोनों की मौत हो गई।

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला दुबे के रहने वाले 36 वर्षीय आशु उर्फ अंशु गौड़ पुत्र योगेश कुमार मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव थे। मोहल्ला के ही उनके दोस्त विनीत कुमार सिंह पुत्र राजबहादुर मोबाइल रिपेयरिंग व सॉफ्टवेयर की दुकान चलाते थे। शुक्रवार शाम को दोनों दोस्त नहाने के लिए ग्राम चौसरा के पास से गुजरी बीसलपुर रजवाहा नहर की तरफ गए थे। बताते हैं कि अचानक गहरे पानी में चले गए और खुद को संभालना चाहा लेकिन असफल रहे। दोनों नहर में डूब गए। आसपास मौजूद लोगों के शोर मचाने पर भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना मिलने पर कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला, तहसीलदार हबीबउर्रहमान भी टीम के साथ पहुंच गए।

घर में मचा कोहराम

दोनों घर से हंसी खुशी निकले थे। परिवार वाले उनकी वापसी को लेकर निश्चिंत थे। बताते हैं कि गांव के लोगों ने जब नहर के पास बाइक खड़ी देखी और उस पर कपड़े भी रखे हुए थे। इस पर उनको किसी के डूबने की आशंका और बढ़ गई थी। इधर, जैसे ही परिवार तक दोनों के डूबने की खबर पहुंची तो कोहराम मच गया। परिवार वाले भी मौके पर पहुंच गए।

जातिसूचक टिप्पणी के विरोध में उतरे भाजपा सांसद

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● महिला पर दुर्व्यवहार का आरोप

अमृत विचार: शाहजहांपुर से भाजपा सांसद अरुण कुमार सागर ने एक महिला पर अपने बेटे के खिलाफ जातिसूचक टिप्पणी करने और दुर्व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगाया है। शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान सांसद ने बताया कि यह घटना 27 अप्रैल की है, जब उनके बड़े बेटे अंकित सागर को साउथ सिटी कॉलोनी निवासी एक महिला ने सार्वजनिक रूप से अपमानित किया।अनुसूचित जाति (SC) समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सांसद ने स्पष्ट किया कि मामला किसी भूमि विवाद से नहीं जुड़ा है, जैसा कि सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के स्थानीय नेताओं पर क्षत्रिय समुदाय को गुमराह करने का भी आरोप लगाया। सांसद ने अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। इस पर उन्होंने कहा, "जब तक संबंधित महिला की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक मैं लिखित शिकायत नहीं दूंगा।इस मामले के बीच, पुलिस ने महिला के भाई मुकेश सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक (SP) सौरभ दीक्षित के अनुसार, मुकेश को जातिसूचक टिप्पणी के मामले में नहीं, बल्कि शस्त्र अधिनियम के एक पुराने मामले में गिरफ्तार किया गया है। वह एक वायरल वीडियो में अवैध हथियार चलाते हुए दिखा था। आरोपी महिला भी इसी मामले में नामजद है और फिलहाल फरार है। पुलिस का कहना है कि सांसद की ओर से लिखित शिकायत मिलते ही उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हादसे में छह साल की बच्ची की मौत

मुरादाबाद,अमृत विचार: मूंढापांडे थाना क्षेत्र के रामपुर दोराहा जीरो प्वाइंट पर सड़क हादसे में छह वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जबकि दंपती समेत तीन लोग घायल हो गए। हादसे से अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया और मृत बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए भेजा। शुक्रवार को संभल जिले के थाना हजरत नगर गढ़ी के गांव मनिहारों वाली मिलक निवासी अजमत अपनी पत्नी मरजीना बेटी जिया और अदीबा के साथ बाइक से मुरादाबाद आया था। गांव गोट में मामा के बेटे की शादी समारोह में शामिल होकर वापस जा रहा था। रामपुर दोराहा के जीरो प्वाइंट पर पहुंचा ही था कि पीछे आ रहे ट्रक ने अजमत की बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर बैठी छह वर्षीय बेटी जिया खान की मौके पर मौत हो गई।

सड़क दुर्घटनाओं में महिला समेत दो लोगों की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● सड़क पार करते समय हुआ हादसा

अमृत विचार : जिले में अलग-अलग स्थानों पर सड़क पार करते समय महिला समेत दो लोग घायल हो गए। दोनों घायलों की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे कटरा और निगोही क्षेत्र में हुए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के गांव बाजपुर कुमरखा निवासी 45 वर्षीय फकीरे लाल गुरुवार रात में नौ बजे फीलनगर गांव में रामलाल की बेटी की शादी में शामिल होने के लिए जा रहे थे। हाइवे पर बस से उतकर सड़क पार करते समय जलालाबाद की ओर से आ रही बस ने उनको टक्कर मार दी। हादसे में फकीरे लाल घायल हो गए। चालक बस लेकर भाग गया। परिवार वाले घायल को सीएचसी पर ले गए और घायल को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इधर, निगोही थाना क्षेत्र के गांव उदयभानपुर कटैया निवासी 55 वर्षीय फरमाइशा बेगम शाम को कहीं जाने के लिए सड़क पार कर रही थी। अचानक बाइक ने उसे टक्कर मारकर घायल कर दिया था। घायल को सीएचसी पर ले गए। डॉक्टर ने घायल को बरेली के लिए रेफर कर दिया। परिवार वाले उसे बरेली के एक अस्पताल में ले गए, जहां डाक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। निगोही थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वन निगम ने थारू-ट्री हट और बोटिंग का किराया घटाया

पीलीभीत,अमृत विचार : ज्वैल ऑफ तराई के नाम से मशहूर पीलीभीत टाइगर रिजर्व के चूका बीच पर पर्यटन बढ़ाने के लिए वन निगम ने बड़ा कदम उठाया है। पर्यटकों की जेब पर पड़ रहे भारी बोझ को देखते हुए वन निगम ने हटों समेत बोटिंग की दरों में भारी कटौती की है। अब पर्यटक कम खर्च में थारू हट और ट्री हट का आनंद ले सकेंगे, साथ ही शारदा सागर डैम की लहरों पर मोटर बोट की सैर भी सस्ती कर दी गई है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के मिनी गोवा कहे जाने वाले इको टूरिज्म स्पाट चूका बीच पर बने थारू हट और ट्री हट का संचालन वन निगम द्वारा किया जाता है।

दंपती का एक ही चिता पर हुआ अंतिम संस्कार

संवाददाता, शाहजहांपुर/निगोही

अमृत विचार : पुवायां में गुरुवार को हुए हादसे में दंपती और दो बच्चों की मौत के मामले में निगोही क्षेत्र में श्मशान घाट पर पत्नी-पत्नी का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार हुआ। दोनों बच्चों को अलग-अलग दफनाया गया। घर की चौखट से एक चारों की अर्थी एक साथ उठी और लोगों के आंसू थम नहीं रहे थे।

निगोही थाना क्षेत्र के मोहल्ला रामनगर बगिया निवासी अरुण कुमार की ससुराल में पुवायां के गांव सिरखिडी थी। वह अपनी पत्नी सीमा, बेटी दीक्षा और बेटे नैतिक को लेकर ससुराल शादी में गए थे। वह अपनी बड़ी बेटी प्रियांशी को अपने माता-पिता के पास छोड़कर बरात में गया था। गुरुवार को वह अपनी पत्नी और दोनों बच्चों के साथ पुवायां से निगोही बाइक से लौट रहा था। पुवायां क्षेत्र में भूड़ा मैनारी ओवरब्रिज के पास कार ने बाइक को टक्कर मार दी थी, जिससे बाइक पर सवार चारों की मौत हो गयी थी। पुलिस ने देर रात चारों का शवों का पोस्टमार्टम कराया।

दूल्हे को जान से मारने की धमकी, नहीं आई बरात

संवाददाता, मिलक

अमृत विचार: शादी रुकवाने के लिए एक युवक ने दूल्हे को गोली से जान से मारने की धमकी दे डाली, जिसके बाद दूल्हा पक्ष के लोग बरात लेकर नहीं आए। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना शहजादनगर निवासी बलवीर सिंह ने थाना मिलक में तहरीर दी है। बलवीर ने तहरीर देते हुए बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी मिलक कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में तय की है। 1 मई 2026 को बरात आनी थी, आरोप है कि थाना शहजाद नगर के नदीम मिलक कोतवाली क्षेत्र के गांव पहुंचा और दूल्हे को धमकी दी। अगर बरात लेकर आओगे तो गोली मारकर हत्या कर दूंगा।

बलवीर सिंह का कहना है कि आरोपी ने दामाद के साथ गाली-गलौज की और जाति सूचक शब्द भी कहे। इसके बाद दूल्हा और उनके पक्ष के लोग बारात लेकर नहीं आए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक पुष्कर सिंह ने बताया कि मामले की विवेचना हल्का प्रभारी के द्वारा कराई जा रही है ।

बरेली एसटीएफ ने एक लाख का इनामी दबोचा

संभल, अमृत विचार: संभल के बहुचर्चित पिता-पुत्र हत्याकांड में फरार चल रहे एक लाख रुपये के इनामी बदमाश को बरेली एसटीएफ ने पंजाब से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को स्थानीय पुलिस के सुपुर्द करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। धनारी के भिरावटी गांव निवासी नरेश यादव और उनके बेटे भीमसेन 2 अप्रैल को थाना कैलादेवी क्षेत्र के गांव की साप्ताहिक बाजार से पिकअप लोडर बुक कर मेरठ जाने के बाद तीन बदमाशों ने उनकी हत्या कर दी थी। 7 अप्रैल को जनपद शामली के जंगल से दोनों के शव बरामद किए गए थे। पुलिस ने इससे पहले इस हत्याकांड के मास्टरमाइंड अरविंद समेत दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजा था। अब फरार एक लाख के इनामी संतोष को एसटीएफ ने पंजाब से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। धनारी थाना पुलिस का कहना है कि संतोष निवासी गांव रझेड़ा सलेमपुर, थाना कैलादेवी की गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। बरेली एसटीएफ की टीम ने उसे पंजाब के पठानकोट स्थित रघुनाथ कॉलोनी से गिरफ्तार किया।

कसेरुआ में कब्रिस्तान व ग्राम समाज की भूमि पर कब्जे का मामला

सरकारी जमीन कब्जा मुक्त कराने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: जनपद संभल में थाना नखासा क्षेत्र के गांव कसेरुआ में कब्रिस्तान एवं ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे को हटाने के लिए अब प्रशासनिक कार्रवाई तेज हो गई है।

तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह, नायब तहसीलदार दीपक कुमार जुरैल, कानूनगो एवं लेखपालों की संयुक्त टीम ने गांव कसेरुआ में सरकारी भूमि की पैमाइश कराई। प्रशासनिक टीम की ने अभिलेखों और वास्तविक स्थिति का मिलान करने के लिए पूरे क्षेत्र का सीमांकन किया। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गांव कसेरुआ के कुछ ग्रामीणों द्वारा जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर कब्रिस्तान की भूमि सुरक्षित कराने की मांग की गई थी।

इसके बाद जब राजस्व अभिलेखों की जांच कराई गई तो यह स्पष्ट हुआ कि कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर मस्जिद का निर्माण कर लिया गया है।

इसके बाद प्रशासन ने संबंधित पक्ष को नोटिस जारी किया। कसेरुआ गांव में राजस्व अभिलेखों में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज एक मस्जिद और तीन मकानों का निर्माण पाया गया था।

इसके अतिरिक्त खाद के गड्ढे के लिए आरक्षित भूमि के 600 वर्ग मीटर क्षेत्र में आठ मकान बने हैं। बड़ी बात यह कि प्रशासन ने जिस मस्जिद का निर्माण सरकारी जमीन पर होना पाया है, उसका सुन्नी वक्फ बोर्ड में इंद्राज भी कराया जा चुका है। इसी गांव में वृक्षारोपण के लिए 1001 वर्ग मीटर जमीन पर एक व्यक्ति द्वारा खेती की जा रही है। तहसीलदार ने बताया कि जमीन की पैमाइश और सीमांकन का कार्य किया गया है।

ग्राम समाज की भूमि पर जिन लोगों ने मकान या अन्य निर्माण कर रखे हैं, उन्हें भी सूचित कर दिया गया है। यदि वे स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा लेते हैं तो बेहतर होगा, अन्यथा उनके कार्रवाई की जाएगी।

वक्फ बोर्ड में दर्ज हो चुका है मुकदमा

कसेरुआ गांव में 1100 से 1200 वर्ग मीटर क्षेत्र में मस्जिद का निर्माण किया गया है, जिसे लेकर प्रशासन का कहना है कि यह मूलत : कब्रिस्तान की भूमि है। इसके अलावा मामले में यह भी सामने आया है कि वक्फ बोर्ड में इंद्राज के लिए कथित रूप से गलत साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। इसी के चलते हल्का लेखपाल खबर हुसैन द्वारा 18 जनवरी को थाना नखासा में सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जाकिर हुसैन, तस्लीम, भूरे अली, शरफुद्दीन, दिल शरीफ, मोहबाद अली और नन्हे के खिलाफ बीएनएस की धारा 329(3) तथा सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग

निविदा सूचना सं. 20/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से **"खुली"** निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं. 1. कार्य का विवरण:** सी.से.इंजी./कार्य/भोजीपुरा के अंतर्गत एन.एस.जी.–6 स्टेशनों (देवरनिया, पंतनगर 1 एवं 2 प्लेटफॉर्म) पर प्लेटफॉर्म को हाई लेवल तक उठाना।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹9,84,81,835.61; **बयाना राशि (₹में):** ₹19,69,700/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 08 माह। **क्र.सं. 2. कार्य का विवरण:** वमंइं/ मुख्यालय/ इज्जतनगर अनुभाग के अंतर्गत लेवल क्रॉसिंग को समाप्त करने के लिए लेवल क्रॉसिंग के स्थान पर आर.ओ.बी./आर.यू.बी. के निर्माण हेतु फिजिबिलिटी स्टडी, सर्वे एवं डी.पी.आर. की तैयारी।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹3,52,12,799/-; **बयाना राशि (₹में):** ₹7,04,300/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 08 माह। **क्र.सं. 3. कार्य का विवरण: 1).** इज्जतनगर मंडल के एनएसजी–5 स्टेशनों पर प्लेटफार्म को हाई लेवल तक उठाना। **2).** इज्जतनगर मंडल के फर्रुखाबाद–कासगंज अनुभाग में एनएसजी–6 स्टेशनों (हरसिंगपुर गोबा–प्लेटफॉर्म 1 एवं 2, कम्पिल रोड–प्लेटफॉर्म 2) पर प्लेटफार्म को हाई लेवल तक उठाना। **3).** इज्जतनगर मंडल में फर्रुखाबाद स्टेशनों पर रेल लेवल प्लेटफॉर्म को हाई लेवल प्लेटफॉर्म तक विस्तारित करना।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹18,71,29,945.98; **बयाना राशि (₹में):** ₹37,42,600/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 माह। **क्र.सं. 4. कार्य का विवरण: 1).** कानपुर अनवरगंज–मथुरा अनुभाग (मंधाना जंक्शन, जसोदा एवं कमालगंज) में प्लेटफार्मों को मीडियम लेवल से हाई लेवल तक उठाना। **2).** इज्जतनगर मंडल के सी.से.ई./कार्य/कन्नौज के अंतर्गत एनएसजी–6 स्टेशनों (खुदागंज प्लेटफॉर्म नंबर 1 एवं 2, अरौल मकनपुर प्लेटफॉर्म नंबर 2) पर प्लेटफॉर्म को हाई लेवल तक उठाना।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹21,03,08,105.41; **बयाना राशि (₹ में):** ₹42,06,200/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 माह। **क्र.सं. 5. कार्य का विवरण: (1).** इज्जतनगर मंडल के कासगंज–मथुरा अनुभाग में एनएसजी–6 स्टेशनों (अगसौली– प्लेटफॉर्म 2, मारहरा–प्लेटफॉर्म 2 एवं रति का नगला–प्लेटफॉर्म 2) पर प्लेटफार्म को हाई लेवल तक उठाना। **(2).** इज्जतनगर मंडल के सी.से.ई./कार्य/कासगंज के अंतर्गत एनएसजी–6 स्टेशनों (कासगंज सिटी) पर प्लेटफॉर्म को हाई लेवल तक उठाना।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹16,78,12,855.74; **बयाना राशि (₹में):** ₹33,56,300/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 माह। **क्र.सं. 6. कार्य का विवरण:** कानपुर अनवरगंज–मथुरा अनुभाग में स्वीकृत ट्रैक नवीनीकरण कार्यों के अंतर्गत इन–सीटू ग्लूड ज्वॉइंट्स का प्रावधान। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹1,26,55,484.58; **बयाना राशि (₹में):** ₹2,53,200/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 माह। **क्र.सं. 7. कार्य का विवरण:** पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के समइं/पीलीभीत अनुभाग में एन.एस.जी.–6 स्टेशनों (शाहबाज नगर, नौरिया हुसैनपुर, मझोला पकड़िया, बनबसा) पर एफ.ओ.बी. में छत सहित रैंप का प्रावधान।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹7,39,00,005.06; **बयाना राशि (₹में):** ₹14,78,000/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 06 माह। **क्र.सं. 8. कार्य का विवरण:** पूर्वोत्तर रेलवे में वमइं/I/इज्जतनगर के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत इंटरलॉक्ड एलसी गेट नंबर 2 (पीलीभीत–नौरिया हुसैनपुर), 3 (पीलीभीत–नौरिया हुसैनपुर), 11 (नौरिया हुसैनपुर–मझोला पकड़िया), 12 (नौरिया हुसैनपुर–मझोला पकड़िया), 10 (गूलरभोज–बाजपुर), 34 (हेमपुर इस्माईल–बाजपुर), 41 (हेमपुर इस्माईल–काशीपुर) एवं 42 (हेमपुर इस्माईल–काशीपुर) (कुल = 08 नग) पर एस एंड टी सर्विस बिल्डिंग का निर्माण।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹1,50,74,229.89; **बयाना राशि (₹में):** ₹3,01,500/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 06 माह। **क्र.सं. 9. कार्य का विवरण:** पूर्वोत्तर रेलवे के वमइं/I/इज्जतनगर अनुभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले (लालकुऑं, काशीपुर, खटीमा, वनबसा, मझोला पकड़िया, बाजपुर एवं पीपलसाना) स्टेशनों पर हाई लेवल प्लेटफार्म का विस्तार।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹9,54,75,974.81; **बयाना राशि (₹में):** ₹19,09,500/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 09 माह। **क्र.सं. 10. कार्य का विवरण:** पूर्वोत्तर रेलवे के वमइं/I/इज्जतनगर अनुभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले एनएसजी के 6 स्टेशनों (बाजपुर, खटीमा, रामनगर, रोसनपुर एवं पीपलसाना) पर एफओबी में छत सहित रैंप का प्रावधान।; **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹9,23,03,759.34; **बयाना राशि (₹में):** ₹18,46,100/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 06 माह। **क्र.सं. 11. कार्य का विवरण:** पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के समइं/काशीपुर अनुभाग में समपारों को समाप्त करने के उद्देश्य से 56 एलसी के स्थान पर आर.ओ.बी./आर.यू.बी. के निर्माण हेतु फिजिबिलिटी स्टडी, सर्वेक्षण, जियो–टेक्निकल इन्वेस्टिगेशन और डी.पी.आर. की तैयारी।; **अनुमानित लागत(₹ में):** ₹3,23,26,509.60; **बयाना राशि (₹में):** ₹6,46,500/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 06 माह। **1.** क्रम सं. 1 से 6 की ई–निविदा **दिनांक 25.05.2026 को 15:00 बजे** तक ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। **2.** क्रम सं. 7 से 11 की ई–निविदा **दिनांक 26.05.2026 को 15:00 बजे** तक ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। **3.** ई–निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०)

मुजाधि/डब्ल्यू–68 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक: 4077/141 सी0(ई0टेण्डर)–3/26–27 दिनांक: 25.04.2026

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 04.05.2026 से दिनांक 09.05.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 09.05.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क + स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	बण्डा पूरनपुर मार्ग से इन्दलपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	प्रा0ख0 लो0नि0 वि0, शाहजहाँपुर	54.30	4.72	2725.00	02 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)

2–निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड,
लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP-250764 दिनांक 01.05.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत

पत्रांक–790/31ए दि0–24.04.2026

अल्प कालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत द्वारा लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत योग्य ठेकेदारों से प्रतिशत दरों पर बिड आमंत्रित की जाती है। बिड प्रस्तुत करते समय निविदा के आई0टी0बी0 में उल्लिखित शर्तो के अनुसार बिड अपलोड करें।
2.

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाऋतु सहित)	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
सांसद निधि से प्राप्त धनराशि के अन्तर्गत							
1	पीलीभीत	विधानसभा सदर के अन्तर्गत ग्राम रम्पुरिया विकास खण्ड अमरिया में बारात घर/ सामुदायिक केन्द्र का निर्माण कार्य	21.00	2.10	600+300+GST18% (Rs. 900+162= Rs. 1062.00)	02 माह	A,B,C&D (Building Work)
2	पीलीभीत	विधानसभा बरखेड़ा के अन्तर्गत ग्राम भमौरा विकास खण्ड बरखेड़ा में बारात घर/ सामुदायिक केन्द्र का निर्माण कार्य	21.00	2.10	600+300+GST18% (Rs. 900+162= Rs. 1062.00)	02 माह	A,B,C&D (Building Work)
3	पीलीभीत	विधानसभा बरखेड़ा के अन्तर्गत विकास खण्ड मरौरी में ग्राम न्यूरिया खुर्द एवं खरगापुर के मध्य बारात घर/ सामुदायिक केन्द्र का निर्माण कार्य	21.00	2.10	600+300+GST18% (Rs. 900+162= Rs. 1062.00)	02 माह	A,B,C&D (Building Work)
4	पीलीभीत	विधानसभा पूरनपुर के अन्तर्गत ग्राम कढेरचौरा विकास खण्ड पूरनपुर में बारात घर/ सामुदायिक केन्द्र का निर्माण कार्य	21.00	2.10	600+300+GST18% (Rs. 900+162= Rs. 1062.00)	02 माह	A,B,C&D (Building Work)
अवासीय एवं अनावासीय भवनों की मरम्मत का कार्य							
5	पीलीभीत	आवासीय भवनों (पूल्ड आवास) की मरम्मत एवं रख–रखाव का कार्य।	28.00	2.80	600+300+GST18% (Rs. 900+162= Rs. 1062.00)	12 माह	A,B,C&D (Building Work)
6	पीलीभीत	अनावासीय भवनों (डाक बंगला/कार्यालय भवन) की मरम्मत एवं रख–रखाव का कार्य।	07.50	0.80	600+225+GST18% (Rs. 825+149= Rs. 974.00)	12 माह	A,B,C&D (Building Work)

3. बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 04.05.2026 से दि0 12.05.2026 को मध्यान्ह 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है, जिनकी तकनीकी बिड तद्दिनांक 12.05.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी। निविदा से सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगी।

UP-250713 दिनांक 01.05.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(राजेश चौधरी) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लोनिवि, पीलीभीत।

दो बैलों की जोड़ी...

ट्रैक्टर युग में बैलों को देखना सुखद अनुभूति कराता है। एक समय इनके कंधे पर ही कृषि कार्य और खेतों को जोतने की जिम्मेदारी रहती थी जो धीरे-धीरे नेपथ्य में चली गई। कर्नाटक के चिक्कमगलुरु के पास शुक्रवार को बारिश के दौरान बैलों को लेकर घर लौटता एक किसान। ●एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के 70वें स्थापना दिवस पर बोले केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी

ईडी को दिया वित्तीय कैंसर को खत्म करने का अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को धन शोधन, कॉरपोरेट धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के कैंसर का इलाज करने के लिए मजबूत बनाया और अधिक शक्तियां दीं, न कि किसी संस्था को निशाना बनाने के लिए जैसा कि देश के एक विशेष तंत्र द्वारा आरोप लगाए गए हैं।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री चौधरी ने केंद्रीय एजेंसी को वित्तीय अपराधों के खिलाफ राष्ट्र की ढाल बताते हुए कहा कि यह न केवल पिछली सरकारों के भरोसे पर खरी उतरी है, बल्कि नए मानक भी स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि ईडी का नाम न केवल भारत में बल्कि एफएटीएफ सहित विभिन्न वैश्विक मंचों पर भी सम्मानित है, जिसने इसकी जांच

- ईडी को दी गईं शक्तियां किसी को निशाना बनाने के लिए नहीं

क्षमताओं की प्रशंसा की है।

मंत्री ने यहां आयोजित 70वें ईडी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान ये बातें कहीं। एजेंसी की स्थापना 1956 में इसी दिन हुई थी। कई विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि ईडी भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का एक उपकरण है और इसका इस्तेमाल उन्हें निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में ईडी सबसे ज्यादा सुर्खियों में रही है। अपने शुरुआती वर्षों में ईडी ने विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (अब निरस्त) और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम लागू किया था। तब से इसकी क्षमताओं और कार्यकुशलता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। चौधरी ने हिंदी में दिए अपने भाषण में कहा कि भारत सरकार ने ईडी पर भरोसा किया, इसलिए इसे धन शोधन निवारण अधिनियम (2005 में) लागू करने का कार्य सौंपा गया।

उन्होंने कहा कि देश में एक ऐसा तंत्र मौजूद है जो हर समाधान में समस्या ढूंढ़ लेता है। उन्होंने कहा कि आप कुछ भी करें, ऐसे लोग परेशान होने लगते हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2014 में देश की बागडोर संभाली और राष्ट्रीय हित में कड़े फैसले लेने शुरू किए तब से इस तंत्र की नींव हिल गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग लगातार रोते रहते हैं कि मोदी ने ईडी को बहुत अधिक शक्तियां दे दी हैं, लेकिन यह आधा सच है।

चौधरी ने पूछा कि सच तो यह है कि ईडी को ये शक्तियां वित्तीय अपराधों को कुचलने के लिए दी गई थीं, न कि किसी को निशाना बनाने के लिए। सवाल यह है कि ये शक्तियां क्यों आवश्यक थीं? उन्होंने कहा कि ये शक्तियां इसलिए आवश्यक थीं क्योंकि देश में धन शोधन, हवाला, बेनामी संपत्ति रखना, कॉरपोरेट धोखाधड़ी और आतंकवाद के लिए वित्तपोषण जैसे अपराध बढ़ रहे थे।

भ्रष्टाचार को नहीं किया जाएगा बर्दाश्त

चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का रुख ''भ्रष्टाचार को कत्तई बर्दाश्त नहीं करने का है, चाहे कोई कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो। उन्होंने कहा, अगर किसी ने देश का पैसा लूटा है, तो कानून के सामने सभी बराबर हैं। चौधरी ने कहा कि सभी भगोड़ों को देश वापस लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईडी को देश को बचाने, आम आदमी के पैसे को 'बचाने' और भारत की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की शक्ति दी गई है। चौधरी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी आलोचना की परवाह किए बिना देश के हित में निर्णय लेते हैं। मंत्री ने ईडी अधिकारियों को इस विशेष दिवस पर बधाई दी और कर्तव्य के प्रति उनके समर्पण, साहस और निष्ठा की सराहना की। चौधरी ने धन शोधन निवारण कानून के तहत ईडी द्वारा की गई कार्रवाई का हवाला देते हुए कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष के अंत (31 मार्च, 2026) तक एजेंसी ने 2.36 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी।

न्यूज ब्रीफ

हेड कांस्टेबल 50.37 लाख की लूट में गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल को 50.37 लाख रुपये की लूट के मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान दिल्ली पुलिस की एक वाहिनी में तैनात समय सिंह मीणा के रूप में हुई है। वह 2009 बैच का सिपाही है। आरोपी के खिलाफ पहले भी दिल्ली के सराय रोहिल्ला और चांदनी महल क्षेत्रों में कम से कम तीन आपराधिक मामले दर्ज किये गये थे और वह पहले भी गिरफ्तार हो चुका था, फिर भी सेवा में बना रहा। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर 31 मार्च को इस लूट की वारदात को अंजाम दिया था। उसके साथी पहले ही गिरफ्तार कर लिए गए थे, लेकिन मीणा घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। जांचकर्ताओं ने सीसीटीवी. फुटेज और तकनीकी निगरानी के माध्यम से उसका पीछा किया, जिससे अंतत: राजस्थान के दौसा में उसके ठिकाने का पता चला, जहां वह छिपा हुआ था। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

जवान पर हमला करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास एक बस स्टैंड पर सेना के जवान पर कथित रूप से चाकू से हमला करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि चांदनी चौक इलाके में रहने वाले और दिल्ली के प्रह्लादपुर के मूल निवासी गणेश नामक एक व्यक्ति द्वारा किए गए कथित हमले में जवान के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। कुछ दिनों बाद, 25 अप्रैल को शाम करीब सात बजे, रात्रि गश्त पर तैनात दो पुलिस अधिकारियों ने चांदनी चौक इलाके में एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। पुलिस को देखते ही संदिग्ध ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसका पीछा किया और थोड़ी देर की मशक्कत के बाद उसे काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से बटन वाला चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि लाहौरी गेट थाने में शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पशु बलि के आरोप में दो लोगों पर प्राथमिकी

वर्धा। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में पशु बलि अनुष्ठान के तहत एक बकरे की गर्दन काटने के आरोप में दो व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पेटा इंडिया ने यह जानकारी दी। पशु अधिकार संगठन ने दावा किया कि बकरे की गर्दन सबके सामने काटी गई और नौ अप्रैल को इस अनुष्ठान का वीडियो रिकार्ड किया गया। संगठन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पेटा इंडिया और एक स्थानीय कार्यकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की।

सदियों से धर्म की जीवंत भूमि रहा है लद्दाख जिसने बौद्ध धर्म को सहेजा

लेह में बुद्ध पूर्णिमा पर आयोजित समारोह में बोले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

लेह/जम्मू, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की 75 साल बाद लद्दाख वापसी को ऐतिहासिक पुनर्मिलन बताते हुए शुक्रवार को कहा कि यह केंद्रशासित प्रदेश सदियों से धर्म की जीवंत भूमि रहा है, जिसने बौद्ध ज्ञान को सहेजा एवं पोषित किया है। शाह ने बुद्ध की शिक्षाओं की आधुनिक समय में प्रासंगिकता पर जोर देते हुए कहा कि शांति, करुणा एवं मध्यम मार्ग का संदेश 2,500 साल पहले की तुलना में आज कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। लद्दाख के दो-दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को लेह में तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेषों को दर्शनार्थ रखे जाने के कार्यक्रम और 2569वें बुद्ध पूर्णिमा समारोह का उद्घाटन किया।

शाह ने उद्घाटन के बाद कहा कि लद्दाख सदियों से धर्म की जीवंत भूमि रहा है। जब दलाई लामा यहां आते हैं तो वह कहते हैं कि यह भूमि केवल भौगोलिक जमीन नहीं, बल्कि बौद्ध संस्कृति एवं करुणा की जीवंत प्रयोगशाला है। उन्होंने लद्दाख को करुणा की भूमि बताते हुए कहा कि इस भूमि ने ज्ञान को सहेजा और पोषित किया है। उन्होंने कहा कि जब भी बौद्ध धर्म संकट में पड़ा, इस भूमि ने बुद्ध की शिक्षाओं की रक्षा के लिए काम किया और जब शांति लौटी तो इसने उस संरक्षित ज्ञान को विस्तार देने और आगे बढ़ाने में मदद की। शाह ने कहा कि जब तक व्यक्ति ज्ञान को आत्मसात कर उसे अपने जीवन का हिस्सा नहीं बनाता, तब तक मुक्ति संभव नहीं है। उन्होने कहा कि आध्यात्मिक साधना के बिना ज्ञान अधूरा है, जबकि ज्ञान के बिना आध्यात्मिक साधना दिशाहीन है। इसलिए आध्यात्मिक साधना और ज्ञान का संगम ही सही मार्ग है। इन सबके बाद भी यदि नैतिक अनुशासन नहीं है, तो व्यक्ति वास्तव में ज्ञानपूर्ण जीवन नहीं जी सकता। ज्ञानमय जीवन का आधार नैतिक अनुशासन है।

शाह ने कहा कि भारत में उत्पन्न तथागत बुद्ध की शिक्षाएं लद्दाख और इसके आसपास के मार्गों के जरिये चीन तथा कई अन्य देशों तक पहुंचीं। उन्होंने कहा कि लद्दाख की धरती से निकला संदेश दुनिया भर के अनेक लोगों के लिए जीवन को आगे बढ़ाने की प्रेरक शक्ति बना है। लद्दाख में इन पवित्र अवशेषों की उपस्थिति हमें याद दिलाती है कि भारत की सभ्यता हजारों वर्षों से शांति और सह-अस्तित्व का संदेश देती रही है। उन्होंने कहा कि लद्दाख जैसे विविधतापूर्ण क्षेत्र में यह संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह विरासत आज भी हमें बताती है कि संघर्ष और अशांति के बीच केवल शांति और करुणा का मार्ग ही समाधान दे सकता है।

लद्दाख में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की पहली अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान एक बाल भिक्षु से बातचीत करते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह।

- बुद्ध के पवित्र अवशेषों को दर्शनार्थ रखे जाने का किया उद्घाटन

फूलों की घाटी के रूप में विकसित होंगे दो स्थल

लेह। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने और क्षेत्र के प्राकृतिक आकर्षण को बढ़ाने के लिए दो स्थानों को ''फूलों की घाटी'' के रूप में विकसित करने की योजना पर काम जारी है। उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि लेह में चोगलमसर और वारी ला को ''फूलों की घाटी'' के रूप में विकसित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य फूलों की ऐसी विस्तृत किस्में लगाना है जो अत्यधिक ठंड और ऑक्सीजन के कम स्तर के साथ-साथ लद्दाख की कठोर जलवायु परिस्थितियों को सहन कर सकें। उन्होंने बताया कि अधिक ऊंचाई वाले इलाकों के लिए उपयुक्त प्रजातियों की पहचान करने के लिए विशेषज्ञों से परामर्श किया गया है।

अभियानगत तैयारियों को लगातार मजबूत करने की जरूरत

शिमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को सेना प्रशिक्षण कमान (एआरटीआरएसी) से भारतीय सेना की अभियानगत तत्परता को बढ़ाने के लिए उत्साहपूर्वक काम जारी रखने का आह्वान किया। हिमाचल प्रदेश का अपना पांच दिवसीय दौरा समाप्त करने से पहले राष्ट्रपति ने यहां एआरटीआरएसी मुख्यालय का दौरा किया। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर ने एआरटीआरएसी के कर्मियों की उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सराहना की और उनसे अधिक उत्साह एवं जोश के साथ काम जारी रखने का आग्रह किया।

एआरटीआरएसी के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने उन्हें एआरटीआरएसी के बारे में जानकारी दी। एआरटीआरएसी मुख्यालय में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता और लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने मुर्मू का स्वागत किया। मंत्रालय ने कहा कि एआरटीआरएसी की नवीन पहलों के बारे में विस्तार से बताते हुए लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने ड्रोन प्रशिक्षण प्रोत्साहन, विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को आत्मसात करने के लिए उठाए गए कदमों और भारतीय सेना में डिजिटलीकरण एवं स्वचालन की दिशा में की गई पहलों पर प्रकाश डाला।

न्यायिक प्रक्रिया में वादियों की मदद करती है प्रौद्योगिकी

गंगटोक, एजेंसी

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को कहा कि न्यायिक प्रक्रियाओं में तकनीक के एकीकरण से भौगोलिक बाधाएं समाप्त होती हैं और इससे वादियों को भौगोलिक परिस्थितियों, आर्थिक समस्याओं और दूरी से जुड़ी कठिनाइयों को दूर करने में मदद मिलती है। प्रौद्योगिकी और न्यायिक शिक्षा पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि भारतीय कानूनी परिदृश्य अब उस युग से आगे बढ़ चुका है जब महत्वपूर्ण अभिलेख भौतिक रूप से संग्रहित रहते थे और कागजी कार्यवाही पर निर्भरता थी तथा अब यह एक सशक्त डिजिटल व्यवस्था में बदल गया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सिक्किम को देश की पहली पेपरलेस (कागज का इस्तेमाल नहीं करने वाली) न्यायपालिका वाला राज्य भी घोषित किया। उन्होंने कहा कि जब हम देश भर में न्यायिक प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने की बात करते हैं तो वास्तव में हम भौगोलिक बाधाओं को दूर करने की बात कर रहे होते हैं, चाहे वे कठिन भूभाग, वित्तीय बाधाओं या मात्र दूरी के कारण उत्पन्न हों। सीजेआई ने कहा कि अदालत तक पहुंचने की यात्रा अक्सर सहनशक्ति की एक परीक्षा के रूप में मानी जाती थी।

सीजेआई सूर्यकांत।

- प्रौद्योगिकी और न्यायिक शिक्षा पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले सीजेआई
- भौगोलिक परिस्थितियों और आर्थिक समस्याओं को भी कम करती है प्रौद्योगिकी

उन्होंने कहा कि विशाल हिमालय जितना भव्य है, उतने ही यात्रा को धीमा और अनिश्चित भी बना देता है। यदि हम सिर्फ एक दशक पहले की स्थिति देखें तो सिक्किम के किसी वादी के लिए न्याय की तलाश में दूरी किलोमीटर में नहीं, बल्कि संकरे रास्तों और अनिश्चित मौसम के बीच कई दिनों की यात्रा के रूप में मापी जाती थी।" प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि डिजिटल सुधार सिद्धांत का विषय नहीं है, बल्कि कानून के शासन को बनाए रखने के लिए एक व्यावहारिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हम कागजी रिकॉर्ड के युग से आगे बढ़कर एक सशक्त डिजिटल व्यवस्था में प्रवेश कर चुके हैं, जहां महत्वपूर्ण रिकॉर्ड भौतिक भंडारों में पड़े रहते थे।

खड़ी लॉरी को कार ने मारी टक्कर, छह लोगों की मौत

हैदराबाद, एजेंसी

- तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आउटर रिंग रोड पर हुआ हादसा
- एक घायल महिला का अस्पताल में चल रहा इलाज, हालत नाजुक

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में शुक्रवार को आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़ी ''लॉरी'' को पीछे से टक्कर मार दी और इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और मृतकों में एक महिला एवं तीन बच्चे शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि माल को सुरक्षित रखने वाली रस्सियों को कसने के लिए लॉरी को सड़क किनारे रोककर रखा गया था। पुलिस ने बताया कि एक परिवार के सात सदस्य कार से सफर कर रहे थे। उसने बताया कि एक घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है तथा उसकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि यह परिवार यादद्रि-भुवनगिरि जिले में एक मंदिर में दर्शन करने के बाद अपने घर संतननगर लौट रहा था। उसने बताया कि हादसे में हताहत हुए लोग राजन्ना सिरसिल्ला जिले के सिरसिल्ला कस्बे के निवासी थे।

मुंबई-पुणे के बीच यात्रा समय को कम करेगी मिसिंग लिंक

मुंबई, एजेंसी

- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया परियोजना का उद्घाटन
- 7 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट से 70 हजार करोड़ की अर्थव्यवस्था

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बहुप्रतीक्षित 13.3 किलोमीटर लंबी मिसिंग लिंक परियोजना का शुक्रवार को उद्घाटन किया। यह परियोजना खड़ी चढ़ाई वाले पहाड़ी दर्रे के हिस्से से बाहर-बाहर गुजरती है और इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा में सुधार लाना तथा दोनों प्रमुख शहरों (मुंबई और पुणे) के बीच यात्रा के समय को कम करना है।

फडणवीस ने ''मिसिंग लिंक'' परियोजना को इंजीनियरिंग का चमत्कार करार देते हुए कहा कि 7,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह ऐतिहासिक परियोजना महाराष्ट्र में निवेश, कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देकर 70,000 करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था के निर्माण में मदद करेगी। ''मिसिंग लिंक'' परियोजना का उद्घाटन महाराष्ट्र स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया। इस मौके पर मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के खंडाला या भोर घाट (पहाड़ी दर्रा) खंड पर भारी यातायात जाम देखने को मिला। स्कूल की छुट्टियों और सप्ताहांत के मद्देनजर लोगों ने आयोजन के समय को लेकर सरकार से सवाल किए।

मिसिंग लिंक...

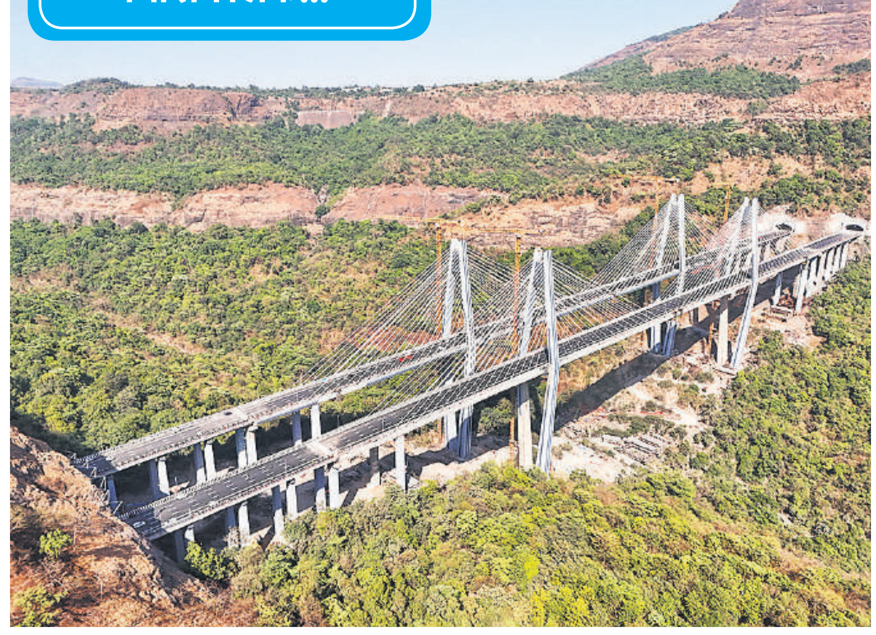

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे की मिसिंग लिंक परियोजना खड़ी पहाड़ी दर्रे वाले हिस्से को बाईपास कर दो प्रमुख शहरों को जोड़ती है।

मौसम | भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देशभर के लिए जारी किया पूर्वानुमान

मई में चलेगी सामान्य से अधिक दिन तक लू, बारिश भी होगी अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को मासिक पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि मई में हिमालय के तराई क्षेत्र के कुछ हिस्सों, पूर्वी तटीय राज्यों, गुजरात और महाराष्ट्र में सामान्य से अधिक दिन लू चलने की संभावना है।

मौसम विभाग ने यह भी कहा कि मई के दौरान पूरे देश में औसत वर्षा सामान्य से अधिक होने की संभावना है, क्योंकि अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में दक्षिण-पश्चिमी मानसून का आगमन 14-16 मई के आसपास होने की उम्मीद है।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि मई 2026 के दौरान देश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का पूर्वानुमान है। उन्होंने कहा कि हालांकि, उत्तर-पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों के साथ-साथ मध्य भारत के कुछ हिस्सों, प्रायद्वीपीय भारत के सटे क्षेत्रों और पूर्वोत्तर भारत के दक्षिणी हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहने का पूर्वानुमान है। आईएमडी ने यह भी कहा कि मई में पूरे भारत में सामान्य से अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान है, हालांकि पूर्वी, पूर्वोत्तर और पूर्वी-मध्य भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा हो सकती है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के बारे में महापात्र ने कहा, मानसून 14-16 मई के आसपास अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह पहुंच सकता है।

आईएमडी के अनुसार, वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में अल नीनो दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ)-तटस्थ स्थितियां अल नीनो की स्थितियों की ओर विकसित हो रही हैं- जो मध्य प्रशांत महासागर में पानी के आवधिक तापन की स्थिति है। इसने कहा कि मानसून मिशन युग्मित पूर्वानुमान प्रणाली के नवीनतम पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि दक्षिण-पश्चिमी मानसून के मौसम के दौरान अल नीनो की स्थिति विकसित हो सकती है। मौसम विभाग ने कहा कि अप्रैल के दौरान देश सात पश्चिमी विक्षोभों से प्रभावित हुआ था।

दिल्ली में दर्ज किया गया सामान्य से कम तापमान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को अधिकत तापमान में गिरावट देखी गई और यह 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.9 डिग्री कम है। दिल्लीवासियों को यह राहत बृहस्पतिवार को शहर में हुई बारिश और ओलावृष्टि के बाद मिली है। मौसम विभाग ने आंशिक रूप से बादल छाए रहने का पूर्वानुमान लगाया था, और देर रात मेघगर्जन के साथ बूंदा-बांदी की भविष्यवाणी की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सफदरजंग स्थित शहर के मुख्य मौसम केंद्र में अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.9 डिग्री कम है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाम को 119 दर्ज किया गया, जो ''मध्यम'' श्रेणी में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर ऐप के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के 29 निगरानी केंद्र में एक्यूआई मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया जबकि जबकि 14 केंद्र पर एक्यूआई संतोषजनक रहा। एक केंद्र पर बहुत खराब दर्ज किया गया।

त्रिपुरा के नाम है 93.61 प्रतिशत वोटिंग का रिकॉर्ड

नई दिल्ली,एजेंसी। हाल में हुए विधानसभा चुनावों में भारी मतदान के बावजूद, यह 2013 के त्रिपुरा चुनाव में दर्ज 93 प्रतिशत से अधिक मतदान के रिकॉर्ड से ऊपर नहीं जा सका। निर्वाचन आयोग के आकड़ों से यह स्पष्ट होता है। त्रिपुरा, नगालैंड और मणिपुर में विधानसभा चुनावों में वर्षों से 90 प्रतिशत और इससे अधिक मतदान होता आ रहा है। अप्रैल में हुए विधानसभा चुनाव में 92.67 प्रतिशत मतदान के साथ पश्चिम बंगाल ने नगालैंड और मणिपुर को पीछे छोड़ दिया, जो स्वतंत्रता के बाद से राज्य का सबसे अधिक मतदान है। बंगाल में इससे पहले 84.72 प्रतिशत मतदान 2013 में दर्ज किया गया था।

दिल्ली सरकार के खजाने से 37.2 करोड़ की हेराफेरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसीबी ने कोचिंग संस्थानों के नौ संचालकों को किया गिरफ्तार

भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने दिल्ली सरकार की एक योजना से जुड़े 37.20 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के सिलसिले में कोचिंग संस्थानों के नौ मालिकों, निदेशकों और सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह मामला 2025 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सूचीबद्ध किए गए कोचिंग संस्थानों ने 2018-19 में जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना के तहत सरकारी खजाने निधि प्राप्त करने के लिए व्यापक स्तर पर अनियमितता की। एसीबी के अनुसार, यह योजना 2017 में अनुसूचित जाति (एससी) श्रेणी के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी, जिसकी प्रारंभिक अधिसूचना 9 जनवरी 2018 को जारी की गई थी। प्रथम चरण में आठ संस्थानों को सूचीबद्ध किया गया था, जिनमें लगभग 5,000 छात्र नामांकित थे।

अमृत विचार
शनिवार, 2 मई 2026

जहाज अपने बंदरगाह में सबसे सुरक्षित रहता है, लेकिन जहाजों का निर्माण बंदरगाह के लिए नहीं किया गया है।
–पाउलो कोएल्हो, ब्राजीलियन लेखक

मुश्किल में महाबली

महाबली मुश्किल में हैं। ट्रंप की कठिनाइयां बढ़ती जा रही हैं। पुतिन द्वारा ट्रंप को ईरान पर दोबारा हमला न करने की चेतावनी और ईरान का परमाणु कार्यक्रम पर समझौता न करने के एलान तथा अमेरिका मुक्त भविष्य के आह्वान ने ट्रंप तथा अमेरिकी नीति-निर्माताओं के लिए दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। ट्रंप को एक ओर घरेलू राजनीति में कठोर नेता की छवि बनाए रखनी है, वहीं दूसरी ओर खाड़ी क्षेत्र में फैले अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। यदि अमेरिका आक्रामक कार्रवाई करता है, तो क्षेत्रीय युद्ध का खतरा बढ़ेगा और यदि संयम दिखाता है, तो उसकी वैश्विक साख पर प्रश्न उठेंगे।

पश्चिम एशिया में अमेरिका, रूस और ईरान के बीच उभरता त्रिकोणीय तनाव केवल क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन का प्रश्न नहीं, बल्कि वैश्विक रणनीतिक समीकरणों की नई जटिलता का संकेत है। अमेरिका के खाड़ी देशों में कतर, बहरीन और यूएई में सैन्य अड्डे उसकी शक्ति-प्रदर्शन की रीढ़ हैं। इनकी सुरक्षा पर संदेह का मतलब उसके लिए केवल सैन्य चुनौती नहीं, बल्कि कूटनीतिक प्रतिष्ठा का भी प्रश्न बन जाता है। हालिया घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया कि अमेरिका उन्हें पूर्ण सुरक्षा की गारंटी देने की स्थिति में नहीं है, जिससे ट्रंप की छवि पर बुरा असर पड़ा है। ट्रंप के लिए बड़ी चुनौती अमेरिकी कांग्रेस की स्वीकृति के बिना युद्ध जैसी कार्रवाई जारी रखना है। यह संवैधानिक बाध्यता है, जिसे दरकिनार करना आसान नहीं, इसलिए वे सीमित सैन्य कदमों या कार्यकारी अधिकारों का सहारा लेकर संतुलन बनाने की कोशिश कर सकते हैं। ट्रंप खाड़ी से तो नहीं निकलेंगे, क्योंकि इस वापसी से चीन और रूस के लिए प्रभाव बढ़ाने का अवसर खुल जाएगा, पर इस दुविधा से बाहर निकलने के लिए ट्रंप के पास तीन विकल्प हैं— पहला, सीमित सैन्य कार्रवाई कर दबाव बनाना; दूसरा, कूटनीतिक वार्ता के जरिए तनाव कम करना; और तीसरा, रणनीतिक 'डि-एस्केलेशन' यानी धीरे-धीरे क्षेत्रीय संलिप्तता कम करना। फिलहाल यदि रूस ईरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार को सुरक्षित रखने का 'तीसरा पक्ष' बनता है, तो यह एक नई कूटनीतिक व्यवस्था की शुरुआत हो सकती है, लेकिन इसके बदले यूक्रेन युद्ध समाप्त करने जैसी अमेरिकी शर्तें यथार्थवादी नहीं हैं। पुतिन अमेरिकी दबाव में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता नहीं खोएंगे।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती 'जुबानी जंग' दरअसल मनोवैज्ञानिक दबाव की रणनीति है। ईरान 'अमेरिका-मुक्त भविष्य' की बात कर अपनी जनता और क्षेत्रीय सहयोगियों को संदेश दे रहा है, जबकि अमेरिका आक्रामक बयान देकर अपने सहयोगियों को आश्वस्त करना चाहता है। जहां तक आशंकित युद्ध या स्थाई युद्धविराम का प्रश्न है, वर्तमान संकेत 'नियंत्रित तनाव' की ओर इशारा करते हैं। गंभीर आर्थिक और राजनीतिक परिणाम देखते हुए अमेरिका और इजराइल दोनों व्यापक युद्ध के हामी नहीं हैं। बयानबाजी के बावजूद अस्थायी युद्धविराम जारी रहने की संभावना अधिक है। पश्चिम एशिया में वर्तमान स्थिति 'न तो युद्ध, न पूर्ण शांति' की है। ट्रंप की रणनीति अब केवल शक्ति-प्रदर्शन नहीं, बल्कि संतुलन साधने की कला पर निर्भर करेगी।

प्रसंगवश

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा भारत पांचवें स्थान पर

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोतरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें, तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध (रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल-हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है। ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में सैन्य खर्च में बढ़ोतरी कर रहे हैं। सरल शब्दों में कहें, तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है।

सुनील कुमार महला
लेखक

नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है, जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में बढ़ोतरी की है। वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोतरी को जन्म दिया है।

सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है, लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है।

इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आईं हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9% बढ़ा और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर तक पहुंच गया। बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और जर्मनी का सैन्य खर्च क्रमशः 954, 864, 336, 190 तथा 114 अरब डॉलर हो गया है। इससे वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर भार में बढ़ोतरी हुई है। दुनियाभर में सैन्य खर्च के चलते वैश्विक जीडीपी पर भार 2024 में 2.4% था, जो 2025 में बढ़कर 2.5% हो गया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वास्थ्य सेवाओं पर दावे व हाईकोर्ट की नाराजगी

विवेक सक्सेना
अयोध्या

इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को 'राम भरोसे' बताया जाना महज एक टिप्पणी नहीं, बल्कि राज्य के स्वास्थ्य ढांचे की जर्जर स्थिति का एक आईना है। मेरठ मेडिकल कॉलेज में एक मरीज के शव के साथ लापरवाही के मामले में न्यायालय की यह तल्ख टिप्पणी (2021) और हाल ही में वेंटिलेटर की उपलब्धता पर सवाल (2026) उठाती है। यह दर्शाते हैं कि समय बदलने के बावजूद जमीनी हकीकत में खास सुधार नहीं हुआ है। यह टिप्पणी राज्य सरकार के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि स्वास्थ्य सेवा, जो नागरिकों का मौलिक अधिकार है, वह नौकरशाही की ढिलाई और संसाधनों के अभाव में दम तोड़ रही है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने अस्पतालों में वेंटिलेटर की उपलब्धता और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर हाल ही में जो तल्ख टिप्पणी की है, वह न केवल समयोचित है, बल्कि सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से उजागर करती है। अस्पतालों में वेंटिलेटर की कमी पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि मरीजों को समय पर महत्वपूर्ण देखभाल उपकरण उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं, तो सांख्यिकीय दावों का कोई महत्व नहीं रह जाता है।

एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति राजन रॉय और मनजीव शुक्ला की खंडपीठ ने सवाल उठाया कि क्या कोई अस्पताल हलफनामे में यह कह सकता है कि आवश्यकता पड़ने पर वेंटिलेटर तुरंत उपलब्ध कराया जाएगा। अदालत ने टिप्पणी की कि यदि ऐसा आश्वासन नहीं दिया जा सकता है, तो वेंटिलेटर की उपलब्धता पर प्रस्तुत आंकड़े अर्थहीन हो जाते हैं। खंडपीठ का यह सवाल कि 'अगर जरूरत पड़ने पर मरीजों को वेंटिलेटर नहीं मिल सकता, तो आंकड़ों का क्या फायदा?' सीधे तौर पर स्वास्थ्य प्रशासन की जवाबदेही पर सवाल उठाता है।

> हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अस्पतालों में वेंटिलेटर की उपलब्धता और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर हाल ही में तल्ख टिप्पणी की है। वह सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से उजागर करती है।

अदालत ने साफ किया है कि वेंटिलेटर की संख्या के कागज पर मौजूद आंकड़े तब तक अर्थहीन हैं, जब तक कि वे जीवन के नाजुक क्षण में मरीज तक तुरंत न पहुंच सकें। जब वेंटिलेटर की कमी के कारण मौतें होती हैं, तो प्रशासनिक हलफनामे केवल खानापूरी बनकर रह जाते हैं। न्यायालय का यह कहना कि 'वास्तविक मांग का आकलन करने और जीवन रक्षक उपचार के लिए आवश्यक वेंटिलेटरों की संख्या निर्धारित करने के लिए एक तंत्र का स्पष्ट अभाव है', भी स्वास्थ्य प्रणाली की अक्षमता को दर्शाता है।

अदालत ने राज्य सरकार से स्वास्थ्य के लिए आवंटित बजट और चिकित्सा बुनियादी ढांचे पर सवाल उठाकर एक बड़ा मुद्दा उठाया है। यह केवल वेंटिलेटर खरीदने भर का मामला नहीं है, बल्कि उन्हें संचालित करने के लिए आवश्यक जनशक्ति (डॉक्टर, तकनीशियन) और बुनियादी ढांचा (ऑक्सीजन, बिजली) सुनिश्चित करने का भी है। अक्सर देखा जाता है कि वेंटिलेटर तो उपलब्ध होते हैं, लेकिन या तो वे खराब होते हैं या उन्हें चलाने के लिए विशेषज्ञ नहीं होते। पीठ का इस बात पर जोर देना कि वेंटिलेटर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, ताकि उनकी कमी के कारण किसी की जान न जाए, यह दर्शाता कि देश-प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं में व्यापक सुधार की आवश्यकता है।

कोर्ट ने अपने समक्ष रखे गए आंकड़ों पर भी असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वास्तविक मांग का आकलन करने और जीवन रक्षक उपचार के लिए आवश्यक वेंटिलेटरों की संख्या निर्धारित करने के लिए एक तंत्र का स्पष्ट अभाव है। अदालत ने राज्य सरकार से स्वास्थ्य सेवा के लिए आवंटित राज्य बजट के अनुपात को स्पष्ट करने और चिकित्सा अवसंरचना की स्थिति के संबंध में विवरण तो मांगा ही है। साथ ही राज्य को अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानदंडों को पूरा करने से संतुष्ट न रहने का निर्देश भी दिया है, जैसे कि अस्पताल के बिस्तरों के 10-15 प्रतिशत के बराबर वेंटिलेटर बनाए रखना।

यही नहीं न्यायालय ने निजी अस्पतालों की फीस और उनकी सेवाओं की निगरानी के लिए विनियामक ढांचे के अभाव पर भी चिंता जताई है। स्पष्ट कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी अस्पताल मरीजों के जीवन को दांव पर न लगाए। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि वेंटिलेटर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि इनकी कमी के कारण किसी की जान न जाए। अदालत ने अपने सामने पेश किए गए आंकड़ों पर असंतोष व्यक्त किया। राज्य सरकार से पूछा कि स्वास्थ्य सेवा के लिए राज्य के बजट का कितना हिस्सा आवंटित किया गया है और चिकित्सा ढांचे की मौजूदा स्थिति के बारे में पूरी जानकारी देने को कहा।

अदालत ने राज्य सरकार को अपने नजरिए पर फिर से विचार करने की नसीहत देते हुए यह भी कहा कि सरकार को सिर्फ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानकों को पूरा करके ही संतुष्ट नहीं हो जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान, पीठ ने राज्य सरकार से यह भी जानकारी मांगी कि क्या निजी अस्पतालों और क्लिनिकों को नियंत्रित करने के लिए कोई नियामक ढांचा मौजूद है? विशेष रूप से उपचार और सेवाओं की निगरानी के लिए ली जाने वाली फीस के संबंध में। सरकारी डॉक्टरों के कम वेतन पर भी चिंता जताई गई, कहा कि इससे डॉक्टर निजी अस्पतालों की ओर पलायन करते हैं, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ता है।

कोर्ट ने राष्ट्रीय नगर निगम (एनएमसी) और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर मामले में पक्षकार बनाया है। मामले की अगली सुनवाई 25 मई को होगी, लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट की यह टिप्पणी एक चेतावनी है कि स्वास्थ्य सेवा एक संवैधानिक अधिकार है।

आमने सामने

बोरे बासी छत्तीसगढ़ के किसान–मजदूर वर्ग का मुख्य भोजन है, जिसे उनकी सरकार ने बोरे बासी दिवस के रूप में पहचान दिलाई। सुशासन के नाम पर छत्तीसगढ़ सरकार क्या कर रही है? शराब भट्टी खोल रही है। बिजली नहीं मिली रही है। सभी सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार हो रहा है।
–भूपेश बघेल
पूर्व मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

कांग्रेस सरकार ने बोरे बासी के नाम पर दिखावा करते हुए करोड़ों रुपये का घोटाला किया। पहले संसाधनों की कमी के कारण लोग मजबूरी में रात का बचा चावल खाते थे, इसे जबरन परंपरा के रूप में पेश किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्रों की राशि पांच साल तक रोकी गई।
–गजेंद्र यादव
कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़

नेपाल: बालेन सरकार और जनता के सरोकार

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

इसमें दो राय नहीं कि बालेन सरकार नेपाल को नया बनाने की दिशा में बहुत कुछ नया करना चाह रही है, लेकिन इसमें दुश्वारियां ढेर सारी है। बेशक उनके इस प्रयास की सराहना तो हो रही है, लेकिन एक बड़ा वर्ग नाराज भी हो रहा है। प्रतिनिधि सभा के चुनाव में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को एक तरफ़ जीत मिली है, जिसमें पहाड़ से लेकर मैदानी इलाकों तक का भरपूर जनसमर्थन रहा है। बालेन सरकार इसी पार्टी से प्रधानमंत्री का चेहरा थे। निश्चित रूप से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को मिले भारी जनादेश के पीछे बालेन शाह का चेहरा ही था।

उनके नेतृत्व में सरकार गठन के अभी महीना भर ही हुए हैं, इस बीच जनता से जुड़े मुद्दों के समाधान में तेजी तो आई है, लेकिन जनता से ही जुड़े दिनचर्या में बाधा भी आई है। इसमें एक तो भारत नेपाल सीमा के नेपाली नागरिकों के सीमावर्ती भारतीय बाजारों से रोजमर्रा के सामानों की खरीदारी को नितांत सीमित कर देना है। इससे भारत सीमा से सटे नेपाली नागरिकों के समक्ष संकट खड़ा हो गया है। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों के गरीब और मध्यम वर्गीय लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ है, हालांकि नेपाल उच्च न्यायालय ने दायर एक याचिका का संज्ञान लेते हुए इस पर सरकार से जवाब मांगा है।

जनता से ही जुड़ा इससे भी बड़ा मामला अतिक्रमण के नाम पर मकानों के ध्वस्तीकरण का है। काठमांडू सहित नेपाल के विभिन्न हिस्सों में चौड़ीकरण के नाम पर अवैध मकानों और बस्तियों को बुलडोजर से ढहाया जा रहा है। नेपाली कांग्रेस ने कहा है कि जेन जी के हिंसक और उग्र आंदोलन के समय राजधानी में कई सारी सरकारी इमारतें, होटल और व्यवसायिक प्रतिष्ठान आग के हवाले हुए थे, बालेन सरकार जरा भी संवेदनशील होती, तो पहले छतिग्रस्त इमारतों के निर्माण पर ध्यान देती, लेकिन यहां तो अजीब हाल है, निर्माण को दरकिनार कर विध्वंस को प्राथमिकता दी जा रही है।

> नेपाल में जनता से जुड़े मुद्दों के समाधान में तेजी तो आई है, लेकिन जनता से ही जुड़े कई अहम सरोकारों में बाधा भी आई है। इससे लोग परेशान हैं।

काठमांडू के मनोहरा क्षेत्र में भारी पुलिस बल और सेना की घेरेबंदी में सुकुंबासी बस्ती पर सरकारी बुलडोज़र चलाया गया। इस घटना से पूरे इलाके में तनाव का माहौल है, वहीं स्थानीय लोगों के विरोध और प्रशासन की सख्ती के बीच हालात बेहद संवेदनशील बने रहे। राजधानी और इसके पहले वीरगंज और कुछ अन्य इलाकों में तोड़फोड़ की घटना को बेहद तकलीफदेह बताते हुए नेपाली कांग्रेस के सांसद अभिषेक प्रताप शाह ने बालेन सरकार पर निशाना साधा है।

नेपाल में अतिक्रमणकारियों को सुकंबासी कहा जाता है। इसका अर्थ भू स्वामित्व के बिना संपत्ति पर कब्जा करना होता है। नेपाल में ऐसे लोगों की संख्या करीब तीस लाख से अधिक है, लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि जो लोग पीढ़ियों से वैध कागजात के साथ अपने मकान में रह रहे हैं, उनके मकानों को भी 12 घंटे की मोहलत देकर ध्वस्त कर दिया जा रहा है। बालेन सरकार का शहर के बीचोबीच 50 मीटर चौड़ा राजमार्ग निकालने का निर्णय समझ से परे है। अमूमन ऐसे राजमार्ग शहर के बाहरी हिस्से से निकाले जाते हैं। बालेन सरकार के इस फैसले से काठमांडू ही नहीं, नेपाल के लगभग सभी प्रमुख शहरों के प्रभावित होने का खतरा है।

प्रधानमंत्री शाह, जो पहले काठमांडू महानगर के मेयर रह चुके हैं, लंबे समय से शहर के भीतर फैली अवैध बस्तियों को हटाने के पक्ष में रहे हैं। मेयर रहते हुए उन्होंने काठमांडू क्षेत्र के थापाथली क्षेत्र में कई बार अवैध बस्ती हटाने की कोशिश की थी, लेकिन स्थानीय लोगों के कड़े विरोध के कारण उन्हें सफलता नहीं मिल सकी थी। अब प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह ने वही अभियान और अधिक सख्ती के साथ आगे बढ़ाया है। अब चूंकि गृह मंत्रालय भी उनके हाथ में है, इसलिए प्रशासनिक निर्णयों में तेजी आई है।

गृह मंत्रालय की कमान संभालते ही प्रधानमंत्री ने काठमांडू के सुकुंबासी बस्तियों पर बुलडोज़र चलाने का बड़ा फैसला लिया। यह अभियान थापाथली और गैरीधारा में बिना किसी बड़े अवरोध के आगे बढ़ा, लेकिन मनोहरा में लोगों का तीखा विरोध देखने को मिला। यह अभियान अब देशभर में फैल सकता है। नुवाकोट में भी इसी तरह की कार्रवाई शुरू हो चुकी है, जबकि पोखरा में भी बुलडोज़र चलाने की तैयारी की खबरें सामने आ रही है। सरकार के इस कदम को जहां शहरी विकास और कानून व्यवस्था की दिशा में बड़ा निर्णय माना जा रहा है, वहीं प्रभावित लोगों के पुनर्वास पर सवाल उठने लगे हैं।

अभियान में जाने-अनजाने भारतीय मूल के लोगों को ज्यादा नुक्सान उठाना पड़ रहा है। जेन जी आंदोलन में नेताओं से अधिक वहां के व्यापारियों को निशाना बनाया गया था। काठमांडू के नवनिर्मित मारवाड़ी परिषद के विशाल भवन को आग के हवाले कर दिया गया था। नेपाल में मारवाड़ी समुदाय का इतिहास बहुत पुराना है। इन्हें राजाओं ने व्यापार बढ़ाने के लिए राजस्थान से आमंत्रित किया था।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

राजीव और अमिताभ

राजीव गांधी और अमिताभ बच्चन की पहली मुलाकात अमिताभ के बर्थडे पर हुई थी। उस समय अमिताभ चार वर्ष के थे, जबकि राजीव दो वर्ष के। इंदिरा गांधी नन्हें राजीव को अपनी गोद में लिए अमिताभ के चौथे बर्थडे पर अमिताभ के घर पहुंची थीं। बचपन की इस पहली मुलाकात के बाद मुलाकातों का सिलसिला राजीव की अंतिम सांस तक चला। इन दोनों बच्चों के जन्म से पहले ही बच्चन और गांधी परिवार में प्रगाढ़ मित्रता जन्म ले चुकी थी। नेहरू-हरिवंशराय बच्चन के बीच मित्रता थी, तो दूसरी तरफ इंदिरा-तेजी के बीच में। एक तरफ राजीव और अमिताभ के बीच अच्छी बनती थी, ठीक वैसी ही संजय गांधी और अजिताभ बच्चन के बीच गहरी मित्रता थी। किशोरावस्था में दोनों बच्चन भाई नैनिताल के शेरवुड स्कूल में पढ़ने चले गए, तो गांधी बंधु देहरादून के दून स्कूल में पहुंच गए।

रुचि दुबे
ब्लॉगर

एक बार कवि हरिवंशराय बच्चन विदेश से एक ट्रांजिस्टर-कम-टेपरिकॉर्डर लाए थे, लेकिन कुछ ही दिनों बाद अमिताभ ने उसकी जांच के लिए उसके एक-एक पुर्जे खोल दिए। काफी मशक्कत के बाद भी जब ट्रांजिस्टर फिट नहीं हुआ, तो उसके सारे पुर्जे एक थैले में भरकर सीधे गांधी निवास 'तीन मूर्ति भवन' की ओर दौड़ पड़े। राजीव गांधी स्क्रू ड्राईवर लेकर बैठ गए। पूरी एकाग्रता और धर्य के साथ ट्रांजिस्टर के हर एक विभाग का निरीक्षण किया और एक के बाद एक सारे पुर्जे जोड़कर ट्रांजिस्टर को चालू कर दिया।

राजीव गांधी अब 'पायलट' बन चुके थे और अमिताभ 'अभिनेता', लेकिन अब भी अटूट दोस्ती के कीच कोई दूरी नहीं आई। कई बार तो अमिताभ ने उस फ्लाइट से सफर किया, जिसे राजीव गांधी उड़ा रहे थे। राजीव गांधी तो अमिताभ से मिलने के लिए इतने आतुर रहा करते थे कि अक्सर वे अमिताभ को फ्लाइट की जानकारी भी दे दिया करते थे कि फलां-फलां दिन इस शहर में इस फ्लाइट में मैं पायलट रहूंगा, अगर तुम्हें कहीं आना-जाना हो इसी फ्लाइट से सफर करना।

अमिताभ को हमेशा इस बात का आश्चर्य होता कि जब भी फ्लाइट में राजीव गांधी कोई अनाउंसमेंट करते थे, तो कभी भी अपना सरनेम नहीं बोला करते थे.. सिर्फ इतना ही कहते 'आई कैप्टन राजीव'..! राजीव गांधी की सादगी और सरलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कभी भी अपना परिचय देते समय वे किसी से यह नहीं कहते थे कि मैं भारत की प्रधानमंत्री का बेटा हूं।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

अधूरी सुविधा से पूरे पोषण की उम्मीद बेमानी

गांवों में जब किसी घर में बच्चे का जन्म होता है, या कोई महिला गर्भवती होती है, तो सबसे पहले जिस सरकारी व्यवस्था का नाम सामने आता है, वह है आंगनबाड़ी केंद्र। यह केंद्र केवल ग्रामीण समाज के लिए पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य का पहला दरवाज़ा माना जाता है। वर्षों पहले जब समेकित बाल विकास सेवा योजना की शुरुआत हुई थी, तब इसका उद्देश्य स्पष्ट था, गांव के छोटे बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं को कुपोषण से बचाना और उन्हें स्वस्थ जीवन की दिशा देना। इनके माध्यम से बच्चों को पूरक पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा और गर्भवती महिलाओं को पोषण संबंधी सलाह जैसी सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों में कुपोषण को कम करने, स्कूल छोड़ने की दर घटाने और माताओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने जैसे कई महत्वपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किए गए थे। कई क्षेत्रों में इन प्रयासों का सकारात्मक असर भी देखने को मिला है। स्वास्थ्य विभाग और विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, जहां आंगनबाड़ी सेवाएं नियमित रूप से मिल रही हैं, वहां बच्चों का वजन और ऊंचाई पहले की तुलना में बेहतर हुई है और गर्भवती महिलाओं में एनीमिया जैसी समस्याओं में भी कमी दर्ज की गई है, लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी कम चिंताजनक नहीं है।

गुड्डी कुमारी
एक्टिविस्ट

कई गांवों में लोग यह शिकायत करते हैं कि उन्हें आंगनबाड़ी से मिलने वाली सभी सुविधाएं समय पर नहीं मिलतीं। कुछ जगहों पर पोषण सामग्री का वितरण अनियमित है, तो कहीं बच्चों के लिए शिक्षा सामग्री या खेल सामग्री का अभाव देखा जाता है। जब ग्रामीण इस समस्या की शिकायत संबंधित अधिकारियों से करते हैं, तब भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। इससे लोगों का भरोसा इस व्यवस्था पर धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जाता है।

यह भी एक सच्चाई है कि सभी आंगनबाड़ी केंद्र एक जैसे नहीं हैं। कुछ केंद्र ऐसे हैं, जहां बच्चों के लिए रंग-बिरंगे चार्ट, खिलौने, साफ-सुथरा वातावरण और नियमित भोजन की व्यवस्था होती है। इन केंद्रों में आने वाले बच्चे न केवल स्वस्थ दिखते हैं, बल्कि उनमें सीखने की उत्सुकता भी साफ नजर आती है। वहां की गर्भवती महिलाओं को समय-समय पर पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी दी जाती है, जिससे उनके और उनके बच्चों के स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव दिखाई देता है। ऐसे केंद्र इस बात का प्रमाण हैं कि यदि योजनाओं को सही ढंग से लागू किया जाए, तो बदलाव संभव है।

पहले के समय में बच्चों का कुपोषण आम बात थी। कई बच्चे कमजोर पैदा होते थे और छोटी उम्र में ही बीमारियों का शिकार हो जाते थे, लेकिन आंगनबाड़ी केंद्रों की शुरुआत के बाद धीरे-धीरे स्थिति में सुधार देखने को मिला। अब कई गांवों में बच्चों का नियमित वजन मापा जाता है, टीकाकरण समय पर होता है और गर्भवती महिलाओं को आयरन और कैल्शियम की गोलियां भी दी जाती हैं। इन सुविधाओं ने ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था में काफी बेहतर किया है। फिर भी, यह सुधार हर गांव तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है। इसका एक बड़ा कारण निगरानी व्यवस्था की कमजोरी और संसाधनों का असमान वितरण माना जाता है। कई बार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर काम का बोझ इतना अधिक होता है कि वे सभी जिम्मेदारियों को समय पर पूरा नहीं कर पातीं। दूसरी ओर, कुछ जगहों पर भ्रष्टाचार और लापरवाही भी इस व्यवस्था को कमजोर बना रही है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

जब भी 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम की चर्चा होती है, हमारे मन में कुछ तयशुदा नाम उभरते हैं, जैसे रानी लक्ष्मीबाई, मंगल पांडेय, नाना साहब पेशवा आदि। इतिहास की किताबों ने इन्हें बड़े और उभरे अक्षरों में लिखा है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर कथा को कुछ चेहरे चाहिए होते हैं, लेकिन कभी-कभी यही चेहरे इतने बड़े हो जाते हैं कि बाकी कहानी पीछे छूट जाती है। सवाल यह नहीं कि इनका महत्व कम है, बल्कि यह कि क्या कोई क्रांति सचमुच तीन-चार नामों से पूरी हो जाती है?

भगवंत अनमोल
वरिष्ठ साहित्यकार

बावनी इमली : वह पेड़ जिस पर क्रांतिकारियों को दी गई थी फांसी

कानपुर के आसपास के लोग अब अजीमुल्लाह खान, तात्या टोपे या अजीजन बाई जैसे नाम भी जानने लगे हैं, लेकिन अगर आप कानपुर से कुछ ही दूरी पर बसे फतेहपुर की ओर मुड़ें, तो कहानी अचानक धीमी हो जाती है। यहां इतिहास किताबों से ज्यादा लोगों की यादों में बसा है। फतेहपुर जिले में बिंदकी तहसील में एक जगह है- बावनी इमली। नाम सुनकर यह कोई साधारण-सा पेड़ लगता है, लेकिन 28 अप्रैल आते ही यह जगह एक तारीख से जुड़ जाती है और तारीख एक कहानी से।

1857 की हलचल में फतेहपुर भी चुप नहीं बैठा था, चुप नहीं बैठा था कहना सही नहीं होगा, बल्कि बढ़चढ़कर हिस्सा लिया था। खागा गढ़ी के ताल्लुकेदार ठाकुर दरियाव सिंह के नेतृत्व में इन क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों को मार खदेड़ा था। कहा जाता है कि यह इलाका करीब 34 दिनों तक अंग्रेजों की हुकूमत से मुक्त रहा। यह 'मुक्ति' कितनी संगठित थी, इस पर बहस हो सकती है, लेकिन इतना तय है कि यहां के वीर सिर्फ दर्शक नहीं थे, इस मिट्टी में भी उतनी ही क्रांति और आग थी, जितनी अन्य स्थानों पर। गंगा-यमुना के दोआब पर बसे इस जिले ने कई वीर दिए, जिनमें ठाकुर दरियाव सिंह, उनके पुत्र सुजान सिंह, भाई निर्मल सिंह, डिप्टी कलेक्टर हिकमत उल्लाह खान, बाबा गयादीन दुबे, ठाकुर शिवदयाल सिंह और ठाकुर जोधा सिंह अटैय्या जैसे नाम उस समय की स्थानीय धड़कन थे, जिन्हें आज भी फतेहपुर के बाहर कम ही लोग जानते हैं।

जोधा सिंह अटैय्या की कथा तो किसी लोकगाथा जैसी लगती है- लगान देने से इंकार करना, गुरिल्ला युद्ध, तहसीलों और कोषागारों पर हमले, अंग्रेजी सत्ता को लगातार चुनौती और फिर जंगल में घुस जाना। जब मेरठ, कानपुर और झांसी की क्रांति की ज्वाला मंद पड़ गई थी, तो फतेहपुर के इन वीरों की क्रांति अंग्रेजों को हतोत्साहित किए हुए थी। जोधा सिंह अपने साथियों के साथ ऐसे निकलते और ऐसा छुपते थे, जैसे गुफा में छुपा शेर अपना शिकार देखते ही शिकार कर लेता और फिर गुफा में चला जाता। अंग्रेजों की इतनी बुरी हालत हो गई थी कि उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि इस वीर से युद्ध कैसे किया जाए।

कभी-कभी ही उनके क्रांतिकारी दिखते और जब दिखते तो इतने संगठित तरीके से कि अंग्रेजों के पास मौका ही न बचता उनके वार से बचने के लिए और फिर गायब, सुदूर अपनी गुफा में। अंग्रेजों ने उन्हें 'डाकू' कहा, जो इतिहास में असहमति को छोटा करने का पुराना तरीका रहा है। आखिरकार भीतर से मिली एक सूचना ने उन्हें पकड़वा दिया। इसके बाद 28 अप्रैल 1858 का दिन आया, जब खजुहा में एक इमली के पेड़ के नीचे कर्नल क्रिस्टाइल द्वारा जोधा सिंह सहित 52 क्रांतिकारियों को फांसी दे दी गई।

जोधा सिंह अटैय्या वही क्रांतिकारी थे, जिन्होंने कर्नल नील, मेजर-जनरल हैवलॉक और रेनाल्ड जैसे क्रूर अंग्रेज अफसरों को चकमा दे दिया था और कर्नल पॉवेल का सर धड़ से अलग करके उनके छावनी भेज दिया था। कहानी यहीं खत्म नहीं होती। स्थानीय लोगों की मानें तो अंग्रेजों ने शवों को ले जाने की अनुमति नहीं दी और लंबे समय तक उस स्थान पर पहरा रहा। 37 दिनों तक वह शव उसी पेड़ पर लटकते रहे और अपने क्रांतिकारी होने की सजा भुगतते रहे। जब शव सड़ने लगे, तो अंग्रेजों को जबरन उस इमली के पेड़ के पास से अपनी फौज हटानी पड़ी। फिर ठाकुर भगवान दास ने 4 अप्रैल 1858 को इन अमर सपूतों का अंतिम संस्कार किया। समय बीतता गया और वह स्थान धीरे-धीरे एक स्मृति में बदलता गया। आज भी वहां इमली का पेड़ खड़ा है, जस का तस, शायद पहले से अधिक शांत, जितना उनका इतिहास हो गया है।

इतिहास का अपना एक स्वभाव होता है, वह याद रखने के मामले में बहुत निर्दयी है, जिनके पास अपने समय के लेखक, कवि और इतिहासकार होते हैं, वे बड़े अक्षरों में दर्ज हो जाते हैं, बाकी लोग जगहों, पेड़ों और किस्सों में छूट जाते हैं। यही कारण है कि दिल्ली की एक छोटी घटना पूरे देश में फैल जाती है और किसी सुदूर गांव की बड़ी घटना अपने इलाके तक सीमित रह जाती है। फतेहपुर के बिंदकी स्थित 'बावनी इमली' एक ऐसा ही स्मारक है, जहां एक पेड़ के नीचे खड़े होकर आप समझ सकते हैं कि आजादी की कहानी सिर्फ कुछ नामों की नहीं, बल्कि अनगिनत अनसुने लोगों की भी है। ऐसे वीरों को शत-शत नमन करते हैं, जिनके कारण हम आजादी की सांस ले रहे हैं। अगर आप अपने वजूद को पहचानना चाहते हैं, अपने देश की आजादी की लौ को महसूस करना चाहते हैं, तो एक बार बिंदकी स्थित बावनी इमली के दर्शन जरूर करें और क्रांतिवीरों को प्रणाम करें।

अखबारों के 'सेवक' और बाल मन के पारखी: डॉ. निरंकार देव

साहित्य की दुनिया में कुछ नाम ऐसे होते हैं, जो केवल कागजों पर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के चरित्र में जीवित रहते हैं। बरेली की साहित्यिक विरासत के ऐसे ही एक अनमोल रत्न थे डॉ. निरंकार देव सेवक, जिसने अभावों के बीच रहकर भी बाल साहित्य के माध्यम से बरेली का मान पूरे भारतवर्ष में बढ़ाया। यह कहानी है एक विद्रोही कवि के कोमल बाल साहित्यकार बनने की, एक समर्पित मित्र की और एक ऐसे साधक की जिसने अंत तक अपनी कलम का साथ नहीं छोड़ा। बरेली के इस बाल साहित्यकार की शख्सियत से रू-ब-रू करा रही है।

रतन सिंह गुर्जर की विशेष रिपोर्ट...

सादगी और सिद्धांतों का अनूठा संगम-डॉ. निरंकार देव सेवक का जीवन किसी खुली किताब की तरह था, जिसके हर पन्ने पर सादगी और अनुशासन की इबारत लिखी थी। बरेली के सैदपुरिया मोहल्ले में जन्मे सेवक जी के भीतर साहित्य के संस्कार अपने पिता मुंशी रामभरोसे लाल 'सेवक' से विरासत में मिले थे। पेशे से अग्रणी वकील होने के बावजूद उनका हृदय साहित्य के लिए धड़कता था। उनकी सादगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें खाने में कभी स्वाद की परवाह नहीं रही, उनके लिए भोजन केवल शरीर चलाने का साधन था।

बच्चन जी से आत्मीय रिश्ता- साहित्यिक गलियारों में सेवक जी और महाकवि हरिवंशराय बच्चन की मित्रता के किस्से आज भी मशहूर हैं। यह सेवक जी ही थे, जिन्होंने ज्ञान प्रकाश जौहरी के साथ मिलकर बरेली में बच्चन जी और तेजी सूरी की मुलाकात और फिर सगाई तय करवाई थी। बच्चन जी उन्हें 'भाई साहब' कहते थे और उन्होंने सेवक जी को करीब 250 पत्र लिखे। बच्चन जी का स्नेह इतना था कि वे अक्सर बरेली आकर बसने की इच्छा व्यक्त करते थे।

अखबारों का जुनून और समय की धारा-सेवक जी का दिन सुबह 5 बजे शुरू होता था और घर में 14 अखबारों का अंबार लगता था। जिला जेल के सामने वाले नाले के किनारे अखबार पढ़ते हुए टहलना उनका नियमित क्रम था। वे पढ़ने में इतने मशगूल हो जाते कि उन्हें आसपास की दुनिया का होश नहीं रहता था। यही एकाग्रता उनकी लेखनी में भी दिखती थी। विद्रोह से वैज्ञानिक चेतना तक सेवक जी ने अपने लेखन की शुरुआत 'चिंगारी' जैसे विद्रोही कविता संग्रह से की थी। उन्होंने अंग्रेजों की गुलामी के दौर में संतान न पैदा करने का कठिन संकल्प लिया था। हालांकि बाद में पारिवारिक दबाव में उन्होंने गृहस्थ जीवन को अपनाया। बाल साहित्य में उन्होंने एक नई चेतना फूंकी। उन्होंने पौराणिक कथाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लिखा। वे कहते थे कि धर्म और रूढ़ियां बच्चों के मानसिक विकास में बाधा नहीं बननी चाहिए। उनके 36 प्रकाशित संग्रह आज भी हिंदी साहित्य की अमूल्य थाती हैं।

पारिवारिक त्रासदी और सेवा की मिसाल

सेवक जी का अंतिम समय काफी कष्टपूर्ण रहा। आंखों की रोशनी चली जाने के कारण उन्हें अपनी थाली का खाना तक नहीं दिखता था, लेकिन उनकी पुत्रवधू पूनम सेवक ने एक बेटी का धर्म निभाते हुए अंत तक अपने हाथों से उन्हें भोजन कराया। साल 1994 में सेवक जी का निधन हुआ और उसके बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। 1999 में उनके पुत्र प्रदीप और पत्नी का देहांत हुआ और बाद में पोते पुनीत को भी नियति ने छीन लिया। आज सेवक जी का वह विशाल 2000 गज का बंगला भले ही वक्त की मार से छोटे से हिस्से में सिमट गया हो, लेकिन उनकी रचनाओं की गूंज आज भी हर उस बच्चे के मन में है, जिसने 'दूध जलेबी' या 'ईसप की गाथाएं' पढ़ी हैं। डॉ. निरंकार देव सेवक आज भी हमारे बीच अपनी कालजयी रचनाओं और अपनी बेबाक प्रगतिशील सोच के रूप में जीवित हैं।

जॉब का पहला दिन

कर्तव्य के साथ सेवा की शुरुआत

वर्ष 2018 का वह दिन आज भी मेरी स्मृतियों में ताजा है, जब मैंने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की जालौन जनपद स्थित कोच शाखा में एग्रीकल्चर एवं वित्त अधिकारी के रूप में अपने जीवन की नई शुरुआत की। वह मेरे जीवन का एक ऐसा मोड़ था, जहां उत्साह, जिज्ञासा और जिम्मेदारी- तीनों एक साथ मेरे मन में उमड़ रहे थे। सच कहूं तो उस दिन मुझे ऐसा लग रहा था मानो मैं किसी नई दुनिया में प्रवेश कर रहा हूं।

भानू प्रताप अवस्थी
प्रबंधक
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

सुबह जब मैं पहली बार औपचारिक रूप से कार्यालय पहुंचा, तो दिल की धड़कन कुछ तेज थी। नए सहकर्मी, नया माहौल और अनगिनत अपेक्षाएं- सब कुछ मेरे सामने था। शाखा प्रबंधक और अन्य कर्मचारियों ने मेरा आत्मीय स्वागत किया, जिससे मेरे भीतर का संकोच कुछ कम हुआ। धीरे-धीरे मैंने अपने कार्यक्षेत्र को समझना शुरू किया। फाइलों का ढेर, कंप्यूटर स्क्रीन पर खुली बैंकिंग प्रणाली और ग्राहकों की भीड़- यह सब मेरे लिए एक नया अनुभव था।

पहले ही दिन ग्राहकों से सीधे संवाद का अवसर मिला। कोई किसान अपनी फसल के लिए ऋण चाहता था, तो कोई व्यक्ति अपनी आर्थिक समस्या लेकर आया था। उनकी आंखों में उम्मीद और विश्वास साफ झलक रहा था। जब मैं उनकी समस्याएं सुनता और समाधान की दिशा में कदम बढ़ाता, तो मेरे भीतर एक अद्भुत संतोष का भाव उत्पन्न होता। मुझे ऐसा महसूस हो रहा था कि मैं केवल एक नौकरी नहीं कर रहा, बल्कि समाज की सेवा के अपने बचपन के सपने को साकार कर रहा हूं।

विशेष रूप से किसानों के साथ संवाद ने मेरे मन को गहराई से छुआ। उनकी मेहनत, संघर्ष और आशाओं को समझते हुए मैंने महसूस किया कि मेरी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। सही मार्गदर्शन और सहयोग से मैं उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता हूं। यह सोच मेरे भीतर एक नई ऊर्जा और समर्पण का संचार कर रही थी।

दिन के अंत तक, थकान जरूर थी, लेकिन उससे कहीं अधिक संतोष और आत्मविश्वास था। मैंने महसूस किया कि यह केवल शुरुआत है- एक ऐसे सफर की, जिसमें चुनौतियां भी होंगी और सीखने के अनगिनत अवसर भी। उस पहले दिन ने मुझे यह सिखा दिया कि सच्ची सफलता केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में है।

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो वह पहला दिन मेरे जीवन की सबसे प्रेरणादायक यादों में से एक बन चुका है। उसने मुझे न केवल एक जिम्मेदार अधिकारी बनाया, बल्कि एक संवेदनशील इंसान भी, जो समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझता है और उन्हें पूरी निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास करता है।

कुछ अलग

लेखकों का बाजार

आज के वक्त में जबकि सारी दुनिया ही एक बाजार बनती जा रही हो, तो फिर हमारे साहित्य की दुनिया ही भला कैसे इस बाजार 'भाव' से अछूती रह सकती है। यहां लेखकों के भाव स्थापित करने से लेकर उन्हें गिराने और उठाने तक का कार्य बड़ी ही संजीदगी के साथ किया जाता है। ये सभी क्रियाएं साहित्यिक उत्थान की आड़ में इतनी चतुराई से की जाती हैं कि दाएं हाथ को बाएं हाथ की खबर तक न लग पाए। यही उपलब्धि असली महानता है, जोकि सिर्फ लेखन भर से नहीं आती। पिछले जमाने के साहित्य और साहित्यकारों ने भले ही दुनिया को गूढ़ दर्शन दिया हो मगर आज के साहित्य और साहित्यकारों ने न सिर्फ बाजार दिया है, बल्कि लेखक बनाने की विधि से लेकर, किताबें बेचने-खरीदने के लाभप्रद हथकंडे, उन्नत किस्म की चौर्य प्रणाली आदि के अतिरिक्त, लेखकों के भी खरीद, फरोख्त तक का मार्ग प्रशस्त किया है। ये साहित्य का नवीन उन्नयन काल है।

अंशु प्रधान
लेखिका

इसी क्रम में पिछले दिनों एक किस्सा कुछ यूं हुआ कि हमारे प्रिय, आत्मीय और धुरंधर लेखक महाराज एक दिन लेखन मंडी के किनारे वाली दुकान पर लेखक तौलवा रहे थे कि वहां लफ्फाज कवि जी आ धमके, आते ही उन्होंने त्यौरियां चढ़ाते हुए लेखक महाराज को टोका, "अरे महाराज जी! कितने रुपये किलो लिए ,बहुत महंगे नहीं तौलवा लिए आपने!"

महाराज जी ने पूरी बत्तीसी चमकाते हुए कहा, "अजी साहब! क्या करें, किलो दो किलो लेखक घर में रखने पड़ते हैं। अब क्या महंगा और क्या सस्ता, जो ये लिखकर दे देते हैं उसी से लेखन की दाल-रोटी चलती रहती है साहब, वरना इतनी महंगाई में भला कौन खुद लिखके कुछ देता है। न इतना समय है किसी के पास और न इतना भेजा, जो पका-पकाया माल मिल जाता है उसी को थोड़ा और पकाकर बाजार में अपने नाम से ठेल देते हैं।"

लफ्फाज कवि तो ठहरे ही शब्दों के जादूगर सो वे पुनः महाराज जी से बोले, "अरे! इतनी महंगाई में कहां आप इन महंगे लेखकों के चक्कर में पड़े हैं। अरे मेरी मानों तो अबकी रविवार मेरे साथ साहित्य के चोर बाजार चलना। थोड़ी भीड़-भाड़ जरूर रहती है वहां मगर औने-पौने दामों पर ही चोखा माल मिल जाता है।" साहित्य के चोर बाजार की बात सुनते ही महाराज जी की आंखें फटी की फटी रह गईं और कान खड़े हो गए, वे हकलाते हुए बोले- "क्या सच में! क्या वहां सस्ते में बढ़िया लेखक मिल जाएंगे।" लफ्फाज कवि जी ने मुस्कुराते हुए कहा- "और नहीं तो क्या! अरे आप बढ़िया की बात करते हैं, चोर बाजार में एक से एक लेखक मिलेंगे और न सिर्फ बिकने वाले, बल्कि खरीदने वाले भी।" महाराज जी बोले- "वो कैसे"?

इस पर कवि जी ने बड़े गर्व से कहा- "अभी पिछले सप्ताह ही आधा किलो परसाई, दो किलो बच्चन और ढाई सौ ग्राम निराला तोल कर दिए हैं बाजार में, पुरस्कृत लेखकों को किसी से कहिएगा नहीं मैं कविताई करने के साथ-साथ ये काम भी कर लेता हूं। अब देखना! जब वे इन सबको पानी के साथ खुद के बनाए चून में गूंथ के जब मट्ठे पाग के बाजार में बेचेंगे, तो आप भी कहेंगे कि क्या स्वाद है। अजी मैं तो कहता हूं छोड़िए ये लेखक मंडी के कोने के बाजार को, सीधे चोर मंडी चलते हैं।"

महाराज जी ने आव देखा न ताव और लगे मूछों को ताव देने। बड़ी ऐठ के साथ वे मंडी के दलाल से बोले- "ए भई। नीचे रख! हमें नहीं चाहिए इतने महंगे लेखक।"

दलाल ने तभी कवि जी को घूरते हुए महाराज जी से कहा, "अजी साहब! एक दम से ही मूड बिगड़ गया आपका अजी थोड़ा कम लगा लूंगा अब तराजू पर से कम से कम उतरवाइए तो मत। बड़ी मुश्किल से इन लेखकों को तराजू पर चढ़ने को मिलता है वो भी तब जबकि आलोचकों की निगाह न पड़े साहब।" मगर इतनी देर में महाराज जी को कवि जी का चोर बाजार का गणित भा चुका था। उन्होंने अपने गले में पड़े गमछे को ताव देकर फटकारा और थोड़ा आगे चलकर कवि जी को आवाज लगाई-"अजी। मैंने कहा कि कुछ जलेवी दही हो जाए अगले रविवार को तो आप और हम मिल ही रहे हैं न चोर बाजार में।" कवि जी मुस्कुराए और लपक के जलेबी-दही के दोने पर टूटते हुए बोले, "क्यों नहीं, क्यों नहीं"।

क्यों स्मार्ट दिखना चाहते हैं अधेड़ हिन्दुस्तानी

भारत में एक अलग तरह की क्रांति दस्तक दे रही है। मध्यम आयु वर्ग के पुरुष और महिलाएं अब अपने आपको अधिक आकर्षक और आत्मविश्वासपूर्ण बनाने के लिए चेहरे की एडवांस सर्जरी करवा रहे हैं। समय के साथ बढ़ती उम्र, व्यस्त जीवनशैली और बदलते सामाजिक-व्यावसायिक माहौल में ये लोग अब केवल स्वस्थ रहने पर ही नहीं, बल्कि बाहरी रूप-सौंदर्य को बनाए रखने पर भी गंभीरतापूर्वक ध्यान दे रहे हैं। इस सर्जरी को डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी कहते हैं। पहले यह सर्जरी सिर्फ बड़े-बड़े सितारों तक ही सीमित थी, लेकिन अब मिडिल क्लास भारतीय भी इसके लिए स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से सलाह ले रहे हैं।

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में 40 से 65 साल के पुरुष और महिलाएं इस सिद्ध सर्जरी की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। यह सर्जरी चेहरे को नाटकीय तरीके से नहीं, बल्कि बहुत नेचुरल और सूक्ष्म तरीके से जवान बनाती है। लोग अपनी उम्र के साथ आने वाली झुर्रियों, ढीली त्वचा और थकी हुई लुक से छुटकारा पाना चाहते हैं। इस तकनीक को भारत में आगे बढ़ाने वाले दिल्ली के मशहूर फेशियल प्लास्टिक सर्जन डॉ. प्रतीक शर्मा, जो पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से जुड़े थे और आजकल राजधानी के एक अस्पताल में कार्यरत हैं, ने एक सेमिनार में बताया कि गहरी लेयर्स को लिफ्ट करने से रिजल्ट ज्यादा लंबे समय तक रहते हैं और चेहरा ज्यादा नैचुरल और संतुलित दिखता है। वे कहते हैं, "ये सिर्फ झुर्रियां मिटाने की बात नहीं है। ये लोगों को आत्मविश्वास वापस लौटाने और दुनिया के सामने नए जोश के साथ खड़े होने में मदद करता है।"

डीप प्लेन फेसलिफ्ट आखिर है क्या? साधारण फेसलिफ्ट सर्जरी में सिर्फ ऊपरी स्किन को खींचा जाता है, लेकिन डीप प्लेन फेसलिफ्ट उससे कहीं आगे जाती है। इसमें उम्र के साथ ढीले पड़ चुके मसल्स, फैट पैड्स और कनेक्टिव टिश्यू को भी ध्यान से संभाला जाता है। सर्जन इन सबको एक साथ एक यूनिट के रूप में ऊपर उठाता है। इसमें मिड-फेस, जबड़ा, गाल और गर्दन सब शामिल होते हैं। इससे चेहरा स्मूद हो जाता है, नाक से मुंह तक की गहरी लकीरें कम हो जाती हैं और चेहरे में फिर से जवानी वाली चमक लौट आती है। यह प्रक्रिया चेहरे की गहराई में काम करती है, इसलिए नतीजा बहुत प्राकृतिक लगता है। वहीं एक अन्य प्लास्टिक सर्जन बताती हैं कि यह प्रोसीजर अब अमीरों की लग्जरी नहीं रह गई है। अब लोअर मिडिल क्लास परिवारों की महिलाएं और पुरुष भी इसे करवा रहे हैं। खास बात यह है कि बदलाव बहुत सूक्ष्म, लेकिन असरदार होता है। आत्मविश्वास बढ़ता है, लेकिन कोई यह नहीं कह पाता कि "इन्होंने कुछ करवाया है"। दोस्त और परिवार वाले बस इतना कहते हैं कि आप बहुत तरोताजा और खुश दिख रहे हैं। विशेषज्ञों के पास परामर्श के लिए हर वर्ग से लोग आ रहे हैं। सरकारी नौकरी वाले, प्राइवेट सेक्टर के मैनेजर, बिजनेसमैन और घरेलू महिलाएं सभी इसमें रुचि ले रहे हैं। लोग अब कॉस्मेटिक सर्जरी को दिखावा नहीं, बल्कि अपने इमेज, करियर और वेल-बीइंग में निवेश मानते हैं। उम्र तो सबको लगती है, यह सर्जरी बस उस मैदान को थोड़ा बराबर कर देती है।

इसके अलावा, यह सर्जरी गर्दन की त्वचा को भी टाइट करती है, जिससे डबल चिन जैसी समस्या कम हो जाती है। चेहरे पर थकान का भाव कम होता है और आंखों के नीचे की सूजन भी घटती है। रिकवरी का समय भी अब पहले से काफी कम हो गया है। ज्यादातर लोग 10-14 दिनों में सामान्य कामकाज पर लौट आते हैं। सर्जरी से पहले डॉक्टर पूरी जांच करते हैं। ब्लड टेस्ट, हार्ट चेकअप और मेडिकल हिस्ट्री देखी जाती है। सर्जरी जनरल एनेस्थीसिया में होती है और इसमें दो से चार घंटे लगते हैं। बाद में हल्का सूजन और चोट के निशान रह सकते हैं, जो धीरे-धीरे ठीक हो जाते हैं।

अमेरिका और यूरोप में यह हॉलीवुड और फैशन जगत की कई हस्तियों का पसंदीदा विकल्प बन चुका है। सोनजा मॉर्गन, रिकी लेक, मैकेंजी वेस्टमोर, जैकी हैरी जैसी सेलिब्रिटीज ने भी इसके नेचुरल रिजल्ट्स की तारीफ की। क्रिस जेनर जैसी हस्तियों के साथ भी इसकी चर्चा रहती है। भारत में भी कई बड़े सितारों ने इस सर्जरी को करवाया है, पर वे इस बात को अज्ञात कारणों से सार्वजनिक नहीं करते। अमेरिका और यूरोप में अधेड़ और उम्र दराज लोग डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी का लाभ लंबे समय से ले रहे हैं। वहां बहुत सारे हॉलीवुड सितारे भी इस सर्जरी को करवाने के बाद अपने करियर को चमका रहे हैं।

भारत में भी अब जागरूकता बढ़ रही है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चंडीगढ़ जैसे शहरों में अच्छे अस्पताल उपलब्ध हैं। डॉक्टर सलाह देते हैं कि सर्जरी चुनने से पहले हमेशा योग्य और अनुभवी सर्जन से ही संपर्क करें। आज के समय में दिखावे और आत्मविश्वास का महत्व बहुत बढ़ गया है। डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प बनकर उभरी है, जो अपनी उम्र को महसूस नहीं करना चाहते। यह सर्जरी सिर्फ चेहरे को नहीं, बल्कि जीवन के नए अध्याय को खोलती है। अगर आप भी 45 साल के पार हैं और लगता है कि चेहरा थका हुआ दिख रहा है, तो एक अच्छे सर्जन से सलाह जरूर लें। सही निर्णय से आपका आत्मविश्वास नया जोश पा सकता है।

आरबीआई के पास 2,000 के 98.47% नोट वापस आए

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि चलन में रहे 2,000 रुपये मूल्य के 98 .47 प्रतिशत बैंक नोट अब तक वापस आ चुके हैं। केंद्रीय बैंक ने 19 मई 2023 को 2,000 रुपये के नोटों को चलन से हटाने की घोषणा की थी। उस समय चलन में इन नोटों का कुल मूल्य 3 .56 लाख करोड़ रुपये था, जो 30 अप्रैल, 2026 को घटकर 5,451 करोड़ रुपये रह गया है।

अमृत विचार
बरेली, शनिवार ,2 मई 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राजश्री 1920, फ़ॉर्चून कि . 2695, रविन्द्रा 2480, फॉर्चुन 13 किग्रा 2370, जय जवान 2070, सचिन 2320, सूरज 2080, अवसर 2130, उजाला 2060, गृहणी 13 किग्रा 2170, क्लासिक (किग्रा) 2455, मोर 2285, चक्र टिन 2535, ब्लू 2410, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2520

किराना : निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 11700, हरी पत्ती नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7450-9600, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी : द्वारकेश 4300, बहेड़ी 4280

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के जेवर 152500, गिन्नी जेवर 148500, **चांदी प्रति 10 ग्राम :** पक्की 2460 अनुमानित

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 6000-7600, बासमती 10100-12400, परमल 3000-3600

दाल दलहन : काला चना 5600-6700, साबुत चना दाल 6200, मूंग साबुत 10000, राजमा 11200-12600, दाल उड़द 9200-11400, साबुत मसूर दाल 7000-7800, मसूर दाल 9200 10000, उड़द साबुत 10200, काबुली चना 10000-10500, अरहर दाल 9200 -11000, लोबिया/करमानी 1600-2400

भारत पर अमेरिकी दबाव... आईपीआर पर प्राथमिकता निगरानी सूची में रखा बरकरार

व्यापार समझौते के लिए जारी वार्ता के बीच नया तनाव, दवा क्षेत्र पर पड़ेगा विशेष असर

वॉशिंगटन, एजेंसी

भारत के साथ व्यापार समझौते पर चल रही वार्ता के बीच अमेरिका ने उसे इस बार भी बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) संरक्षण और प्रवर्तन से जुड़े मुद्दों पर प्राथमिकता निगरानी सूची में बरकरार रखा है। इसे भारत पर अमेरिका की ओर से दबाव बनाए रखने के एक और हथकंडे के तौर पर देखा जा रहा है। भारत के दवा क्षेत्र, विशेषकर जेनरिक दवाओं के निर्यात पर इसका खास असर पड़ेगा। भारत के आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने अमेरिकी रिपोर्ट के बाद कहा है कि भारत की बौद्धिक संपदा व्यवस्था डब्ल्यूटीओ के अनुरूप है।

किसी देश को प्राथमिकता निगरानी सूची या निगरानी सूची में रखने का मतलब है कि वहां बौद्धिक संपदा संरक्षण, प्रवर्तन या बाजार पहुंच से जुड़े गंभीर मुद्दे मौजूद हैं। यह विशेष 301 रिपोर्ट अमेरिका की ओर से हर साल जारी की जाती है जिसमें 100 से अधिक व्यापारिक साझेदार देशों में बौद्धिक संपदा अधिकारों की स्थिति का आकलन किया जाता है। रिपोर्ट में बौद्धिक संपदा के संरक्षण और प्रवर्तन के मामले में भारत को दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक करार दिया गया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने कहा, अनुचित व्यापार प्रथाओं से निपटने के लिए हमारे सभी प्रवर्तन साधनों का उपयोग करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस रिपोर्ट में यूरोपीय संघ, तुर्किये और पाकिस्तान सहित 19 देशों को निगरानी सूची में रखा गया है।

- जीटीआरआई ने किया प्रतिवाद, कहा- भारत की बौद्धिक संपदा व्यवस्था डब्ल्यूटीओ के अनुरूप

नीतिगत संप्रभुता के लिए अपने सिद्धांतों का बचाव करे भारत

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, कुल मिलाकर जहां अमेरिका कमजोर आईपी संरक्षण की बात करता है, वहीं भारत का रुख है कि वह पूरी तरह विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अनुरूप है और वास्तविक अंतर तो सख्त ट्रिप्स-प्लस (बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधी पहलू) मानकों को अपनाने से इन्कार करने में निहित है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है और ये दवाएं आमतौर पर दामों को 80-90 प्रतिशत तक कम कर देती हैं। श्रीवास्तव ने कहा, धारा 3(डी) और अनिवार्य लाइसेंसिंग जैसे प्रावधान इसलिए आवश्यक हैं। सस्ती स्वास्थ्य सेवा और नीतिगत संप्रभुता की रक्षा के लिए भारत को इन सिद्धांतों का बचाव जारी रखना चाहिए। कहा कि भारत 2025 और 2024 में भी प्राथमिकी निगरानी सूची में था। मतलब साफ है कि अमेरिका भारत पर दबाव बनाए रखना चाहता है। इससे दवा क्षेत्र में बौद्धिक संपदा नीति को लेकर अमेरिका के साथ लंबे समय से चले आ रहे मतभेद भी स्पष्ट होते हैं।

वियतनाम पर अमेरिका की सबसे कड़ी नजर, सूची में रूस-चीन भी

प्राथमिकता निगरानी सूची में अमेरिका ने भारत के साथ चीन, रूस, इंडोनेशिया, चिली और वेनेजुएला सहित छह देशों को बरकरार रखा है। संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की 2026 की विशेष 301 रिपोर्ट में वियतनाम को प्राथमिक विदेशी देश (पीएफसी) के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। यह 13 वर्ष में पहली बार है जब किसी देश को इस श्रेणी में रखा गया है। यह श्रेणी उन देशों के लिए होती है जिनकी नीतियां और प्रथाएं अमेरिकी उत्पादों पर सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि वियतनाम बौद्धिक संपदा अधिकारों की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सार्थक प्रगति नहीं कर रहा है और न ही वह प्रभावी वार्ताओं में पर्याप्त सहयोग कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका वियतनाम के खिलाफ 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत जांच शुरू करने पर 30 दिन के भीतर फैसला करेगा। अगर जांच शुरू होती है तो वियतनाम के साथ बातचीत कर मुद्दों को सुलझाने की कोशिश की जाएगी।

वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण देश के समक्ष बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण उपजे राजकोषीय दबाव के बावजूद आर्थिक वृद्धि की रफ्तार कायम रखने के लिए चालू वित्त वर्ष में निर्धारित 12.22 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय पर टिके रहने का फैसला किया है। व्यय विभाग के सचिव वी वुअलनाम ने कहा कि देश के सामने बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है और आने वाली कुछ तिमाहियां तथा नया साल काफी तनाव से भरे हो सकते हैं। मार्च के अंत में पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती से कर संग्रह पर असर पड़ सकता है।

वुअलनाम ने अशोका यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, राजकोषीय दबाव वास्तविकता है, लेकिन पूंजीगत व्यय हमारी प्राथमिकता रहेगा और हम इसे बजट स्तर पर बनाए रखने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में राजमार्ग, रेलवे, पोत परिवहन, बंदरगाह और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सचिव ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पेट्रोलियम उत्पादों का शुद्ध आयातक होने के कारण देश के समक्ष बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है। सरकार हालात से निपटने के लिए सक्रिय और लचीले ढंग से काम कर रही है, जबकि राजकोषीय सूझबूझ ने देश को मौजूदा अनिश्चितताओं में मजबूत स्थिति में रखा है। बजट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत पर सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि जीडीपी आकलन की नई श्रृंखला जारी होने के बाद अब यह 4.5 प्रतिशत माना जा रहा है।

- केंद्रीयव्यय सचिव ने कहा- राजकोषीय दबाव में भी पूंजीगत व्यय जारी रखेंगे

तेल पर उत्पाद शुल्क कटौती से 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान

पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से जारी संघर्ष के बाद कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 126 डॉलर प्रति बैरल के चार साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं, जो संघर्ष के पहले करीब 73 डॉलर थी। ईंधन की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की है, जिससे राजकोष पर दबाव बढ़ा है। इस कटौती से 15 दिनों में करीब 7,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होने का अनुमान है। व्यय सचिव ने कहा कि कर संग्रह की स्थिति पर भी करीबी नजर रखी जा रही है, क्योंकि इससे राजकोषीय गुंजाइश और सीमित हो सकती है। उन्होंने बताया कि भारत अपनी एलपीजी खपत का 60 प्रतिशत आयात करता है और इसमें से 90 प्रतिशत आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य के मार्ग से होती है। लेकिन इस समुद्री मार्ग के बंद होने से स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई है। सरकार ने घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए डीजल पर 23 रुपये प्रति लीटर और विमानन ईंधन (एटीएफ) पर 33 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क भी लगाया है।

ट्रंप ने यूरोपीय संघ से आयातित वाहनों पर लगाया 25% शुल्क

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह अगले सप्ताह यूरोपीय संघ से आयातित कारों-ट्रकों पर शुल्क बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर देंगे। ट्रंप ने आरोप लगाया कि यूरोपीय संघ व्यापार समझौते का पालन नहीं कर रहा है।

ट्रंप के इस कदम से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेएन के बीच पिछले साल जुलाई में व्यापार समझौता हुआ था, जिसके तहत अधिकांश वस्तुओं पर 15% शुल्क की सीमा तय की गई थी। यह शुल्क ढांचा टर्नबेरी समझौता के नाम से जाना जाता है जिसका नाम स्कॉटलैंड में ट्रंप के गोल्फ कोर्स पर रखा गया था। दोनों पक्षों ने पहले इस समझौते को बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई थी। हालांकि, इस वर्ष अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद इस समझौते को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई। शीर्ष अदालत ने कहा था कि ट्रंप के पास आर्थिक आपातकाल घोषित कर यूरोपीय संघ के उत्पादों पर शुल्क लगाने का कानूनी अधिकार नहीं है।

- व्यापार समझौते का पालन न करने का लगाया आरोप

देश में बिजली खपत चार प्रतिशत बढ़कर 154 अरब यूनिट पर

नई दिल्ली। देश में बिजली खपत अप्रैल में 4.04 प्रतिशत बढ़कर 153.99 अरब यूनिट (बीयू) हो गई। पिछले महीने असामान्य बारिश के कारण बिजली मांग कम रहने के बावजूद खपत बढ़ी है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 में देश की कुल बिजली खपत 148.01 अरब यूनिट थी। तापमान बढ़ने और लू जैसी स्थिति बनने के कारण महीने के अंत में बिजली मांग में तेजी आई। अधिकतम बिजली मांग (एक दिन में सबसे अधिक) बढ़कर पिछले महीने 256.11 गीगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई जो अप्रैल 2025 में 235.32 गीगावाट थी। इससे पहले मई 2024 में अधिकतम बिजली मांग करीब 250 गीगावाट के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। विद्युत मंत्रालय के अनुसार, 2026 की गर्मियों में अधिकतम बिजली मांग 270 गीगावाट तक पहुंच सकती है। पिछले वर्ष गर्मियों में अधिकतम मांग जून 2025 में 242.77 गीगावाट रही थी जो सरकार के 277 गीगावाट के अनुमान से कम थी।

मिर्जापुर के एक कार्यस्थल पर काम कर रहे मजदूरों ने शुक्रवार को केक काटकर मजदूर दिवस मनाया।

फिर भी खुश रहते हैं हम...

- 8 घंटे काम के अधिकार का मानक 1 मई 1886 को शिकागो (अमेरिका) में हुए ऐतिहासिक आंदोलन की देन है। उस समय मजदूरों से 12 से 16 घंटे तक काम कराया जाता था।
- भारत में मजदूर दिवस सबसे पहले 1 मई 1923 को चेन्नई में मनाया गया था। इसका आयोजन 'लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान' के नेता सिंगारवेलु चेट्टियार ने किया था।

64% श्रमिकों को न्यूनतम वेतन नहीं

फाउंडेशन फॉर इकोनॉमिक डेवलपमेंट की अप्रैल 2026 में जारी रिपोर्ट कहती है कि भारत के 14 सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में 64% श्रमिक वैधानिक न्यूनतम मजदूरी से कम कमा रहे हैं। कारण बताया गया है कि तय सरकारी न्यूनतम वेतन का स्तर देश की औसत आय की तुलना में बहुत अधिक है, जिससे श्रमिक औपचारिक क्षेत्र से बाहर होकर असुरक्षित और अनौपचारिक काम करने को मजबूर हो जाते हैं।

सरकार ने अप्रत्याशित लाभ कर घटाया, डीजल पर 23 रुपये और एटीएफ पर 33 रुपये लीटर किया

नई दिल्ली। सरकार ने डीजल के निर्यात शुल्क यानी अप्रत्याशित लाभ कर को घटाकर शुक्रवार से 23 रुपये लीटर और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले कर को कम करके 33 रुपये लीटर कर दिया है।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा उत्पाद शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। डीजल का निर्यात शुल्क 55.5 रुपये से घटाकर 23 रुपये लीटर कर दिया गया है। विमान ईंधन पर यह शुल्क 42 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 33 रुपये प्रति लीटर किया गया है। डीजल के निर्यात पर सड़क एवं अवसंरचना उपकर एक मई से शुरू हो रहे पखवाड़े के लिए शून्य रहेगा। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार देर रात जारी बयान में बताया कि पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क की दर शून्य बनी रहेगी।

विदेशी निवेशकों का मोह भंग

इस साल चार माह में ही टूटा पिछले वर्ष का रिकॉर्ड 1.92 लाख करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते विदेशी निवेशक लगातार भारतीय शेयर बाजारों से मुंह मोड़ रहे हैं। वर्ष 2026 के पहले चार महीनों ने 2025 में पूरे साल का का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इन चार महीनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 1.90 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। वर्ष 2025 में यह 1.66 लाख करोड़ रुपये ही थी।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों में लगातार बिकवाली जारी रखते हुए अप्रैल में 60,847 करोड़ रुपये (करीब 6.5 अरब डॉलर) की निकासी की। दुनिया में भूराजनीतिक तनाव का बढ़ना और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण जोखिम लेने की क्षमता पर असर पड़ना इसका मुख्य कारण बताया जा रहा है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में फरवरी को छोड़कर सभी महीनों में एफपीआई शुद्ध विक्रेता रहे। जनवरी में 35,962 करोड़ रुपये की निकासी हुई जबकि फरवरी में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश आया जो 17 महीनों में सबसे अधिक मासिक निवेश था। मार्च में हालांकि रुख अचानक बदला और रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई जो अप्रैल में भी 60,847 करोड़ रुपये की निकासी के साथ जारी रही ।बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि निरंतर बिकवाली वैश्विक आर्थिक दबावों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों का परिणाम है। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

- वैश्विक आर्थिक अनिश्चतता का असर, अप्रैल 2026 में 60,847 करोड़ रुपये की निकासी

- मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख प्रबंधक (शोध) हिमांशु श्रीवास्तव कहते हैं कि अप्रैल की शुरुआत में पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गईं। इससे ब्याज दरों में जल्द कटौती की उम्मीदें कम हुईं और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल ऊंचे बने रहे, जिसका असर भारत सहित उभरते बाजारों पर पड़ा। कहा, यदि डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आता है तो विदेशी निवेश फिर स्थिर हो सकता है।

दो पायलटों की मौत से उभरी विश्राम के नियमों का पालन न होने की चिंता

नई दिल्ली। पायलटों के संगठन एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ (एएलपीए) इंडिया ने शुक्रवार को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से विमानन कंपनियों के लिए थकान से जुड़े मानकों में कोई भी ढील न देने की मांग की। यह मांग पिछले दो दिन में दो पायलट की दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत के बाद की गई है।

संगठन ने कहा कि डीजीसीए को फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों के क्रियान्वयन के लिए समयबद्ध खाका तैयार करना चाहिए। साथ ही पायलटों की थकान की सूचना देने संबंधी प्रणाली पारदर्शी और जवाबदेही तय करने वाली हो तथा इसकी हर तिमाही सार्वजनिक जानकारी भी दी जाए। एयर इंडिया और अकासा एयर के एक-एक पायलट की हाल ही में दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई। दोनों उस समय ड्यूटी पर नहीं थे। संशोधित एफडीटीएल नियम में पायलटों के लिए अधिक विश्राम समय का प्रावधान है लेकिन यह अभी पूरी तरह लागू नहीं हुए हैं।

- पायलटों के संगठन ने नियमों में ढील न देने की मांग की

स्क्वायर याड्‌र्स का राजस्व 48% बढ़कर 2,086 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। परामर्श समेत विभिन्न सेवाएं देने वाली स्क्वायर याड्‌र्स की वित्त वर्ष 2025-26 में आय 48 प्रतिशत बढ़कर 2,086 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की आय 1,410 करोड़ रुपये थी।

स्क्वायर याड्‌र्स ने कहा कि आय में भारत के कारोबार का योगदान 88 प्रतिशत रहा, जबकि शेष 12 प्रतिशत विदेशी परिचालनों से आया। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का सकल लाभ 49 प्रतिशत बढ़कर 476 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 321 करोड़ रुपये था।

पावर ऑफ अटॉर्नी

बेनामी संपत्तियों और अवैध लेनदेन का बड़ा माध्यम

पावर ऑफ अटॉर्नी एक ऐसा कानूनी दस्तावेज है जो किसी दूसरे व्यक्ति को पहले व्यक्ति की ओर से संपत्ति, वित्तीय, या कानूनी मामलों में फैसले लेने की अनुमति देता है। वैसे तो यह विशेष रूप से अप्रवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए उपयोगी है जो भारत में मौजूद नहीं हो सकते, लेकिन भारत में इसका बड़े पैमाने पर बेनामी संपत्तियों को छिपाने, अवैध लेनदेन या टैक्स बचाने के लिए भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है। इसी कारण हाल ही में इसके नियमों को और सख्त किया गया है। समय-समय पर विधि आयोग और सुप्रीम कोर्ट ने भी निर्देश जारी किए हैं। हालांकि इसके दुरुपयोग के मामलों में फिर भी कोई खास कमी आने के संकेत नहीं मिले हैं।

भारत में पावर ऑफ अटॉर्नी

- भारत में पावर ऑफ अटॉर्नी कानून 144 साल से भी अधिक पुराना है जो मुख्य रूप से पावर ऑफ अटॉर्नी एक्ट 1882 के तहत शासित होता है और 1 मई 1882 को लागू हुआ था। इसके अलावा यह भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 के एजेंसी सिद्धांतों के तहत भी आता है।
- आंकड़ों के अनुसार भारत में हर साल लगभग 50 लाख पावर ऑफ अटॉर्नी रजिस्टर कराई जाती हैं, इनमें से सिर्फ 20 प्रतिशत ही एनआरआई की ओर से रजिस्टर कराई जाती हैं। हेराफेरी के मामले सामने आने के बाद यूपी में 2023 के बाद नियम सख्त हुए हैं, खासकर संपत्ति के मामलों में।

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय

वर्ष 2011 में सूरज लैंप एंड इंडस्ट्रीज केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पावर ऑफ अटॉर्नी का बड़ा उपयोग काले धन के निवेश, स्टांप शुल्क चोरी और बेनामी लेनदेन के लिए किया जा रहा है। कोर्ट ने माना कि यह संपत्ति हस्तांतरण का वैध तरीका नहीं है, इसका इस्तेमाल स्वामित्व छिपाने के लिए किया जाता है।

विधि आयोग की ओर से जारी रिपोर्ट

भारत के विधि आयोग की 57वीं और 130वीं रिपोर्ट में भी पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए देश में बेनामी लेनदेन के बढ़ते खतरों का विश्लेषण किया गया है। इन रिपोर्टों में उल्लेख है कि कैसे लोग कर चोरी करने और लेनदारों को धोखा देने के लिए संपत्तियों को दूसरों के नाम पर यानी बेनामी रखते हैं और इसमें अक्सर पावर ऑफ अटॉर्नी एक प्रमुख हथियार बनता है। इस रिपोर्ट में इसकी रोकथाम के लिए कई उपाय सुझाए गए थे।

क्या कदम उठाए

बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम, 1988 (2016 में संशोधित) के तहत ऐसे लेनदेन में शामिल होने पर 1 से 7 साल तक की जेल और संपत्ति के बाजार मूल्य का 25 प्रतिशत तक जुर्माना हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अब अनिवार्य कर दिया है कि संपत्ति के मालिकाना हक के लिए केवल पंजीकृत सेल डीड ही मान्य होगी, पावर ऑफ अटॉर्नी नहीं।

दुरुपयोग के उदाहरण

- हाल ही में ईडी ने बड़ा जमीन घोटाला पकड़ा। दिल्ली में उन लोगों के नाम पर फर्जी जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी बनाई गई जिनकी मृत्यु कई दशक पहले हो चुकी थी। इस जीपीए का इस्तेमाल 2013 में एक फाउंडेशन को जमीनबेचने के लिए किया गया।
- मोहाली में ऐसे गिरोह के सरगना पकड़ा गया जो उन लोगों को निशाना बनाता था जो मृत हो चुके थे या लंबे समय से विदेश में रह रहे थे। उसने फर्जी जीपीए जमीनों की रजिस्ट्री करवाई, जिससे पीड़ितों को लगभग 7 करोड़ रुपये का चूना लगा।

शुरुआत

अमित शाह ने रखी आधारशिला, कहा- पिछले 10 साल में देश में 70% बढ़ा दूध का उत्पादन

करगिल में स्थापित होगा 10,000 लीटर क्षमता का डेयरी प्लांट

लेह/जम्मू, एजेंसी

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने करगिल में 10,000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले डेयरी संयंत्र की शुक्रवार को आधारशिला रखी। इसके साथ लद्दाख के लिए डेयरी विकास से जुड़ी कई पहल भी ऑनलाइन माध्यम से पेश कीं। इनमें मोबाइल दूध परीक्षण प्रयोगशालाएं, आधुनिक दूध शीतलन प्रणाली और डेयरी अवसंरचना को मजबूत करना शामिल है, ताकि यहां आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके।

अधिकारियों ने बताया कि 10,000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाला आधुनिक डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंडियन डेयरी मशीनरी कंपनी द्वारा स्थापित किया जा रहा है। यह परियोजना मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम के तहत लागू की जा रही है, जिसमें 12.74 करोड़ रुपये का अनुदान, 10 करोड़ रुपये की सहायता राष्ट्रीय डेयरी विकास फाउंडेशन से और शेष राशि एलयूटीडीसीएफ फंड के माध्यम सेउपलब्ध कराई जा रही है।

करगिल में लेह मिल्क प्लांट के नए उत्पादों के स्टॉल का निरीक्षण करते अमित शाह।

लद्दाख में डेयरी क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए कदम

अधिकारियों ने कहा कि ये कदम लद्दाख के डेयरी क्षेत्र के आधुनिकीकरण, किसानों की आय बढ़ाने और खरीद प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। साथ ही बिजली से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने, दूध संग्रह को सुव्यवस्थित करने और किसानों को समय पर डिजिटल भुगतान सुनिश्चित करने के उपाय भी किए गए हैं। भारतीय सेना के साथ नियमित दूध आपूर्ति व्यवस्था से इस क्षेत्र में डेयरी गतिविधियों को स्थिर बाजार मिला है जिससे संचालन की विश्वसनीयता बढ़ी है।

वर्ल्ड ब्रीफ

पूर्व सीईए सुब्रमण्यम शिकागो में सम्मानित

वॉशिंगटन। भारत के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार के.वी. सुब्रमण्यम को शिकागो विश्वविद्यालय द्वारा व्यावसायिक उपलब्धि के लिए प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सुब्रमण्यम 1941 में प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार की स्थापना के बाद से यह सम्मान प्राप्त करने वाले पहले भारतीय अर्थशास्त्री बन गए हैं। यह पुरस्कार विश्वविद्यालय के बृहस्पतिवार से शुरू हुए पूर्व छात्र सप्ताहांत समारोह में प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय ने कहा कि भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में, सुब्रमणयम ने कोविड-19 के दौरान प्रमुख रूप से कार्य किया। इसमें सुब्रमण्यम द्वारा लिखित आर्थिक सर्वेक्षणों को ऐतिहासिक बताया गया

भारतीय राजदूत को ढाका में तलब किया

ढाका। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बधे को तलब किया और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की कुछ टिप्पणियों पर औपचारिक विरोध दर्ज कराया। शर्मा ने पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था कि असम में 20 विदेशी नागरिकों को पकड़ा गया और उन्हें बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। शर्मा ने कहा था, अशिष्ट लोग प्यार की भाषा नहीं समझते। जब हम असम से उन घुसपैठियों को निकालते हैं जो खुद वापस नहीं जाते।

गुटेरेस ने बुद्ध जयंती की शुभकामनाएं दीं

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बुद्ध जयंती के अवसर पर दुनिया भर के बौद्ध समुदाय को शुभकामनाएं देते हुए वैश्विक शांति और एकजुटता का आह्वान किया है। गुटेरेस ने 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि वैसाख दिवस पर दुनिया भर के बौद्ध भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और उनके महापरिनिर्वाण का स्मरण करते हैं।

टेक्सास में एक छोटा विमान क्रैश, 5 की मौत

विम्बरली। अमेरिका के टेक्सास में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। हेज काउंटी के जज रुबेन बेसेरा ने फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा कि यह दुर्घटना बृहस्पतिवार रात ऑस्टिन के दक्षिण पश्चिम में लगभग 40 मील दूर विम्बरली शहर में हुई। फेडरेशन एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि सेसना 421सी विमान रात करीब 11:25 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उसमें पांच लोग सवार थे।

असम के सीएम की पत्नी से जुड़े मामले में खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा-मामला राजनीतिक प्रतिशोध से जुड़ा प्रतीत होता है

उच्चतम न्यायालय ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी पर लगाए गए आरोपों से संबंधित मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दे दी और कहा कि मामला राजनीतिक प्रतिशोध से जुड़ा प्रतीत होता है। न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ए. एस. चंदूरकर की पीठ ने कुछ शर्तों के साथ खेड़ा को अग्रिम जमानत देने का आदेश दिया।

अदालत का आदेश शुक्रवार को वेबसाइट पर अपलोड किया गया। इससे पहले बृहस्पतिवार को दिन में अदालत ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा था। खेड़ा ने आरोप लगाया था कि शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां हैं। अदालत ने कहा, व्यक्तिगत आजादी एक बहुत महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार है, और इससे वंचित किए जाने के लिए बहुत ठोस और मजबूत कारण होना जरूरी है, खासकर तब जब आसपास की परिस्थितियां यह दिखाती हों कि मामले में राजनीतिक पहलू छुपा हो सकता है।

अदालत ने कहा कि यदि अपराध शाखा थाने में दर्ज मामले में अपीलकर्ता (खेड़ा) की गिरफ्तारी हुई है तो उन्हें अग्रिम जमानत पर रिहा किया जाए। अदालत ने कहा कि रिहाई जांच अधिकारी द्वारा उचित समझी गई शर्तों और नियमों पर आधारित होगी।

सीजीएचएस की अपर निदेशक घूस लेने में गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने रिश्वतखोरी के एक मामले में केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) मेरठ (उप्र), की अपर निदेशक नताशा वर्मा और उनके पीए सन्नी को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने बताया कि वर्मा के निजी सहायक सन्नी के खिलाफ गुरुवार को मामला दर्ज किया गया था। उसने एक सीजीएचएस कर्मचारी के मुरादाबाद से मेरठ में तबादले के एवज में स्वास्थ्य भवन, सीजीएचएस, मेरठ के अधिकारियों की ओर से 80,000 रुपये रिश्वत मांगी थी।

फिल्म निर्माता की ऑस्कर ट्रॉफी गुम, हवाई अड्डे पर हथियार मानकर कार्गो में भेजा था

लॉस एंजिलिस, एजेंसी

- न्यूयॉर्क से फ्रैंकफर्ट पहुंचने पर नहीं मिली डिब्बे में रखी ट्रॉफी

अकादमी पुरस्कार प्राप्त वृत्तचित्र 'मिस्टर नोबडी अगेंस्ट पुतिन' के सह-निर्देशक एवं रूसी फिल्म निर्माता पावेल तालांकिन की ऑस्कर ट्रॉफी तब गुम हो गई जब न्यूयॉर्क हवाई अड्डे पर सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें इसके साथ उड़ान भरने से रोक दिया। इस साल के अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फीचर वृत्तचित्र का पुरस्कार जीतने वाली फिल्म मिस्टर नोबडी अगेंस्ट पुतिन में मुख्य भूमिका निभाने वाले तालांकिन ने बताया कि बुधवार को जॉन एफ केनेडी हवाई अड्डे पर एक अधिकारी ने उनसे कहा कि वह लगभग 3.8 किग्रा वजनी ट्राफी को विमान में अपने साथ नहीं रख सकते। उन्होंने कहा कि मार्च में ऑस्कर जीतने के बाद से वह बिना किसी घटना के एक दर्जन से अधिक बार ट्रॉफी के साथ हवाई यात्रा कर चुके हैं। लुफ्थांसा की उड़ान से बृहस्पतिवार सुबह जर्मनी के फ्रैंकफर्ट पहुचे तालांकिन ने कहा कि यह बात पूरी तरह से समझ से परे है कि वे ऑस्कर (ट्रॉफी) को हथियार कैसे मानते हैं... (मैंने) इसे अपने साथ कैबिन में लेकर यात्रा की है, और कभी कोई समस्या नहीं हुई। तालांकिन को पुरस्कार को कार्गो के रूप में दर्ज करने के लिए कहा गया। अपने सामान की पहले ही जांच करा चुके फिल्म निर्माता को एयरलाइन अधिकारियों द्वारा गत्ते का डिब्बा दिया गया, और फिर दो एजेंटों ने ऑस्कर ट्रॉफी को 'बबल रैप' में लपेटा तथा उसे परिवहन के लिए ले गए। इस पूरी प्रक्रिया को तालांकिन ने अपने फोन में रिकॉर्ड किया। हालांकि, जब फिल्म निर्माता फ्रैंकफर्ट पहुंचे, तो वह डिब्बा कहीं नहीं मिला।

ईरान के खिलाफ युद्ध 60 दिन की तय समय सीमा से पहले ही समाप्त हो गया

अमेरिकी संसद से युद्ध की मंजूरी लेने की आवश्यकता से बचने को ट्रंप प्रशासन का तर्क

वॉशिंगटन, एजेंसी

ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को स्पष्ट किया है कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई युद्ध नहीं चल रहा है। ईरान के खिलाफ युद्ध तो 60 दिन की तय समय सीमा से पहले ही समाप्त हो गया। ट्रंप प्रशासन कांग्रेस (अमेरिकी संसद) से युद्ध की मंजूरी लेने की आवश्यकता से बचने के लिए तर्क दे रहा है कि अप्रैल में शुरू हुए युद्धविराम समझौते के बाद ईरान में युद्ध समाप्त हो गया है। यह बयान रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा बृहस्पतिवार को सीनेट के समक्ष दिए गए बयान की पुष्टि करता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि युद्धविराम ने प्रभावी रूप से युद्ध को रोक दिया है।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में इस बात पर बहस छिड़ गई है कि क्या सैन्य अभियानों के लिए तय 60 दिनों की कानूनी समय सीमा खत्म हो गई है। इस विवाद ने अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में नए कानूनी और संवैधानिक सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने तर्क दिया कि फिलहाल इस सैन्य अभियान के लिए संसद से अलग से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अभी कोई सक्रिय लड़ाई नहीं हो रही है। उन्होंने एक टीवी इंटरव्यू में कहा, मुझे नहीं लगता कि अभी कहीं बमबारी या गोलीबारी जैसी कोई सक्रिय सैन्य गतिविधि चल रही है। फिलहाल हम शांति समझौता कराने की कोशिश कर रहे हैं, हम युद्ध में नहीं हैं। दरअसल, अमेरिका में 1973 का 'वॉर पावर्स रेजोल्यूशन' लागू है। यह कानून राष्ट्रपति को पाबंद करता है कि अगर वह कहीं सैन्य कार्रवाई शुरू करते हैं, तो उन्हें 60 दिनों के भीतर सेना वापस बुलानी होगी, जब तक कि संसद उस कार्रवाई को आगे बढ़ाने की विशेष अनुमति न दे दे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो मार्च को इस अभियान के बारे में संसद को जानकारी दी थी, जिसके हिसाब से एक मई को 60 दिन पूरे हो रहे हैं। हालांकि, सांसदों के बीच इस बात को लेकर मतभेद हैं कि समय सीमा खत्म हुई है या नहीं। विवाद का मुख्य कारण यह है कि क्या युद्ध के बीच में आए अस्थायी ठहराव या शांति के समय को भी इन 60 दिनों में गिना जाना चाहिए। व्हाइट हाउस का कहना है कि बीच में हुए संघर्ष विराम की वजह से यह समय सीमा प्रभावी रूप से रुक गई थी। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सीनेट में सुनवाई के दौरान कहा कि युद्धविराम के दौरान 60 दिनों की इस अवधि को 'रोका' जा सकता है।

साठ दिन से अधिक पर संसद की मंजूरी आवश्यक

इस आधार पर ट्रंप प्रशासन 1973 के कानून द्वारा अनिवार्य उस शर्त को पूरा नहीं कर रहा है जिसके तहत 60 दिनों से अधिक की सैन्य कार्रवाई के लिए संसद से औपचारिक स्वीकृति आवश्यक है। नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उस कानून के हिसाब से28 फरवरी शनिवार को शुरू हुआ युद्ध समाप्त हो गया है।'' अधिकारी ने कहा कि सात अप्रैल से शुरू हुए दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद से अमेरिकी सेना और ईरान के बीच गोलीबारी नहीं हुई है। हालांकि युद्धविराम के समय को बढ़ा दिया गया है और ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखा है वहीं ईरान के तेल टैंकर को समुद्र में जाने से रोकने के लिए अमेरिका की नाकाबंदी जारी है। राष्ट्रपति की सैन्य शक्तियों को नियंत्रित करने वाले कानून 'वॉर पावर्स रिजोल्यूशन' के तहत, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास शुक्रवार तक संसद से अनुमति लेने या युद्ध रोकने का समय था। यह कानून प्रशासन को इस समय सीमा को 30 दिन तक बढ़ाने की अनुमति भी देता है।

राष्ट्रपति ट्रंप बोले-अमेरिका से समझौता करने के लिए बेताब है ईरान

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान युद्ध को समाप्त करने के लिए समझौता करने को बेताब है और उन्होंने हवाई हमलों को फिर से शुरू करने की संभावना को लगभग खारिज कर दिया। ट्रंप ने बृहस्पतिवार दोपहर ओवल ऑफिस में मीडिया से बातचीत में ये टिप्पणियां ऐसे समय में कीं जब ईरान ने धमकी दी है कि यदि अमेरिका ने फिर हमले किए तो वह भी हमले कर जवाबी कार्रवाई करेगा। अमेरिका और ईरान ने आठ अप्रैल को युद्धविराम पर सहमति जताई थी तब से युद्ध अस्थायी रूप से रुका हुआ है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह पुनः हमले करेंगे तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि हमें इसकी जरूरत है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने दावा किया कि सैन्य कार्रवाई ने ईरान की क्षमताओं को काफी हद तक कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा, उनकी नौसेना खत्म हो गई है। उनकी वायुसेना खत्म हो गई है उनके करीब 82 प्रतिशत ड्रोन कारखाने ठप हो गए हैं। उनके मिसाइल उत्पादन पर भी असर पड़ा है। उनके मिसाइल कारखाने लगभग 90 प्रतिशत तक ठप हो गए हैं। ट्रंप ने कहा कि हमने उनकी परमाणु क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर दिया है और होर्मुज जलडमरूमध्य की अमेरिकी नाकाबंदी के परिणामस्वरूप ईरानी अर्थव्यवस्था चरमरा रही है।

नौसेना की ताकत...

मुंबई स्थित एमडीएसएल में नौसेना को सौंपी गई छठी स्वदेशी उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट महेंद्रगिरी जहाज पर मौजूद नौसेना कर्मी और अन्य लोग। यह फ्रिगेट 30 अप्रैल को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था।

मृतक संख्या बढ़कर नौ हुई 28 लोगों को बचाया गया

जबलपुर, एजेंसी

जबलपुर क्रूज हादसा

- बरगी बांध में डूबे छह अन्य लोगों की तलाश कर रही हैं बचाव-राहत में लगीं एजेंसियां

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में बरगी बांध में क्रूज नाव पलटने की घटना में मृतकों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर नौ हो गई। अधिकारियों ने बताया कि डूबी हुई नाव से पांच और शव बरामद किए गए हैं, जबकि छह अन्य लोगों की तलाश अभी जारी है। अब तक 28 लोगों को बचा लिया गया है। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तलाश में अभियान तेज कर रही हैं।

मध्यप्रदेश के पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बातचीत में कहा कि बृहस्पतिवार को चार शव मिले थे, जबकि शुक्रवार तड़के पांच और शव बरामद हुए, जिससे मृतकों की संख्या नौ हो गई। उन्होंने कहा कि घटना की विस्तृत जांच कराई जाएगी और एक जीवित बचे व्यक्ति द्वारा लाइफ जैकेट के मुद्दे को उठाने की भी पड़ताल की जाएगी। हादसा बृहस्पतिवार शाम नर्मदा नदी पर बने बरगी बांध में अचानक आए तूफान के दौरान हुआ, जिससे क्रूज नाव पलट गई। जबलपुर के डीआईजी अतुल सिंह ने कहा कि आशंका है कि कुछ शव अभी भी नाव के भीतर फंसे हो सकते हैं।

हादसे की जांच के आदेश

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने जबलपुर जिले के बरगी बांध में हुए क्रूज हादसे की जांच का शुक्रवार को आदेश दिया और राज्य में क्रूज के संचालन पर रोक लगा दी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि हादसे के दौरान लोगों की जान बचाने के लिए जोखिम उठाने वाले स्थानीय निवासियों को उनकी बहादुरी के लिए स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजन को दो-दो लाख तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये देने की घोषणा की।

चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन का और विस्तार करेगा

- नासा के आईएसएस बंद करने की योजना के बीच तैयारी

बीजिंग। चीन पृथ्वी की कक्षा में स्थित अपने अंतरिक्ष स्टेशन का विस्तार करने की योजना बना रहा है, जिससे इसका आकार संभावित रूप से दोगुने से भी अधिक हो जाएगा। यह कदम ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) को वर्ष 2031 तक चरणबद्ध तरीके से बंद करने की योजना बना रही है। वर्तमान में, चीन का तियांगोंग और आईएसएस कक्षा में मौजूद हैं, जो नासा के साथ-साथ रूस, यूरोप, जापान और कनाडा की अंतरिक्ष एजेंसियों की एक सहयोगी परियोजना है। नासा की योजना अंतरिक्ष में मानव निर्मित सबसे बड़ी संरचना 'आईएसएस' को बंद करने की है। इससे चीनी अंतरिक्ष स्टेशन पृथ्वी की परिक्रमा करने वाला अपनी तरह का एकमात्र स्टेशन बन जाएगा। चीन ने अपना अंतरिक्ष स्टेशन तब बनाया जब उसे आईएसएस से कथित तौर पर बाहर कर दिया गया। चीन वर्तमान में एकमात्र ऐसा देश है जिसके पास एक अंतरिक्ष स्टेशन है जो 2022 में चालू हुआ था। यह स्टेशन फुटबॉल कोर्ट के आकार के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की तुलना में अपेक्षाकृत छोटा है, जिसमें कई अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्रियों ने 1998 में इसके संचालन शुरू होने के बाद से 3,000 से अधिक प्रयोग किए हैं।

एनसीबी ने मुंबई में 1745 करोड़ की 349 किलो कोकीन जब्त की

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो(एनसीबी) ने संगठित नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए ऑपरेशन व्हाइट स्ट्राइक के अंतर्गत बड़े अंतरराष्ट्रीय कोकीन तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है और मुंबई एवं आसपास के लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर से लगभग 349 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है जिसकी अवैध बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 1,745 करोड़ रुपये है। ब्यूरो ने शुक्रवार को बताया कि यह सफलता उसके छह महीने लंबे उच्च स्तरीय ऑपरेशन के तहत निरंतर खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और निगरानी से मिली है। ब्यूरो की कई टीमों ने विशिष्ट और विश्वसनीय सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए कलंबोली-भिवंडी कॉरिडोर (नवी मुंबई - ठाणे क्षेत्र) में समन्वित छापेमारी की और गोदामों की अवसंरचना तथा छिपे हुए परिवहन तंत्र का उपयोग करने वाले एक अत्यधिक संगठित अंतर्राष्ट्रीय ड्रग सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस सफलता के लिए ब्यूरो को बधाई देते हुए कहा, हम नशीले पदार्थों के कार्टेल को बेरहमी से कुचलने के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मुंबई में एक बड़े अंतर्राष्ट्रीय नशीले पदार्थों के रिंग पर सख्त कार्रवाई करते हुए 349 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है, जिसकी कीमत 1,745 करोड़ रुपये है। यह 'बॉटम टू टॉप' अप्रोच का एक बेहतरीन उदाहरण है, जिसमें एजेंसी ने एक छोटी खेप को ट्रेस करते हुए एक विशाल नेटवर्क को पकड़ा। टीम एनसीबी को इस ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई। यह सफल ऑपरेशन नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित करता है।

ईयू देशों में एक हो दुष्कर्म की परिभाषा

ब्रसेल्स। यूरोपीय संसद के सांसदों ने मांग की है कि पूरे यूरोपीय संघ में बलात्कार की एक जैसी परिभाषा लागू होनी चाहिए। उनका कहना है कि बलात्कार के मामलों में केवल शारीरिक हिंसा को ही आधार न माना जाए, बल्कि सहमति के अभाव को मुख्य आधार बनाया जाए।

सू की को जेल से घर में किया नजरबंद

नेपीडा। म्यांमार की सैन्य अधिकारियों ने देश की प्रमुख नेता आंग सान सू की को जेल से निकाल कर घर में नजरबंद कर दिया है। कैदियों को दी गई माफी के तहत उनकी सजा में कटौती के बाद यह फैसला लिया गया है। देश में सत्तासीन जुंटा प्रमुख मिन आंग हलिंग ने कथित तौर पर 80 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता सू की की सजा का कुछ हिस्सा कम कर दिया है और आदेश दिया है कि शेष सजा एक तयशुदा निवास स्थान पर काटी जाएगी। सू की लगभग पांच वर्षों से जेल में थीं। उन्हें एक फरवरी, 2021 को उस समय गिरफ्तार किया गया था जब सेना ने उनको सत्ता से हटाकर देश का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया था।

कारोबारी से ठगी : खरात को चार दिन की पुलिस हिरासत

- आठ अन्य मामलों में खरात पर हैं महिलाओं से शोषण के आरोप

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक की एक अदालत ने शुक्रवार को स्वयंभू 'बाबा' अशोक खरात को पुणे के एक कारोबारी से पांच करोड़ रुपये से अधिक की ठगी के मामले में चार मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। खरात से जुड़े मामलों की जांच कर रहे एसआईटी ने 30 अप्रैल को अदालत में आवेदन दायर कर इस ठगी मामले में उनकी हिरासत मांगी थी। स्वयंभू बाबा के खिलाफ दर्ज यह नौवां मामला है। अन्य आठ मामलों में खरात पर महिलाओं के यौन शोषण के आरोप हैं। सुरक्षा कारणों से अदालत की कार्यवाही वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये हुई। पुलिस ने सुनवाई के दौरान स्वयंभू बाबा की हिरासत की मांग की, लेकिन बचाव पक्ष ने इसका कड़ा विरोध करते हुए कहा कि एसआईटी हर बार पुलिस हिरासत के लिए एक जैसा कारण देती है और हिरासत के लिए कोई मजबूत आधार नहीं है। हालांकि, अदालत ने अभियोजन पक्ष की यह दलील स्वीकार कर ली कि यह अलग (ठगी से जुड़ा) मामला है और इसमें बड़ी धनराशि शामिल होने के कारण आगे की जांच आवश्यक है। इसके बाद अदालत ने खरात को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। शिकायत में पुणे के कारोबारी ने आरोप लगाया कि उसने अशोक खरात की म्यांमा, ग्रीनलैंड और अमेरिका की यात्राओं का खर्च उठाया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज मित्रों से मुलाकात पुरानी यादें ताजा करेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। तकनीकी कौशल दिखाने का अवसर मिलेगा।

तुला – आज का दिन नए अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने के लिए शुभ है। व्यापारिक साझेदारों के साथ संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृष – आज आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत होगा। निवेश के लिए विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

वृश्चिक – आज का दिन आपके पराक्रम में वृद्धि लाएगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिल सकती है। पुराने रोगों से राहत मिलेगी।

मिथुन – आज संपर्कों का दायरा बढ़ेगा। नए व्यावसायिक अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा के योग बन रहे हैं, जो सुखद और लाभदायक रहेंगे।

धनु – आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता के योग हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। आपकी रचनात्मकता नए रास्ते खोलेगी।

कर्क – आज आप आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करेंगे। रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। संतान पक्ष से कोई सुखद समाचार मिल सकता है।

मकर – आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। स्वयं पर भरोसा रखें। घरेलू मोर्चे पर कुछ बदलाव करने का विचार कर सकते हैं।

सिंह – आज सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की कमान मिल सकती है। उधार के लेन-देन से दूरी बनाए रखें।

कुंभ – आज व्यावसायिक यात्राएं सफल होंगी। संचार के माध्यमों से कोई खुशखबरी मिल सकती है। साहस के साथ नए कदम बढ़ाएं।

कन्या – आज कोई भी निर्णय भावनाओं में बहकर न लें। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। वाणी पर संयम रखें।

मीन – आज धन संचय के प्रयास सफल होंगे। व्यवहार में सौम्यता बनाए रखें। परिवार में मांगलिक आयोजन की चर्चा हो सकती है।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

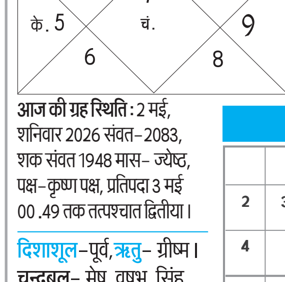

आज की ग्रह स्थिति : 2 मई, शनिवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 3 मई 00.49 तक तत्पश्चात द्वितीया।

दिशाशूल-पूर्व, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-विशाखा पूर्ण रात्रि।

सुडोकू - 136 का हल

4	5	8	3	1	6	2	9	7
9	3	1	5	7	2	6	8	4
6	7	2	4	9	8	1	5	3
7	2	9	8	6	3	5	4	1
1	8	5	2	4	9	7	3	6
3	6	4	7	5	1	8	2	9
2	9	3	1	8	7	4	6	5
8	4	7	6	3	5	9	1	2
5	1	6	9	2	4	3	7	8

सुडोकू -137

		9	5	4				
2	3				9			
4				6				
8			9					
	7						5	
			1		7			
	1			9		6		4
	9		4					8
5				3	2	7		

डेटा चोरी

अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को गंभीर खतरे का दिया हवाला

चीन में निर्मित एआई मॉडलों की जांच कर रही अमेरिकी संसद

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी संसद की दो शक्तिशाली समितियों ने चीन से जुड़ी कंपनियों द्वारा बनाए गए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल की एक बड़ी जांच शुरू की है। सांसदों को डर है कि इन चीनी एआई मॉडलों से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है, जिसमें डेटा की चोरी और रणनीतिक रूप से चीन पर बढ़ती निर्भरता शामिल है।

होमलैंड सिक्योरिटी कमेटी के अध्यक्ष एंड्रयू आर. गारबारिनो और चीन मामलों की कमेटी के अध्यक्ष जॉन मूलनार ने इस जांच का ऐलान किया। उनका मुख्य ध्यान डीपसीक, अलीबाबा, मूनशॉट एआई और मिनीमैक्स जैसी चीनी कंपनियों पर है, जिनके सस्ते एआई सिस्टम दुनिया भर में बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। जांच में सबसे बड़ा आरोप यह है कि चीनी कंपनियां मॉडल डिस्टिलेशन नाम की तकनीक का प्रयोग कर रही हैं।

आसान भाषा में कहें तो, ये कंपनियां अवैध तरीकों और फर्जी खातों के जरिए अमेरिका के महंगे और आधुनिक एआई सिस्टम की खूबियां चुरा लेती हैं। फिर वे उन्हीं खूबियों को अपने सस्ते एआई मॉडल में डाल देती हैं, लेकिन उनमें वो सुरक्षा घेरे (सेफगार्ड्स) नहीं होते जो अमेरिकी सिस्टम में अनिवार्य हैं। सांसदों ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी कंपनियां शोध में अरबों डॉलर खर्च करती हैं, जबकि चीनी कंपनियां बहुत कम लागत में उस मेहनत को चुरा रही हैं। उन्होंने कहा कि बिना सुरक्षा मानकों वाले इन मॉडलों का इस्तेमाल आतंकी संगठन, अपराधी या दुश्मन देश गलत कामों के लिए कर सकते हैं। जांच के पहले चरण में एनीस्फीयर और एयरबीएनबी जैसी कंपनियों से जवाब मांगा गया है। एयरबीएनबी से पूछा गया है कि वह अपनी ग्राहक सेवा के लिए अलीबाबा के एआई मॉडल पर क्यों निर्भर है।

चीन ने अमेरिका-चीन संबंधों में ताइवान को बताया सबसे बड़ा खतरा

ताइपे। ताइवान ने चीन के उस बयान पर शुक्रवार को चिंता जताई, जिसमें उसने कहा है कि स्वशासित ताइवान, चीन-अमेरिका संबंधों के लिए सबसे बड़ा जोखिम है। ताइवान की सरकार ने यह चिंता चीन और अमेरिका के शीर्ष राजनयिकों के बीच हुई बातचीत के कुछ घंटे बाद बीजिंग के संबंधित बयान के बाद जताई। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ताइवान का विदेश मंत्रालय चीन के बयान को लेकर चिंतित है जिसमें एक बार फिर ताइवान मुद्दे पर धमकी भरी बातें की गई हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ हुई बातचीत में कहा कि अमेरिका को ताइवान के मुद्दे पर सही विकल्प चुनना चाहिए, ताकि दोनों देशों के बीच स्थिरता बनी रहे। यह जानकारी चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में दी गई। यह बातचीत उस बहुप्रतीक्षित शिखर सम्मेलन से लगभग दो हफ्ते पहले हुई है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात होने की उम्मीद है। इस बैठक में ताइवान प्रमुख मुद्दों में से एक माना जा रहा है। चीन, ताइवान को अपना अलग हुआ प्रांत मानता है और आवश्यकता पड़ने पर बल प्रयोग से उसे फिर से अपने नियंत्रण में लेने की बात करता है।

दक्षिण अफ्रीका के पाठ्यक्रम में रखें भारतीय इतिहास

जोहानिसबर्ग। साउथ अफ्रीकन हिंदू धर्म सभा ने दक्षिण अफ्रीका में संशोधित किए जा रहे स्कूल पाठ्यक्रम में भारतीयों के इतिहास को पर्याप्त स्थान देने की मांग की है। एक खुले पत्र में सभा के अध्यक्ष राम महाराज ने कहा कि भारतीय समुदाय के इतिहास को पाठ्यक्रम में समुचित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 1981 में डरबन में आयोजित पहले राष्ट्रीय हिंदू सम्मेलन में हिंदू धर्म सभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर स्कूल पाठ्यक्रम में भारतीयों के इतिहास को पर्याप्त रूप से शामिल करने की मांग की थी।

“एमएस धोनी मैच के दिनों में स्टेडियम में मौजूद नहीं रहते हैं, ताकि उनकी मौजूदगी से टीम का ध्यान न भटके। जाहिर है, कैमरे ज्यादातर उन्हीं पर फोकस करेंगे। दर्शक उनके लिए चीयर करेंगे और ऐसी ही दूसरी चीजें होंगी। वह पूरी तरह से टीम को समर्पित इंसान हैं।
– माइकल हसी, सीएसके के बैटिंग कोच

स्टेडियम

बरेली, शनिवार, 2 मई 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

IPL 2026
आज के मुकाबले

चेन्नई सुपर किंग्स
बनाम
मुंबई इंडियंस

समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट

एथेंस के पास पिराएस में ओलंपियाकोस और एएस मोनाको के बीच यूरोलीग प्लेऑफ बास्केटबॉल प्रतियोगिता देखते टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच (बाएं) व मिल्वौकी बक्स के जियानिस एंटेटोकोउनम्पो। एजेंसी

भारत टेस्ट रैंकिंग में तीसरे स्थान पर

दुबई। सालाना अपडेट का पुरुषों की टेस्ट रैंकिंग में टॉप दो टीमों पर कोई असर नहीं पड़ा। ऑस्ट्रेलिया नंबर 1 पर अपना दबदबा बनाए हुए है और तीन अंकों की बढ़त के साथ 131 अंकों पर पहुँचकर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका भी नंबर 2 पर मजबूती से कायम है, जिसे तीन अंकों की इसी तरह की बढ़त से फ़ायदा मिला है और वह 119 अंकों पर पहुँच गई है। भारत एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे (104) स्थान पर पहुँच गया है, और उसने इंग्लैंड (102) को पीछे छोड़ दिया है। इंग्लैंड एक स्थान नीचे खिसक गया है क्योंकि 23 अप्रैल, 2023 से पहले के नतीजों का वेटेज अब रैंकिंग में शामिल नहीं है। इन नतीजों में न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ में मिली जीत, और पाकिस्तान में 3–0 से मिली जीत शामिल थी। पाकिस्तान (89) को भी सालाना अपडेट से फ़ायदा मिला है। वेस्ट इंडीज़, बांग्लादेश और ज़िम्बाब्वे टॉप 10 में शामिल हैं, वहीं आयरलैंड रैंकिंग से बाहर हो गया है क्योंकि उसने रेटिंग अवधि में जरूरी मैच नहीं खेले हैं।

विश्व एथलेटिक्स रिले में हिस्सा लेंगी भारत की पांच टीमें

गैबोर्न (बोत्सवाना)। भारत की पांच टीमें शनिवार से यहां शुरू हो रही विश्व एथलेटिक्स रिले में हिस्सा लेंगी और अगले साल की विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने की कोशिश करेंगी। 21 सदस्यों वाली भारतीय टीम की अगुवाई स्टार स्प्रिंटर अनिमेष कुजूर कर रहे हैं और इस टीम में आठ महिला भी शामिल हैं। पहले दिन की शुरुआत मिश्रित चार गुणा 100 मीटर स्पर्धा के क्वालीफाइंग राउंसड से होगी। इसके बाद मिश्रित चार गुणा 400 मीटर, महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर, पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर और पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर में पहले दौर की क्वालीफाइंग रेस होंगी। मिश्रित चार गुणा 100 मीटर रिले ने 2025 में विश्व रिले के पिछले चरण में अपना वैश्विक पदार्पण किया था।

दिल्ली कैपिटल्स ने हासिल किया अपने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य

आईपीएल-2026 : राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराया, केएल राहुल ने खेली शानदार पारी

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते केएल राहुल। एजेंसी

जयपुर, एजेंसी

केएल राहुल (75), पथुम निसंका (62) और नीतीश कुमार राणा (33) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 43वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को पांच गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर अपनी चौथी जीत दर्ज करते हुए आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया।

यह टूर्नामेंट में आआर की चौथी हार है। आशुतोष शर्मा 15 गेंदों में (नाबाद 25) और ट्रिस्टन स्टब्स 11 गेंदों में (नाबाद 18) रनों की सूझबूझ भरी पारी ने आखिरीकार दिल्ली कैपिल्टस को आईपीएल इतिहास की सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दिला दी। 226 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को पथुम निसंका और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 110 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। 10वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने पथुम निसंका को पगबाधा आउट कर आरआर को पहली सफलता दिलाई। पथुम निसंका ने 33 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 62 रनों की पारी खेली। 15वें ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी आउट हुये। उन्होंने 17 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए 33 रन बनाये। अगले ही ओवर में जोफ्रा आर्चर ने केएल राहुल को आउट कर दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका दिया। केएल राहुल ने 40 गेंदों में छह चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए 75 रनों की पारी खेली। दिल्ली कैपिटल्स ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 226 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। आशुतोष शर्मा ने अपनी पारी में चार चौके लगाये। वहीं स्टब्स ने एक चौका और एक छक्का जड़ा। आरआर के लिए जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे और रवींद्र जडेजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां कप्तान रियान पराग (90), डॉनोवन फरेरा (नाबाद 47) और ध्रुव जुरेल (42) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 225 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स को मिचेल स्टार्क और काइल जेमीसन ने शुरुआती झटके दिये। पहले ओवर में स्टार्क ने यशस्वी जायसवाल (छह) को आउट किया। अगले ही ओवर में जेमीसन ने धाकड़ बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (चार) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। 12 रन के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा चुकी आरआर को ध्रुव जुरेल और रियान पराग की जोड़ी ने संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे के लिए 102 रनों की साझेदारी हुई। 12वें ओवर में अक्षर पटेल ने ध्रुव जुरेल को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। जुरेल ने 30 गेंदों में चार चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 42 रनों की पारी खेली। 17वें ओवर में मिचेल स्टार्क ने दूसरी गेंद पर रवींद्र जडेजा 14 गेंदों में (20) रन को आउट किया।

राजस्थान रॉयल्स
225/6 (20 ओवर)

यशस्वी जायसवाल का एवं बो स्टार्क	06
वैभव सूर्यवंशी बो जैमीसन	04
ध्रुव जुरेल का स्टब्स बो पटेल	42
रियान पराग का अक्षर बो स्टार्क	90
रविंद्र जडेजा का आशुतोष बो स्टार्क	20
डोनोवन फरेरा नाबाद	47
शुभम दुबे का आशुतोष बो नटराजन	06
जोफ्रा आर्चर नाबाद	01

अतिरिक्त : 09, **विकेट पतन** : 1-6, 2-12, 3-114, 4-167, 5-168, 6-208

गेंदबाजी : स्टार्क 4-0-40-3, जैमीसन 4-0-48-1, अक्षर 4-0-39-1, कुलदीप 4-0-41-0, नटराजन 4-0-54-1

दिल्ली कैपिटल्स
226/3 (19.1 ओवर)

पाथुम निसांका पगबाधा बो जडेजा	62
केएल राहुल का फरेरा बो आर्चर	75
नीतिश राणा का जुरेल बो देशपांडे	33
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	18
आशुतोष राणा नाबाद	25

अतिरिक्त : 13, **विकेट पतन** : 1-110, 2-171, 3-177, **गेंदबाजी** : आर्चर 4-0-46-1, बर्गर 3-0-41-0, देशपांडे 4-0-38-1, बृजेश 3.1-0-35-0, बिश्नोई 2-0-28-0, जडेजा 3-0-33-1

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	8	6	1	1	13	1.043
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	6	3	0	12	1.420
3.	सनराइजर्स हैदराबाद	9	6	3	0	12	0.832
4.	राजस्थान रॉयल्स	10	6	4	0	12	0.510
5.	गुजरात टाइटंस	9	5	4	0	10	-0.192
6.	दिल्ली कैपिटल्स	9	4	5	0	8	-0.895
7.	चेन्नई सुपर किंग्स	8	3	5	0	6	-0.121
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	1	5	-0.751
9.	मुंबई इंडियंस	8	2	6	0	4	-0.784
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

ऑरेंज कैप

- केएल राहुल
दिल्ली-433 रन
- अभिषेक शर्मा
हैदराबाद -425 रन
- हेनरिक क्लासेन
हैदराबाद-414 रन

पर्पल कैप

- भुवनेश्वर कुमार
बेंगलुरु-17 विकेट
- जोफ्रा आर्चर
राजस्थान-15 विकेट
- इशान मलिंगा
हैदराबाद-15 विकेट

मैदान से इतर के विवाद टीम के लिए सकारात्मक संकेत नहीं : संगकारा

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने कहा कि मैदान से बाहर की दो घटनाओं के लिए कप्तान रियान पराग और सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य पर लगाए गए जुर्माने से टीम की छवि पर बुरा असर पड़ता है। पराग पर पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान गुरुवार को ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का सेवन करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। उन्हें खेल की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का दोषी पाया गया। इससे पहले टीम मैनेजर रोमी भिंडर पर डगआउट में फोन के इस्तेमाल से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने के लिए एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से पहले संगकारा ने कहा मुझे लगता है कि इससे निश्चित रूप से टीम पर सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है, फिर चाहे वह किसी भी तरह का विवाद हो। उन्होंने कहा मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और फ्रेंचाइजी ने दोनों ही मामलों पर ध्यान दिया है। जहां तक संस्कृति की बात है, हम हमेशा सकारात्मक और स्वस्थ संस्कृति बनाए रखने की कोशिश करते हैं। हमारे अपने मूल्य हैं जिनका हम पालन करते हैं। खिलाड़ियों को लगातार याद दिलाया जाता है कि वे फ्रेंचाइजी और हमारी संस्कृति और मूल्यों के प्रति जिम्मेदार रहें। बीसीसीआई ने गुरुवार को बयान जारी करके कहा था कि पराग को दंडित करने के बाद वह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। पराग को इस सत्र के लिए राजस्थान रॉयल्स का कप्तान नियुक्त किया गया है लेकिन वह अभी तक बल्लेबाजी में खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, लेकिन संगकारा ने उनका बचाव किया। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि उन्होंने कप्तान के तौर पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

फेड कप में हिस्सा नहीं लेने पर प्रतिबंधित हो सकते हैं एथलीट

- एएफआई ने ठोस वजह बताने के दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने घोषणा की है कि कोई भी एथलीट जो 22-25 मई तक रांची में होने वाले राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कप में प्रविष्टि मिलने के बाद बिना किसी ठोस वजह के शामिल नहीं होता है तो उसे बाद की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने से प्रतिबंधित किया जा सकता है।

पिछले कुछ साल से एएफआई को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है कि एथलीट अपनी स्पर्धा के लिए नाम तो दर्ज करवा लेते हैं, लेकिन मुकाबले के दौरान आते नहीं हैं। इसकी वजह शायद यह डर है कि राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी उनका डोप परीक्षण कर सकती है, या फिर कोई और वजह हो सकती है जिसके चलते किसी खास स्पर्धा में बहुत कम एथलीट ही हिस्सा लेते हैं।एएफआई ने फेडरेशन कप के संबंध में हाल में जारी एक सर्कुलर में कहा अगर कोई एथलीट बिना किसी ठोस वजह के प्रविष्टि भेजने के बाद भी मुकाबले में हिस्सा नहीं लेता है तो उसे बाद की किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। महासंघ के पास यह अधिकार है कि वह बिना कोई वजह बताए किसी भी प्रविष्टि को खारिज कर सकता है। इसके अलावा फेडरेशन कप में सिर्फ वही एथलीट हिस्सा ले पाएंगे जिन्होंने इस साल के दौरान एएफआई द्वारा आयोजित कम से कम दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया हो। इस बीच एएफआई ने यह भी कहा कि जिन खिलाड़ियों ने अपनी निलंबन की अवधि पूरी कर ली है, वे अगर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेना चाहते हैं तो वे उस तारीख से ठीक एक साल पहले की अवधि में हासिल किए गए अपने प्रदर्शन का सबूत जमा कर सकते हैं, जिस तारीख को उन पर यह निलंबन लगाया गया था।

शॉटगन विश्व कप में भाग लेगी भारत की 12 सदस्यीय टीम

नई दिल्ली। कजाकिस्तान के अल्माटी में होने वाले इस साल के दूसरे आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में भारत की 12 सदस्यीय निशानेबाजी टीम भाग लेगी। भारतीय टीम शनिवार को आयोजन स्थल पर पहुंचेगी। दस दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में 42 देशों के 284 खिलाड़ी भाग लेंगे। भारतीय टीम के आठ सदस्य भी आरपीओ (केवल रैंकिंग अंक के लिए) निशानेबाज के रूप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता सोमवार (चार मई) को पुरुषों और महिलाओं के स्कीट क्वालीफायर के साथ शुरू होंगी। इस स्पर्धा के फाइनल पांच मई को होंगे। ट्रैप स्पर्धा के दो फाइनल नौ मई को जबकि ट्रैप मिश्रित टीम का फाइनल अगले शनिवार यानी 10 मई को होगा।

चीनी ताइपे को हराकर भारत सेमीफाइनल में

- थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में लक्ष्य और आयुष ने एकल जीते

होर्सेंस (डेनमार्क), एजेंसी

थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाती भारतीय टीम।

देश के शीर्षस्थ एकल शटलर लक्ष्य सेन की शानदार वापसी के बाद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की ख्यातिनाम जोड़ी और फिर युवा आयुष शेट्टी के दमदार प्रदर्शन से पूर्व चैम्पियन भारत ने शुक्रवार को यहां चीनी ताइपे पर 3-0 की निर्णायक बढ़त हासिल की और थॉमस कप के सेमीफाइनल में प्रवेश के साथ पुरुषों की टीम बैडमिंटन चैम्पयनशिप में पदक पक्का कर लिया।

लक्ष्य की मैच अंक से असाधारण वापसी फोरम होर्सेंस के कोर्ट नंबर दो पर सेमीफाइनल का पहला रबर खेलने उतरे विश्व नंबर 11 लक्ष्य ने दो मैच प्वॉइंट बचाते हुए असाधारण वापसी की और विश्व के छठे नंबर के शटलर चोउ टिएन चेन को हराकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। 24 वर्षीय लक्ष्य अधिकतर समय तक पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने गजब का जुझारूपन दिखाया तथा एक घंटा 28 मिनट तक खिंची मैराथन कश्मकश में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की। सात्विक-चिराग भी तीन गेमों के संघर्ष में जीते वहीं सात्विक व चिराग की विश्व नंबर चार जोड़ी ने चियू सियांग चिएह व वांग ची-लिन को एक घंटा 15 मिनट में 23-21, 19-21, 21-12 से हराकर भारत की बढ़त दुगुनी कर दी।

पहला गेम कड़े संघर्ष में जीतने के बाद भारतीय टीम दूसरा गेम गंवा बैठी। लेकिन निर्णायक गेम में चीनी ताइपे की विश्व नंबर 14 जोड़ी ज्यादा संघर्ष नहीं कर सकी। आयुष शेट्टी ने विश्व नंबर 8 लिन चुन-यी को स्तब्ध किया भारतीय टीम ने दूसरे एकल में विश्व नंबर 18 आयुष शेट्टी को उतारा और तेजी से उभर रहे इस युवा शटलर अपने शानदार प्रदर्शन से वाहवाही लूट ली।

पिछले ही माह बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के फाइनल तक पहुंचे मेंगलुरु के 20 वर्षीय शेट्टी विश्व रैंकिंग में आठवें नंबर पर काबिज व मौजूदा ऑल इंग्लैंड ओपन चैम्पियन लिन चुन-यी को सिर्फ 48 मिनट में 21-16, 21-17 से स्तब्ध कर 3-0 की निर्णायक बढ़त के साथ भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। भारत की फाइनल में प्रवेश के लिए अब जापान या फ्रांस से टक्कर होगी।

यह यादगार प्रदर्शन वर्ष 2022 में खिताब जीतने के अलावा 1952, 1955 और 1979 में भी कांस्य पदक जीत चुकी भारतीय टीम के पूर्व कोच विमल कुमार ने इस जीत पर कहा, 'यह यादगार प्रदर्शन है। इससे भारतीय बैडमिंटन में बढ़ते आत्मविश्वास, तैयारी और ताकत का पता चलता है।

नेक विचार

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार तेज गेंदबाज ने कहा– 'व्यक्तिगत उपलब्धियों पर ध्यान नहीं देते'

सिर्फ टीम के लक्ष्यों पर ध्यान करता हूं केंद्रित : भुवनेश्वर

अहमदाबाद, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि वह अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंच गए हैं जहां उनके लिए टीम की सफलता व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक महत्वपूर्ण है। यह 36 वर्षीय तेज गेंदबाज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज है और इस कारण उनके पास पर्पल कैप है। उन्होंने आरसीबी की तरफ से गुजरात टाइटंस के खिलाफ 28 रन देकर तीन विकेट लिए। उनकी टीम को हालांकि इस मैच में हार का सामना करना पड़ा।

भुवनेश्वर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा पर्पल कैप मिलना अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उस दौर से आगे निकल चुका हूं जहां मैं व्यक्तिगत रूप से कुछ हासिल करना चाहता था। आरसीबी की टीम का लक्ष्य का पीछा करने में अच्छा रिकॉर्ड रहा है लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसे पहले बल्लेबाजी करनी पड़ी और उसकी टीम 155 रन पर आउट हो गई।

भुवनेश्वर ने स्वीकार किया कि इस सत्र में सभी मैदानों पर लक्ष्य का पीछा करना आसान रहा है। उन्होंने कहा अगर आप इस बार आईपीएल को देखें तो किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो गया है। हमने टॉस नहीं जीता। हमें पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया था। हमने गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की। अब नतीजा यह है कि हम हार गए। भुवनेश्वर ने आगे कहा हम रन बचाकर मैच नहीं जीत सकते थे। हम विकेट लेकर जीत सकते थे और जिन गेंदबाजों ने गेंदबाजी की वे विकेट लेने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे। आप हर मैच में हर विभाग में परफेक्ट नहीं हो सकते। हमने पूरे टूर्नामेंट में अब तक अच्छी बल्लेबाजी की थी। गुजरात टाइटंस की तरफ से वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने 29 रन देकर दो विकेट लेने के अलावा तीन कैच भी लिए। उन्होंने 12 रन भी बनाए और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा जब हम नीलामी में जेसन को अपनी टीम में शामिल करने की कोशिश कर रहे थे तो हमारा मकसद यही था कि वह बल्ले और गेंद दोनों की भूमिका निभा सके। उन्होंने पिछले कुछ समय में पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है।

पुरस्कार जीतने की चाह नहीं

भुवनेश्वर कुमार ने कहा निश्चित रूप से मैं कुछ हासिल करना चाहता हूं। लेकिन अब यह टीम से जुड़ा हुआ है। अब मैं युवा नहीं हूं। जब आप युवा होते हैं तो पुरस्कार जीतना चाहते हैं और यह अच्छा प्रदर्शन करने पर ही आपको मिलते हैं। भुवनेश्वर ने कहा लेकिन जब आप टीम के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करते हैं और तब आपको कोई व्यक्तिगत पुरस्कार या इनाम मिलता है, तो अच्छा लगता है। लेकिन सच कहूं तो मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं।

उम्मीदें जीवंत रखने के लिए टकराएंगे चेन्नई और मुंबई

चेन्नई, एजेंसी

अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस की टीमों के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को यहां करो या मरो का मुकाबला होगा, जिसमें दोनों का लक्ष्य प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने की उम्मीद जीवंत रखना होगा। आईपीएल इतिहास की दो सबसे सफल टीम का अब तक का अभियान निराशाजनक रहा है और वे लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही हैं।

सीएसके के लिए एमए चिदंबरम स्टेडियम की परिस्थितियां अनुकूल रही हैं लेकिन उनके प्रदर्शन में वह प्रभाव देखने को नहीं मिला है जो वर्षों से उसकी पहचान रही है।

अभ्यास सत्र के दौरान मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या (बाएं) और चेन्नई सुपर किंग्स के एमएस धोनी। एजेंसी

सीएसके की बल्लेबाजी में निरंतरता का अभाव रहा है। विशेषकर उसके बल्लेबाज बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसके गेंदबाज भी दबाव वाली परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जूझ रहे हैं।

मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन भी इस सत्र में उतार-चढ़ाव वाला रहा है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के बावजूद, पांच बार की चैंपियन टीम को कमजोर मध्य क्रम और गेंदबाजों ने निराश किया है। उसके गेंदबाज स्कोर का बचाव करने और महत्वपूर्ण मौकों पर विपक्षी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे हैं। अब टूर्नामेंट अपने निर्णायक चरण में पहुंच गया है तो इन दोनों टीम के लिए अपने प्रदर्शन में सुधार करने के अलावा अब कोई और विकल्प नहीं है। उन्हें अपनी किस्मत पलटने के लिए इस मैच से ही अच्छा प्रदर्शन करना होगा।